@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 18 जुलाई 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 254 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत में पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू

●प्रधानमंत्री ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

हरियाणा में जींद से सोनीपत तक 89किमी का रूट

जींद से जुड़ेगा भारत के रेलवे इतिहास का नया अध्याय: मोदी

एजेंसी

जींद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि जींद, सोनीपत और हरियाणा का नाम अब भारतीय रेलवे के इतिहास में उसी तरह दर्ज होगा, जैसे पहली रेलगाड़ी के कारण मुंबई और ठाणे का नाम दर्ज है। उन्होंने कहा कि भारत की यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे लंबी हाइड्रोजन चालित यात्री ट्रेनों में से एक है तथा यह 'मेक इन इंडिया' अभियान का सफल उदाहरण है। जींद के एकलव्य स्टेडियम में करीब 14,700 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 19वीं सदी की पहचान भाप इंजन, 20वीं सदी की पहचान डीजल और बिजली से चलने वाली रेल रही, जबकि 21वीं सदी की पहचान हाइड्रोजन ट्रेन बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया के केवल तीन-चार देशों के पास हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की क्षमता है और भारत अब इस चुनिंदा समूह में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि जींद से चलने वाली 10 कोच की यह ट्रेन 3,200 हॉर्स पावर के प्रोपल्शन सिस्टम से लैस है और दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित यह ट्रेन हाइड्रोजन को बिजली में परिवर्तित कर चलती है तथा इसके संचालन के दौरान केवल जलवाष्प निकलती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन नहीं होता।

- **प्रधानमंत्री ने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन न केवल पर्यावरण अनुकूल है, बल्कि 'मेक इन इंडिया' की सफलता का भी प्रतीक है।**
- **'भविष्य में हाइड्रोजन ट्रेनों से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा और नई फैक्ट्रियां स्थापित होंगी'**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण

स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई मजबूती

एजेंसी

नारनौल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से नारनौल शहर के कोरियावास स्थित महर्षि च्यवन राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं राव तुलाराम अस्पताल का लोकार्पण किया। जींद के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव बोलीं- दक्षिण हरियाणा के लाखों मरीजों को मिलेगा लाभ

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि करीब 76 एकड़ में फैले आधुनिक मेडिकल कॉलेज परिसर में प्रथम चरण में 600 बेड की क्षमता के साथ आईपीडी सेवाएं शुरू की जा रही हैं। साथ ही अत्याधुनिक आपातकालीन एवं दुर्घटना चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के पूरी तरह संचालित होने के बाद महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी तथा आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को गंभीर उपचार के लिए जयपुर, रोहतक या दिल्ली का रुख नहीं करना पड़ेगा। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं अपने जिले में ही मिल सकेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंडीगढ़ में किया 4,700 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ

●चंडीगढ़ सिर्फ एक शहर ही नहीं है, यह भारत के लिए विकास का एक मॉडल रहा है।

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सड़क अवसंरचना समेत 4,700 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ सिर्फ एक शहर ही नहीं है, यह भारत के लिए विकास का एक मॉडल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चंडीगढ़ व्यवस्थित विकास और बेहतर लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है। चंडीगढ़ की पहचान चिकित्सा की बेहतर सुविधाओं के लिए है और इन सबके साथ-साथ चंडीगढ़ की पहचान मां चंडी का आशीर्वाद भी है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ का विकास हमेशा से ही एनडीए सरकार की विशेषता रहा है। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल पहले देश ने न्याय व्यवस्था में बहुत बड़ा सुधार किया। हम दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता लाए, यानी दंड आधारित कानूनों की जगह न्याय आधारित कानून व्यवस्था। तब भारतीय न्याय संहिता लागू करने की शुरुआत चंडीगढ़ से ही हुई थी। पीएम मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, स्मार्ट पार्किंग और डिजिटल गवर्नेंस जैसे कितने ही प्रोजेक्ट्स पर चंडीगढ़ को हाईटैक बनाने के काम हुआ है। 2.5 हजार करोड़ से ज्यादा रुपये इस मिशन पर खर्च हुए हैं। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि हमारा चंडीगढ़, हरियाणा-पंजाब-हिमाचल के पूरे क्षेत्र को जोड़ता है। चंडीगढ़ के विकास से यहां के लोगों का जीवन तो बदलता ही है, साथ ही हरियाणा, हिमाचल, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी इससे बहुत लाभ होता है। चिकित्सा सेवाओं के लिए तो चंडीगढ़ इस पूरे क्षेत्र में एक बड़ा हब है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'जब हम स्वास्थ्य की बात करते हैं, तो हम सब जानते हैं कि इसमें स्वच्छता की कितनी बड़ी भूमिका है। 2014 में जब हमारी सरकार बनी, तब हमने देश के लिए स्वच्छ भारत मिशन लॉन्च किया था। देश में करोड़ों शौचालय बनाए गए, देश को खुले में शौच से मुक्त कराया गया, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता के लिए अभियान चलाए गए। सफाई हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनें, इसके लिए अलग अलग पहल शुरू की गईं। हमारे शहरों की स्वच्छ भारत रैंकिंग इसी प्रयास का हिस्सा है, और चंडीगढ़ इसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास भी करता रहता है।'

पीएम ने रिटायर्ड आईपीएस की सराहना की

चंडीगढ़ के रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी इंदरजीत सिंह सिद्धू की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'उनकी पहचान 'ब्रूम वॉरियर' की बनी हुई है। उन्होंने चंडीगढ़ में स्वच्छता को लेकर एक नई अलख जगाई है, लोगों को प्रेरित किया है। इसके लिए हमारी सरकार ने उन्हें इस साल पद्म सम्मान से भी सम्मानित किया है। स्वच्छता, कोई एक दिन का काम नहीं है, स्वच्छता तो जीवन जीने का तरीका है।' उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ एक ऐसा शहर है, जहां शिक्षा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान और शोध से जुड़े बड़े संस्थान एक साथ मौजूद हैं। बहुत कम शहरों के पास ऐसा सामर्थ्य होता है। आने वाले समय में यही संस्थान नई टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, स्टार्टअप और इनोवेशन के बड़े केंद्र बन सकते हैं।

2800 नए राशन डिपो होल्डरों को मिले लाइसेंस, नई डिपो अलॉटमेंट पॉलिसी के तहत सीएम मान ने किए जारी

चंडीगढ़। पंजाब में 2800 नए राशन डिपो होल्डरों को आज लाइसेंस दिए गए। अब राशन लेने के लिए लाभार्थियों को लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने नई राशन डिपो अलाटमेंट पॉलिसी के तहत लाइसेंस जारी किए। नई नीति के तहत 2800 में से 633 डिपो अनुसूचित जाति, 199 पिछड़े वर्ग, 181 पूर्व सैनिक, 39 स्वतंत्रता सेनानी, 156

दिव्यांगजन और 17 दंगा पीड़ित परिवारों को अलॉट होंगे। नए राशन डिपो खुलने से करीब 5.5 लाख राशन कार्ड धारकों को घर के पास राशन मिलेगा। सरकार अभी 14000 राशन डिपो के जरिये स्मार्ट राशन कार्ड स्कीम के तहत पंजीकृत 40 लाख परिवारों तक मुफ्त गेहूं और मेरी रसोई राशन किट मुहैया करवा रही है। हर गांव और शहरी क्षेत्र में डिपो स्थापित करना मान सरकार का मुख्य लक्ष्य है।

शामली से योगी का विपक्ष पर तीखा वार, बोले-

'जिन्ना के उपासक' विकास और विरासत के विरोधी

एजेंसी

शामली । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शामली में 581 करोड़ रुपये की लागत वाली 89 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए दोनों दलों को 'जिन्ना का उपासक' बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले विकास कार्य ठप थे, बिजली, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं बदहाल थीं, लेकिन डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदल दी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कभी आतंक, पलायन और गुंडागर्दी के लिए चर्चा में रहने वाला शामली आज विकास का नया केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-देहरादून, शामली-अंबाला और प्रस्तावित शामली-गोरखपुर एक्सप्रेसवे के संगम के कारण यह जिला भविष्य में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय

राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का महत्वपूर्ण विकास केंद्र बनेगा। योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने माफिया को जेल या जहन्नुम पहुंचाने का संकल्प लिया था और शामली-कैराना आकर उन्हें लगता है कि वह संकल्प सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले व्यापारी, किसान और आम नागरिक भय के माहौल में जीते थे, जबकि आज प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकारों के दौरान विकास की बजाय तुष्टिकरण और अव्यवस्था को बढ़ावा मिला।

- **'डबल इंजन सरकार ने किसानों, युवाओं और महिलाओं की सुरक्षा तथा विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।'**
- **'कांवड़िए भगवान राम के वंशज और भगवान शिव के भक्त हैं, इसलिए छोटी-छोटी बातों पर विवाद या हुड़दंग से बचें।'**

संदिग्ध जेईएम मॉड्यूल मामले में पांच और गिरफ्तार

'दो दिन पहले एटीएस ने इस मामले में कई लोगों से पूछताछ की थी।

एजेंसी

अहमदाबाद । गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े एक कथित मॉड्यूल की जांच के सिलसिले में पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों के साथ ही इस महीने की शुरुआत में हुई आठ गिरफ्तारियों के बाद मामले की जांच का दायरा और बढ़ गया है। एटीएस ने बताया कि ये नई गिरफ्तारियां पहले पकड़े गए आरोपियों से पुलिस रिमांड के दौरान हुई पूछताछ और मिले सबूतों के आधार पर की गई हैं। एटीएस के मुताबिक, हाल ही में गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपी पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े थे। एजेंसी का दावा है कि वे पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों के साथ मिलकर विस्फोटक उपकरणों का परीक्षण करने में शामिल थे।

हाल ही में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बिलाल आबिद शेरा,

मोहम्मद अय्यूब कदीवाल उर्फ मोहम्मद खदियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन करादिया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अय्यूब सुनासरा उर्फ मोहम्मद खली शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा, 'दो दिन पहले एटीएस ने इस मामले में कई लोगों से पूछताछ की थी। गिरफ्तार किए गए ये पांचों आरोपी भी उन्हीं में शामिल थे। ये सभी राज्य के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं।' जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, जब्त की गई सामग्री, फोरेंसिक जांच के नतीजों और आरोपियों पर लगे आरोपों से जुड़ी अधिक जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

नाबालिग दुष्कर्म-हत्या मामला

'ड्यूटी नहीं निभा सकते तो डॉक्टर मत लिखिए'

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में चार वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में समय पर इलाज नहीं देने पर दो निजी अस्पतालों और उनके डॉक्टरों को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने दोनों अस्पतालों से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने को कहा। मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने डॉक्टरों से कहा, अगर आप अपना फर्ज नहीं निभा सकते तो आपको अपने नाम के आगे 'डॉक्टर' लिखने का कोई अधिकार नहीं है। अगर आपके पास इलाज की सुविधा नहीं थी तो आपको खुद बच्ची को दूसरे अस्पताल लेकर जाना चाहिए था। क्या आपने उसे इसलिए नजरअंदाज किया क्योंकि वह गरीब थी? क्या वह आपकी फीस नहीं दे सकती थी?

क्या है मामला?

16 मार्च को चार वर्षीय बच्ची को कथित तौर पर पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति चॉकलेट दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया। जब बच्ची वापस नहीं लौटी तो उसके पिता ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में बच्ची बेहोशी

की हालत में खून से लथपथ मिली। परिजन उसे दो निजी अस्पतालों में लेकर गए, लेकिन आरोप है कि दोनों अस्पतालों ने उसे भर्ती करने से इनकार कर दिया। इसके बाद बच्ची को गाजियाबाद के एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पहले भी जताई थी नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में इस मामले में गाजियाबाद पुलिस की एफआईआर दर्ज करने और जांच को लेकर दिखाई गई 'अनिच्छा' पर भी सवाल उठाए थे। अदालत ने कथित तौर पर इलाज से इनकार करने वाले दोनों निजी अस्पतालों- खजान सिंह मानवी हेल्थ केयर और सेंट जोसेफ (मरियम) अस्पताल- को आरोपों पर अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। यह मामला पीड़िता के पिता की याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। दिहाड़ी मजदूर पिता ने मामले की अदालत की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) या सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। 10 अप्रैल को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच में गाजियाबाद पुलिस के 'संवेदनहीन रवैये' की भी कड़ी आलोचना की थी।

शीर्ष अदालत ने सरकार को भी भेजा नोटिस

अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार, संबंधित थाना प्रभारी, दोनों अस्पतालों और कार्यपालक मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी किए थे। साथ ही पुलिस और अस्पतालों को निर्देश दिया था कि पीड़िता और उसके परिवार की पहचान उजागर न हो तथा रिकॉर्ड से ऐसी सभी जानकारियां हटा दी जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य पुलिस को यह भी निर्देश दिया था कि वह पीड़ित परिवार को परेशान न करे। अदालत ने इस बात पर भी चिंता जताई थी कि खून से लथपथ बच्ची को दोनों निजी अस्पतालों ने भर्ती करने से इनकार कर दिया और बाद में सरकारी अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया।

हेराफेरी मामले में पुलिस ने मंदिर अधिकारी को किया गिरफ्तार

●30 जून को हुए थे

एजेंसी

बदरीनाथ। बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावा हेराफेरी मामले में पुलिस ने मंदिर के पूर्व अधिकारी को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया है। मंदिर अधिकारी राजेन्द्र चोहान 30 जून को सेवानिवृत्त हुए थे। चार घंटे की लंबी पूछताछ के बाद पूर्व मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान को एसआईटी ने शुक्रवार को दोपहर गिरफ्तार किया। राजेंद्र चौहान को कल न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की पुलिस जांच में 22 जून की सीसीटीवी फुटेज में भी संदिग्ध गतिविधियां दिखी थी। पुलिस इन लोगों की पहचान और भूमिका की पड़ताल में जुटी हुई है। लगातार मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जांच अधिकारियों के अनुसार 22 और 25 जून की रिकॉर्डिंग का बारीकी से परीक्षण किया गया। फुटेज में कुछ अन्य व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध दिखाई दी है, जिनके संबंध में जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

भोजशाला विवाद: सुप्रीम कोर्ट में पांच अगस्त को होगी अंतिम सुनवाई

●नमाज के वैकल्पिक स्थान पर देनी होगी जानकारी

एजेंसी

धार । धार स्थित भोजशाला-सरस्वती मंदिर विवाद मामले में अब सुप्रीम कोर्ट पांच अगस्त को अंतिम सुनवाई करेगा। इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार को यह भी बताना होगा कि मुस्लिम पक्ष के लिए जुमे की नमाज का कौन सा वैकल्पिक स्थान तय किया गया है। फिलहाल कोर्ट ने भोजशाला परिसर में नमाज की अनुमति नहीं दी है, जबकि हिंदू पक्ष की नियमित पूजा पहले की तरह जारी रखने का निर्देश दिया है।

14 जुलाई के आदेश में क्या कहा था सुप्रीम कोर्ट ने?

सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई को जारी अपने आदेश में मध्य प्रदेश सरकार को निर्देश दिया था कि मुस्लिम पक्ष के लिए हर शुक्रवार जुमे की नमाज अदा करने हेतु दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच भोजशाला के पास ही एक उपयुक्त वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि भोजशाला परिसर के भीतर नमाज की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मानसून सत्र से पहले कांग्रेस का बड़ा प्लान, मोदी सरकार की घेराबंदी की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के आगामी मानसून सत्र से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार को घेरने की अपनी रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है। गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर अहम बैठक हुई, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जिन्हें सदन में प्रमुखता से उठाया जाएगा।

इस बैठक में फैसला किया गया कि कांग्रेस शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं, लगातार हो रहे पेपर लीक, राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी जैसे भ्रष्टाचार के मामलों पर सरकार से कड़ा जवाब मांगेगी। इसके अतिरिक्त, एथनॉल मिश्रण नीति, कमरतोड़ महंगाई, विदेश नीति की कथित विफलताएं, संस्थानों पर बढ़ते कब्जे और राजनीतिक दलों को तोड़ने की प्रवृत्ति को भी उठाया जाएगा। पार्टी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हो रहे लगातार हमलों तथा बेलगाम वनों की कटाई से जुड़े पर्यावरण संबंधी चिंताओं को भी सदन में उठाने का संकल्प लिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने रणनीति बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पोस्ट कर इन जनहित के मुद्दों पर मोदी सरकार से जवाबदेही तय करने की बात कही। सूत्रों के अनुसार, बैठक में संसद के भीतर विपक्षी दलों के साथ समन्वय स्थापित करने और विभिन्न मुद्दों पर सरकार को प्रभावी ढंग से घेरने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलने की संभावना है। सत्र की तैयारियों के तहत, विपक्षी गठबंधन इंडिया की भी सोमवार को बैठक प्रस्तावित है, जबकि सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। कांग्रेस अपनी रणनीति को सफल बनाने के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ समन्वय स्थापित करने पर भी बल दे रही है।

तिरुपति में दानवीरों का सैलाब : नई नीति से पहले 97 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संग्रह

तिरुपति (एजेंसी)। तिरुपति बालाजी मंदिर में दानदाताओं की अप्रत्याशित भीड़ देखने को मिली, जिसके चलते देवस्थानम बोर्ड ने मात्र 24 घंटों के भीतर रिकॉर्ड 96.98 करोड़ रुपये का दान जमा किया। यह अप्रत्याशित बढ़ोतरी 15 जुलाई की आधी रात से लागू होने वाली नई दानकर्ता नीति से ठीक पहले दानदाताओं में मची होड़ का परिणाम थी। इस नई नीति से दानदाताओं को अब तक मिलने वाले आजीवन लाभों पर विराम लग गया है, और सुविधाओं व विशेषाधिकारों में भी बड़े बदलाव किए हैं। हालांकि, जिन्होंने 15 जुलाई से पहले दान दिया है, उन्हें अपने आजीवन लाभ मिलता रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को 2,460 दानदाताओं ने योगदान दिया। इसमें से 1,212 भक्तों ने 1 से 10 लाख रुपये के बीच, जबकि 1,246 ने 10 से 25 लाख रुपये के बीच दान दिया। दो भक्तों ने 1 करोड़ रुपये से अधिक का महादान किया। दुनिया के सबसे अमीर मंदिरों में शुमार तिरुपति बालाजी की कुल संपत्ति लगभग 3.38 लाख करोड़ रुपये है, जो कई छोटे देशों की जीडीपी से भी अधिक है। मंदिर की हुंडी में औसतन रोजाना 4.75 करोड़ रुपये का दान आता है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड ने दानदाताओं की बढ़ती संख्या को देखकर विशेष सुविधा नीति में बदलाव करना आवश्यक बताया। टीटीडी के चेयरमैन बी.आर. नायडू ने कहा कि पिछले चार महीनों में 10 लाख रुपये से अधिक दान करने वालों की संख्या में करीब 3,000 की बढ़ोतरी हुई है। नई नीति का उद्देश्य दान प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता और एकरूपता लाना है, साथ ही आम तीर्थयात्रियों के लिए दर्शन के अवसरों को भी बेहतर बनाना है।

मुर्शिदाबाद में ट्रेन ने स्कूल वैन को मारी टक्कर, तीन की मौत

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से स्कूल वैन में सवार कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो नाबालिग बच्चे बताए जा रहे हैं। हादसे में घायल अन्य लोगों को उपचार के लिए मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसा शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे कर्णसुबर्ण रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर हुआ। बताया जा रहा है कि स्कूल वैन रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार ट्रेन ने वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के सैकड़ों लोग रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। स्थानीय लोगों ने वैन में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की 10 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंच गई है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक रेलवे या स्थानीय प्रशासन की ओर से हादसे के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। अधिकारियों द्वारा दुर्घटना के कारणों और मृतकों तथा घायलों की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में तनाव और शोक का माहौल है।

रुद्रप्रयाग में खाई में डंपर गिरने से दो की मौत

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में सड़क हादसों का सिलसिला जारी है। देर रात फाटा और बड़ासू के बीच एक डंपर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हाल ही में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भी एक युवक खाई में गिर गया था, जिसे एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित बाहर निकालकर मिसाल पेश की है। गुरुवार देर रात तरसाली के पास हुए इस डंपर हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। रातभर चले संयुक्त रेस्क्यू अभियान के दौरान 45 वर्षीय संजय राणा और मोहन नामक दो व्यक्तियों के शव खाई से बरामद कर सड़क तक पहुंचाए गए। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। इससे पहले गौरीकुंड से करीब दो किलोमीटर ऊपर छोड़ी क्षेत्र में 25 वर्षीय मोहित रावत नाम का युवक खाई में गिर गया था। डायल-112 पर सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ और अन्य बचाव दलों ने अंधेरे और दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद कड़ी मशक्कत कर मोहित को सुरक्षित निकाल लिया। उसे चोटें आई हैं, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक के खाई में गिरने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

बरेली में गोकशी के आरोप में दो गिरफ्तार, मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी और एक सिपाही घायल

बरेली(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में गोकशी के खिलाफ चलाए गए अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक को पुलिस मुठभेड़ के बाद दबोचा गया। इस कार्रवाई में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 16 जुलाई को इज्जतनगर पुलिस को ग्राम महलौन में गोकशी की सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने छापा मारकर मोहम्मद खान को मौके से गिरफ्तार किया। उसके पास से लगभग 40 किलो गोमांस, इलेक्ट्रॉनिक वजन करने वाली मशीन और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए। पूछताछ में मोहम्मद खान ने स्वीकार किया कि उसने अपने जीजा अकीलुद्दीन उर्फ गद्दू, बहन हसीना और आलम उर्फ अकबर के साथ मिलकर गोकशी की थी। अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस को सूचना मिली कि अकीलुद्दीन इलाके में छिपा है। उसे पकड़ने के दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक सिपाही घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में अकीलुद्दीन के पैर में गोली लगी और उसे बाद में पुलिस ने दबोच लिया। उसके पास से एक तमंचा, कारतूस और गोमांस के कुछ टुकड़े भी बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पंजाब कांग्रेस में घमासान : राहुल से नहीं मिल पाए चन्नी, बुलाई समर्थकों की मीटिंग

चड़ीगढ़ (एजेंसी)। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी कलह लगातार खुलकर सामने आ रही है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के बीच गुटबाजी लंबे समय से चल रही है। हाल ही में, चन्नी और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की, जिसके बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि ऑल इज वेल और वे पार्टी आलाकमान का फैसला मानेंगे। चन्नी ने यह भी कहा कि राहुल गांधी उनके नेता हैं और वे उनके साथ जीना-मरना चाहते हैं। इन दावों के बावजूद, चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने समर्थकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जिससे संकेत मिलता है कि पंजाब कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। इस बैठक को राजा वड़िंग के साथ चल रहे टकराव के बीच खुद को मजबूत दिखाने की चन्नी की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली में, चन्नी और रंधावा ने कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला से मुलाकात की, लेकिन चन्नी की राहुल गांधी से मुलाकात नहीं हो सकी। चन्नी चाहते थे कि राहुल गांधी उनसे मिलकर उनकी बात सुनें। पार्टी आलाकमान ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बनाए रखने का निर्णय लिया है, जबकि चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा के नेतृत्व वाले नेताओं का एक धड़ा इस फैसले का विरोध कर रहा है और वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर चन्नी को राज्य में पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने की मांग कर रहा है। इसी बीच, चन्नी के समर्थकों ने सोशल मीडिया पर सारा पंजाब चन्नी नाल (सारा पंजाब चन्नी के साथ) संदेश वाली तस्वीरें साझा की हैं, जो इस अंदरूनी खींचतान को और उजागर करती हैं। पंजाब मामलों के कांग्रेस प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल ने राज्य इकाई में गुटबाजी को लेकर अपनी रिपोर्ट भी पार्टी नेतृत्व को सौंपी है। ये सभी घटनाक्रम दर्शाते हैं कि कांग्रेस नेतृत्व के प्रयासों के बावजूद पंजाब कांग्रेस में ऑल इज वेल की स्थिति अभी भी दूर है।

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक कहा- कानून के दायरे में ही चलेगा बुलडोजर

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में बुलडोजर कार्रवाई पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि कानून के लिए बुलडोजर चल सकता है, लेकिन इसका उपयोग चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने साफकिया कि उसके पहले के फैसले में सभी बुलडोजर कार्रवाइयों पर रोक नहीं लगाई गई थी, बल्कि यह सुनिश्चित किया गया था कि तोड़-फोड़ की कार्रवाई कानून और संविधान के दायरे में ही हो। यह टिप्पणी मनमाने ढंग से बुलडोजर एक्शन के आरोपों वाली अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि हर बुलडोजर एक्शन की वैधता की जांच उसके अपने तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए और ऐसे मामलों की जांच के लिए हाईकोर्ट ही सही जगह हैं।

बेंच ने अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि उठाए गए मुद्दों में तथ्यों से जुड़े विवादित सवाल शामिल हैं, जिनकी विस्तार से जांच की आवश्यकता है। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि अवैध कब्जों के खिलाफ बुलडोजर का इस्तेमाल सही हो सकता है, विशेषकर जब अधिकारियों और अवैध कब्जा करने वालों की मिलीभगत से कानून का शासन कमजोर हो रहा हो। हालांकि, उन्होंने भेदभावपूर्ण तरीके से इसके इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि कानून लागू करने के नाम पर लोगों की छवि खराब नहीं की जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जोर दिया कि किसी भी विध्वंस यानी तोड़-फोड़ के मामले में मुख्य मुद्दा यह होता है कि क्या वह ढांचा कानूनी रूप से अधिकृत था और क्या अधिकारियों ने कार्रवाई करने से पहले तय कानूनी प्रक्रिया का पालन किया था। याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2024 (संभवतः 2023 या पहले का संदर्भ) के फैसले में तय सुरक्षा उपायों का उल्लंघन किया है। हालांकि, बेंच ने कहा कि उन आरोपों के लिए तथ्यों की जांच जरूरी है, इसलिए यह जांचने के लिए कि क्या उचित प्रक्रिया का पालन किया गया था, हाई कोर्ट ही सही मंच हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी लंबित याचिकाओं को संबंधित हाई कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया, और यह स्पष्ट किया कि उसके पूर्व के फैसले को उसमें बताए गए अपवादों के साथ पढ़ा जाना चाहिए, न कि किसी अलग कानूनी प्रावधान के तौर पर। बेंच ने यह भी कहा कि बुलडोजर एक्शन के अलग-अलग मामलों में तथ्यों से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए अवमानना की कार्यवाही सही तरीका नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने सुनवाई के दौरान विभिन्न मामलों का हवाला दिया, जिसमें सोमनाथ में मस्जिदों को गिराए जाने और महाराष्ट्र में स्थानीय नेताओं द्वारा बुलडोजर कार्रवाई का आह्वान करने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शामिल थी।

वांगचुक ने कहा- तोड़ देंगे अनशन, पर 20 जुलाई के मार्च को सफल बनाना होगा !

नई दिल्ली(एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, जो पिछले बीस दिनों से जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरोध में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं, अब इसे खत्म करने को राजी हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने यह शर्त सरकार के सामने नहीं, बल्कि जनता के सामने रखी है। वांगचुक ने संकेत दिया है कि यदि 20 जुलाई का संसद मार्च सफल होता है तो वह अपना अनशन समाप्त कर देंगे। उन्होंने देश भर के लोगों से इस मार्च को सफल बनाने की अपील की है।

वांगचुक ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि वे केवल अनशन खत्म करने के लिए नहीं कह रहे, बल्कि एक छोटा कदम उठाने के लिए कह रहे हैं, जिसमें मिस्ड कॉल करके अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना भी शामिल है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अपनी माताओं को साथ लेकर संसद तक मार्च करें। उन्होंने वादा किया कि यदि यह मार्च कामयाब रहा और मुद्दा सही हाथों में गया, तो वे चैन की नींद सो पाएंगे और अपना अनशन तोड़ देंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह मार्च की सफलता के लिए क्या पैमाने मानेंगे, जैसे कितनी भीड़ या कितनी दूर तक मार्च कर पाना उनकी नजर में कामयाबी होगी। इस अनिश्चितता के बावजूद, उनका आह्वान जनता के सहयोग पर केंद्रित है ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके संघर्ष को एक निर्णायक मोड़ मिल सके। अपने अनशन के 19वें दिन तक सोनम वांगचुक का वजन 9 किलो घट गया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर बताया कि बहुत से लोग उनसे अनशन खत्म करने का आग्रह कर रहे हैं। वांगचुक ने स्वीकार किया कि उनका शरीर कमजोर हुआ है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी हालत इतनी खराब नहीं है कि वे 3-4 दिन में मर जाएं। उन्होंने कहा कि वह अपना अनशन तभी खत्म करेंगे जब जनता एकजुटता दिखाएगी। इसी संदर्भ में उन्होंने लोगों से 20 जुलाई के संसद मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से माताओं से इस मार्च का नेतृत्व करने की अपील की, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए मां के दिल में जो प्यार होता है, वह किसी और के दिल में नहीं होता।

महाराष्ट्र में युवक की गोली मारकर हत्या, शिवसेना पार्षद समेत 16 पर मामला दर्ज

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने शिवसेना के एक पार्षद और 15 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक यह घटना बुधवार रात कलमनुरी शहर में हुई थी। पुलिस के मुताबिक एक पुराने विवाद को लेकर एक समूह के साथ हुई झड़प में लुकमान सिद्दीकी (38) को गोली मार दी गई। बताया जा रहा है कि इस समूह में शिवसेना पार्षद किशोर भालेराव भी शामिल थे। पुलिस ने बताया बाद में गंभीर चोटों के कारण लुकमान की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले में कितनी गोलियां चलाई गईं, इसकी जांच अभी जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने कहा कि भालेराव और 15 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उनकी तलाश जारी है। इस बीच, कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस घटना को लेकर महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कानून का शासन खत्म हो गया है। सत्ता की ताकत के साथ गुंडागर्दी को शाही संरक्षण मिला है। सत्ता में बैठे लोगों की छत्रछाया में अपराधी बेखौफ हैं, जबकि आम नागरिक डरे हुए हैं।

अखिलेश की रथ यात्रा: 36 साल बाद धार्मिक स्थलों से भाजपा को घेरने की तैयारी?

यात्रा की शुरुआत किसी प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल करने की चर्चा

लखनऊ (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। इन्हीं चुनाव तैयारी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव एक बड़ी राजनीतिक कवायद की तैयारी में हैं। सूत्रों के अनुसार, अखिलेश सितंबर 2026 में समाजवादी पीडीए रथ यात्रा शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। यह यात्रा 25 सितंबर, 1990 को राम मंदिर आंदोलन के लिए निकाली गई चर्चित रथ यात्रा के 36 साल पुराने इतिहास को दोहराने जैसा होगा। माना जा रहा है कि अखिलेश की यह रथ यात्रा सितंबर के पहले सप्ताह में शुरू हो सकती है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यात्रा की शुरुआत किसी प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल से किए जाने पर मंथन चल रहा है, जिसमें अयोध्या, मथुरा या काशी जैसे स्थानों पर विचार हो रहा है। सपा की रणनीति भाजपा को राम मंदिर में चढ़ावा चोरी जैसे मुद्दों पर राजनीतिक रूप से घेरने की हो सकती है, हालांकि पार्टी नेतृत्व अभी अंतिम स्थान और तारीख को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। यह यात्रा समाजवादी पार्टी के पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) समीकरण को साधने पर

केंद्रित होगी।

समाजवादी पार्टी के इन दावों के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मथुरा से संबंधित हालिया बयान चर्चा में है। कुशीनगर में जनसभा के दौरान, मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला कर कहा था कि जो लोग युवाओं का रोजगार छीनते थे, वे अयोध्या, मथुरा और काशी के बारे में कैसे सोच सकते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा मंदिरों के नाम पर आने वाले पैसे को हजम कर जाती थी और मंदिरों पर कब्जा करवाती थी, जबकि भाजपा सरकार उन्हीं मंदिरों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण कर रही है। योगी ने कहा कि मंदिरों का पैसा कब्रिस्तान की चारदीवारी पर खर्च करने वाले लोगों को विकास पर बात करना शोभा नहीं देता।

पुरी रथ यात्रा में श्रद्धालु की मौत पर सियासी घमासान

-विपक्ष ने सरकार को घेरा, भीड़ प्रबंधन पर उठे सवाल

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में वार्षिक रथ यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु की कथित भगदड़ में मौत के बाद राज्य सरकार पर मुख्य विपक्षी दलों, बीजू जनता दल और ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) ने निशाना साधा है। ओपीसीसी अध्यक्ष भक्त चरण दास ने मृतक श्रद्धालु अनिल दास के प्रति गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सतर्क रहने और भीड़ प्रबंधन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि क्योंझर जिले के निवासी अनिल दास की मौत बड़ा डांडा (ग्रैंड रोड) स्थित मारीचिकोट चौक के पास अत्यधिक भीड़ के कारण दम घुटने से हुई, जहां वह पुलिस बैरिकेड से लगभग 100 फीट दूर अचानक गिर पड़े। उन्हें तुरंत पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भक्त चरण दास ने इस तरह की घटनाओं के बार-बार होने को गंभीर चिंता का विषय बताया और इसकी गहन समीक्षा की मांग की। उन्होंने घटना को अक्षम्य बताते हुए आरोप लगाया कि एक श्रद्धालु की मौत हुई है, जबकि 150 से अधिक लोगों को दम घुटने और भीड़ से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण इलाज कराना पड़ा। उन्होंने पिछले वर्ष की रथ यात्रा का भी उल्लेख किया, जिसमें भगदड़ के कारण तीन लोगों की मौत हो गई थी। दास ने आरोप लगाया कि अत्यधिक संख्या में कॉर्डन पास जारी करना और आरएसएस स्वयंसेवकों को प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देना कथित अव्यवस्था के प्रमुख कारणों में से थे। उन्होंने पारंपरिक ताहिया (एक बड़ा और सुगंधित पुष्प मुकुट) के बिना भगवान जगन्नाथ की रस्म संपन्न कराने के लिए भी राज्य सरकार की आलोचना की, यह कहते हुए कि इससे ओड़िया समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने गुरुवार को रथ यात्रा के दौरान भगदड़ की घटनाओं के आरोपों से इनकार किया है, लेकिन पुरी में दो श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि की। सरकार के अनुसार, रथ यात्रा के दौरान सात लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से 60 वर्ष से अधिक आयु के एक पुरुष श्रद्धालु की कथित तौर पर दम घुटने के कारण मृत्यु हो गई। इसके अलावा, एक अलग घटना में, 35 वर्ष से अधिक आयु के एक अन्य पुरुष श्रद्धालु को दिल का दौरा पड़ा और तत्काल चिकित्सा सहायता के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस घटना के बाद, राज्य में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा उपायों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कोरोना की वापसी की आशंका: 4 मौतें और 12 नए केस से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोविड-19 के कुछ नए मामलों और मौतों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है, जिससे बीमारी की वापसी का खतरा मंडराने लगा है। आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच 12 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए, जिनमें से चार मरीजों की पहले से मौजूद गंभीर बीमारियों और कोरोना संक्रमण की चपेट में आने के कारण मौत हो गई। इन मौतों का अनुपात लगभग 30 प्रतिशत रहा, जिसने लोगों को विशेष रूप से भयभीत कर दिया है। मरने वाले मरीजों को हाइपरटेंशन, डायबिटीज और किडनी संबंधी गंभीर समस्याएं थीं। शेष संक्रमितों में से तीन होम आइसोलेशन में हैं, दो अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं, जबकि तीन ठीक होकर घर जा चुके हैं। जुलाई के पहले पखवाड़े में देशभर में कुल 339 नए कोविड मामले दर्ज किए गए हैं, जो सतर्कता की आवश्यकता को दर्शाते हैं।

हालांकि, संक्रामक रोग विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल देश में कोरोना की कोई नई लहर नहीं है और न ही कोई खतरनाक वेरिएंट सामने आया है। आंध्र प्रदेश के मामले स्थानीय क्लस्टर प्रतीत होते हैं, न कि देशव्यापी फैलाव। जानकार बताते हैं कि एक बड़ी आबादी में अब हाइब्रिड इम्यूनिटी मौजूद है, जो गंभीर बीमारी से बचाती है। इन्फ्लूएंजा और कोविड के लक्षण मिलते-जुलते हैं, इसलिए जांच महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। यदि बुखार 3-5 दिन से अधिक रहे, सांस लेने में तकलीफ हो, सीने में दर्द हो या भ्रम बढ़े, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। मास्क के उपयोग पर विशेषज्ञों का कहना है कि हर किसी को मास्क लगाने की जरूरत नहीं है, लेकिन यदि किसी को बुखार, खांसी, गले में खराश या नाक बह रही है, तो दूसरों में संक्रमण फैलने से रोकने के लिए मास्क जरूर पहनें। अस्पताल जाते समय या भीड़भाड़ वाली बसों, ट्रेनों और फ्लाइट्स में भी मास्क का उपयोग करना उचित है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पुरानी बीमारियों वाले लोगों को भीड़ वाली बंद जगहों पर मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। कुछ जरूरी सावधानियों में भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना, बाहर से आने के बाद हाथों को साबुन और पानी से धोना, खांसी या जुकाम होने पर मास्क और सैनिटाइजर का उपयोग करना शामिल है। यदि बच्चे बीमार हों, तो उन्हें स्कूल या खेलने न भेजें और घर पर उचित वेंटिलेशन की व्यवस्था बनाए रखें। घबराने के बजाय सतर्कता और सावधानी ही इस स्थिति से निपटने का सर्वोत्तम उपाय है।

मदद के लिए चीखती रही मासूम, मोबाइल चलाता रहा सुरक्षाकर्मी
गाजियाबाद में अपहरण, दरिंदगी और बच्ची का कत्ल

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में दरिंदगी की हदें पार करने वाला मामला सामने आया है। यहां सात वर्षीय बच्ची की सामूहिक दरिंदगी के बाद निर्ममता से हत्या कर दी गई। निर्माणाधीन परियोजना पर 20 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। दिन में 15 और रात में पांच गार्ड ड्यूटी पर रहते हैं। मुख्य गेट पर दो सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। परिजनों के अनुसार, थाने से लौटने के बाद उन्होंने बच्ची की तलाश शुरू की तो एक गार्ड ने बताया कि उसने बच्ची के रोने और मम्मी-मम्मी पुकारने की आवाज सुनी थी। हालांकि, उसे यह अंदाजा नहीं था कि आवाज बिल्डिंग के अंदर से आ रही है। उस समय वह मोबाइल फोन चलाने में व्यस्त था। इसके बाद परिजन ने इमारत में बच्ची की तलाश शुरू की तो तीसरी मंजिल पर कमरे में खून के निशान मिले। करीब एक घंटे की तलाश के बाद बच्ची का शव मिला। कार्यवाहक एसीपी नंदग्राम प्रियाश्री पाल के अनुसार, बिहार के नालंदा जिले का एक परिवार यहां झुग्गी में रहकर मजदूरी करता है। इन दिनों परिवार झुग्गी से कुछ दूर राजनगर एक्सटेंशन स्थित निर्माणाधीन मॉल में काम कर रहा है। शाम करीब साढ़े सात बजे उनकी बेटी लापता हो गई। दो घंटे तक तलाश करने के बाद भी बच्ची नहीं मिली तो उन्होंने नंदग्राम थाने में सूचना दी। इसके बाद बच्ची के परिजन व अन्य मजदूर उसे तलाशते हुए निर्माणाधीन मॉल में पहुंचे। वहां रात करीब साढ़े 12 बजे बेसमेंट के तीसरे तल पर सीढ़ियों के पास खून से लथपथ शव मिला। शव पर केवल टॉप था, स्कर्ट गायब थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो परिजनों ने चार युवकों पर बच्ची का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म व हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें झुग्गी में रहने वाले दो युवक बच्ची को ले जाते दिखाई दिए। बच्ची के हाथ में चिप्स का पैकेट और युवकों के हाथ में शराब व कोल्ड ड्रिंक थी। जांच में सामने आया कि दो आरोपी घटनास्थल पर पहले से मौजूद थे। उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, बच्ची के कपड़े और चप्पल बरामद कर लिए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। जिन चेहरों पर भरोसा कर परिवार अपने बच्चों को सुरक्षित समझते हैं, वही चेहरे कई बार मासूमों के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आ रहे हैं। गाजियाबाद में बीते कुछ महीनों में बच्चों के साथ हुई बर्बर घटनाओं ने न सिर्फ कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि समाज में घटते भरोसे की भयावह तस्वीर भी दिखाई है। लूट, हत्या और अन्य अपराधों के बीच मासूमों को निशाना बनाने वाली घटनाओं में आरोपी अक्सर उनके आसपास रहने वाले परिचित, रिश्तेदार या पड़ोसी निकल रहे हैं। ये आरोपी बच्चों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाते हैं और फिर जघन्य वारदात को अंजाम देते हैं। नंदग्राम थाना क्षेत्र में चार माह के भीतर मासूम को अगवा कर हत्या करने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले भी जिले में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें आरोपी पीड़ित परिवार के विश्वास के दायरे में रहने वाले लोग ही थे। मनोचिकित्सकों के अनुसार बच्चों के प्रति इस तरह की विकृत यौन प्रवृत्ति एक गंभीर मानसिक विकार से जुड़ी हो सकती है। हालांकि, ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता और बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता भी बेहद जरूरी है। घर के बाहर खेल रही बच्ची को पड़ोसी युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। सुनसान स्थान पर उसके साथ दरिंदगी की गई। चीखने पर आरोपी ने उसका मुंह दबाकर हत्या कर दी। पीड़ित पिता का आरोप है कि जब बच्ची के पास पहुंचे तो वह जिंदा थी, लेकिन दो अस्पतालों ने उसे भर्ती करने से मना कर दिया। उनका यह भी आरोप है कि पुलिस ने गलत रिपोर्ट भेजी। इंसाफ के लिए पीड़ित ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। लिंक रोड थाना क्षेत्र में रहने वाली पांच वर्षीय बच्ची घर से लापता हो गई थी। सीसीटीवी फुटेज में वह अपने चाचा के साथ जाती दिखाई दी। 18 जनवरी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान आरोपी चाचा को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपनी भतीजी के साथ दुष्कर्म किया और हत्या के बाद शव बोरे में भरकर औद्योगिक क्षेत्र स्थित नाले में फेंक दिया था। चार वर्षीय बच्ची को उसका मामा आइसक्रीम खिलाने के बहाने घर से ले गया था। आरोप है कि उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में 80 फुटा रोड पर खड़ी कार के नीचे फेंक दिया। आरोपी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। 19 अप्रैल को पुलिस मुठभेड़ में आरोपी मारा गया। मनोचिकित्सक डॉ. साकेत नाथ तिवारी के अनुसार बच्चों के साथ यौन शोषण करने वाले व्यक्ति की मानसिकता को चिकित्सा विज्ञान में गंभीर विकार माना जाता है। इसे मुख्य रूप से पेडोफिलिक डिसऑर्डर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति के भीतर यौवन से पहले के बच्चों के प्रति अनुचित यौन इच्छा और रुझान विकसित हो सकते हैं। मनोचिकित्सा के माध्यम से इसका उपचार संभव है।

अफसरों और सप्लायरों ने जानबूझकर पैदा की थी दवाओं की किल्लत, मैनुअल बांटे करोड़ों के टेंडर

दिल्ली। राजधानी के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और सप्लायरों के गठजोड़ ने पहले जानबूझकर दवाओं की किल्लत पैदा की, उसके बाद मैनुअल वर्क ऑर्डर का सहारा लिया, ताकि 300 करोड़ की रिश्वत का रास्ता साफ हो सके। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की ओर से दर्ज की गई एफआईआर में यह खुलासा हुआ है। नियमानुसार, सभी तरह की सरकारी खरीद ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के जरिए होती हैं लेकिन दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों ने इस सिस्टम को ही हैक कर लिया। एफआईआर के अनुसार, तत्कालीन सीपीए प्रभारी डॉ. विनोद कुमार रंगा और तत्कालीन डीजीएसएस प्रमुख डॉ. वत्सला अग्रवाल ने सप्लायरों के साथ मिलकर वर्क ऑर्डर पोर्टल पर जारी करने के बजाय उसे मैनुअल तरीके से जारी किए। एफआईआर में साफ दर्ज है कि यह कोई प्रशासनिक गलती नहीं थी बल्कि साजिशन ऐसा किया गया था। रिकॉर्ड बताते हैं कि जनता को गुमराह करने के लिए सरकारी पोर्टल पर टेंडर का स्टेटस जानबूझकर एक्टिव या अंडर प्रोसेस दिखाया जाता रहा, जबकि हकीकत में उन टेंडरों का काम पूरा हो चुका था और चहेते सप्लायरों को करोड़ों का भुगतान भी किया जा चुका था। ऐसा इसलिए किया गया ताकि अन्य प्रतिस्पर्धी कंपनियां या आम जनता यह न जान सकें कि किसे और किस दर पर ठेका दिया गया है। जांच रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) ने जानबूझकर राज्य स्तर पर दवाओं के टेंडर फाइनल नहीं होने दिए। इसके पीछे मकसद यह था कि अस्पतालों में दवाओं और सर्जिकल सामान की किल्लत हो जाए। इसके बाद अधिकारियों ने इमरजेंसी का हवाला देकर लोकल केमिस्टों से महंगी दरों पर खरीद का खेल शुरू किया। स्थानीय स्तर पर खरीदी गई दवाएं राज्य स्तरीय टेंडर रेट से 70-80 फीसदी ज्यादा महंगीं थीं। अनुमान है कि इस फर्जीवाड़े के जरिए करीब 400 करोड़ रुपये की दवाएं और उपकरण खरीदे गए, जिसमें से लगभग 300 करोड़ रुपये की रिश्वत भ्रष्ट अधिकारियों और सप्लायर राजीव रंगीला के बीच बांटी गई। एफआईआर के दस्तावेज बताते हैं कि टेंडर की शर्तें खुद आरोपी सप्लायर राजीव रंगीला तैयार करता था। जब टेंडर कमेटी के सदस्यों ने इन फर्जी शर्तों पर हस्ताक्षर करने से मना किया या विरोध जताया तो उनके खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी देकर चुप कराया गया। रिपोर्ट बताती है कि जिन दवा कंपनियों ने बीते वर्षों में विभाग को सप्लाई दी थी, उनका भुगतान बीते दो वर्षों से जानबूझकर रोका गया, लेकिन सप्लायर राजीव रंगीला को विभाग ने वीआईपी ट्रीटमेंट दिया। अक्तूबर 2025 के बाद से रंगीला की कंपनियों के बिल जिस दिन जमा होते थे, उसी दिन या अगले दिन करोड़ों का भुगतान रिलीज कर दिया जाता था।

मलबे में दबकर एक की मौत और दो घायल
चार से पांच लोगों के दबे होने की आशंका

दिल्ली। राजधानी में मंगलवार से रह-रहकर हो रही बारिश के बीच बुधवार शाम रोहिणी में एक पांच मंजिला निर्माणाधीन इमारत जमींदोज हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। एल-शेप कोने की इमारत का मलबा सड़क पर आ गिरा। वहां से गुजर रहा एक बाइक सवार मलबे की चपेट में आ गया, जबकि रोड पर खड़ी कई गाड़ियां भी मलबे की चपेट में आ गईं। अफरा-तफरी के बीच फौरन पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी गई। हादसे के समय इमारत में कई मजदूर काम कर रहे थे। वह मलबे में दब गए। कुछ ही देर बाद पुलिस व दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बचाव का काम शुरू हुआ। मलबे से निकालकर बाइक सवार व दो मजदूरों को नजदीकी अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में बाइक सवार को मृत घोषित कर दिया गया जबकि बाकी दो मजदूरों का उपचार जारी है। दूसरी ओर हादसे की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, डीडीएमए, एमसीडी समेत बाकी बचाव दल मौके पर पहुंच गए। कई जेसीबी लगाकर मलबा हटाने का काम जारी है। मलबे में चार से पांच और लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा रोहिणी सेक्टर-16 के जी-4 में हुआ। यहां कौने पर प्लॉट नंबर-150 में 26-26 गज के दो प्लॉट को जोड़कर ग्राउंड फ्लोर के अलावा ऊपर चार मंजिलों का निर्माण किया गया था। सभी फ्लोर का लेंटर भी डाल दिया गया था। अब बाहर से बल्लियां लगाकर उसके प्लस्टर करने के अलावा फिनिशिंग का काम चल रहा था। मंगलवार से हो रही बारिश की वजह से बुधवार को काम करने वाले राजमिस्त्री और मजदूरों की संख्या भी अन्य दिनों के मुकाबले कम थी। शाम करीब 4.20 बजे अचानक इमारत भरभराकर गिर गई। इसका मलबा जी-4 और जी-5 के बीच मौजूद 20 फुटा रोड पर जा गिरा। यहां सड़क पर कई कारें खड़ी थीं। इसके अलावा सड़क से भी लोग गुजर रहे थे। मलबे में वहां से गुजर रहा बाइक सवार दब गया। तेज आवाज के साथ इमारत गिरी तो आसपास मौजूद लोग घरों से निकले और मदद के लिए भागे। सबसे पहले मलबे में दबे दो मजदूरों को निकाला गया। इसके बाद बाइक सवार को भी निकाल लिया। बाद में इनको पीसीआर की मदद से अंबेडकर अस्पताल भेजा गया। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस, दमकल की 6 गाड़ियां, एंबुलेंस, डीडीएमए की टीम, एनडीआरएफ और दूसरी सिविक एजेंसियां वहां पहुंची। बाद में जेसीबी की मदद से मलबा हटाना शुरू हुआ। इसके अलावा दमकल कर्मियों व एनडीआरएफ की टीम ने कटर की मदद से लेंटर को काटना भी शुरू कर दिया। कुछ लोग मलबे में दबे हुए मदद मांगते दिखे। फिलहाल पुलिस ने आसपास की घेराबंदी कर दी है। आसपास की कई इमारतों को भी एहतियात के तौर पर खाली करवा लिया गया है। देर शाम तक बचाव का काम जारी था। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने एक व्यक्ति की मौत और दो के जख्मी होने की पुष्टि की है। उनका कहना है कि तीनों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

जान बचाने में किया गया हमला आत्मरक्षा का हिस्सा, दो भाइयों की उम्रकैद की सजा माफ

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 40 साल पहले हुई हत्या में मिली उम्रकैद से दो सगे भाइयों को बरी कर दिया। कहा कि जान बचाने के लिए किया गया हमला आत्मरक्षा का हिस्सा है। यह फैसला न्यायमूर्ति जेजे मुनीर, न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने टीकम सिंह उनके बेटे चितेंद्र और मुनेश की ओर से सजा के खिलाफ दाखिल अपील स्वीकार करते हुए सुनाया है। मामला मुरादाबाद के बनियाठेर थाना क्षेत्र का है। चार अगस्त 1986 को मुरादाबाद के विजयपुर गांव में जमीन के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हुई थी। आरोप लगा कि टीकम सिंह ने बेटे चितेंद्र सिंह और मुनेश के साथ हथियारबंद होकर रामवीर सिंह पर हमला कर दिया। इससे रामवीर सिंह की मौत हो गई थी। 23 दिसंबर 1987 को ट्रायल कोर्ट ने तीनों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ इन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने माना कि टीकम सिंह घटना के समय बुजुर्ग हो चुके थे। साथ ही शारीरिक रूप से दिव्यांग थे। उन पर रामवीर के पक्ष ने हमला किया। इसमें उन्हें 20 चोटें आई थीं। टीकम सिंह के बेटे चितेंद्र और मुनेश ने अपने पिता की जान बचाने के लिए आत्मरक्षा में बल का प्रयोग किया था, जो कानूनन सही है। गला रेतकर महिला की हत्या, पहचान छिपाने के लिए चेहरा जलाया; जंगल में मिला शव यूपी के मुरादाबाद में गला रेतकर महिला की हत्या कर दी गई। शव को जंगल में फेंक दिया। पहचान छिपाने के लिए उसका चेहरा जला दिया। पुलिस ने आसपास के गांवों में महिला की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

शादी की बात के लिए होटल में बुलाकर महिला से दुष्कर्म

लखनऊ। मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर दोस्ती कर अहमदाबाद के कालूपुर निवासी एजाज मिर्जा ने गोरखपुर की तलाकशुदा महिला को शादी की बात करने के लिए चारबाग बुलाया। होटल में दुष्कर्म कर आरोपी भाग निकला। पीड़िता की शिकायत पर नाका पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता ने 20 मई को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि अप्रैल में उनकी एजाज से दोस्ती हुई थी। दोस्ती प्रेम प्रसंग में बदल गई तो आरोपी ने शादी का प्रस्ताव रखा। हामी भरने पर आरोपी ने उन्हें 16 मई को लखनऊ बुलाया। पीड़िता का आरोप है कि चारबाग रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद आरोपी उन्हें क्रिस्टल होटल ले गया। वहां उसने दो दिन तक दुष्कर्म किया।

NAME CHANGE
I, JC-736805P, Rank-NB/SUB, Name-DARMENDRA SINGH BHADOURIA legal father of AMRITANSH SINGH BHADORIA residing at GAYATRI VIHAR COLONY, GALI NO-07, PINTO PARK MORAR, GWALIOR, MADHYA PRADESH-474006, have changed my minor son's name from AMRITANSH SINGH BHADORIA to AMRITANSH SINGH BHADOURIA for all future purposes vide affidavit dated 17/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-736805P, Rank-NB/SUB, Name-DARMENDRA SINGH BHADOURIA legal father of ANUSHKA BHADORIA residing at GAYATRI VIHAR COLONY, GALI NO-07, PINTO PARK MORAR, GWALIOR, MADHYA PRADESH-474006, have changed my minor daughter's name from ANUSHKA BHADORIA to ANUSHKA BHADOURIA for all future purposes vide affidavit dated 17/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,SHIBY AMBATTU JANARDHANAN W/O SANTOSH P K R/O 81, 3RD FLOOR SHIVAJI ENCLAVE NEAR MOTHER TAGORE GARDEN WEST DELHI 110027, CHANGED MY NAME TO SHIBY A J.

NAME CHANGE
I RIZWAN AHMAD S/O NAZEER AHMAD KHAN R/O D10 TAKSHILA APARTMENT IP EXTENSION PATPARGANJ DELHI-110092 have changed my name to RIZWAN AHMAD KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I FAHMEEDA RIZWAN W/O RIZWAN AHMAD KHAN R/O D10 TAKSHILA APARTMENT IP EXTENSION PATPARGANJ DELHI-110092 have changed my name to FAHMEEDA RIZWAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I VIRENDRA SINGH BISHT S/O DEEWAN SINGH BISHT R/O H NO-A-1212 GHAROLI DAIRY COLONY MAYUR VIHAR PHASE-3 EAST DELHI-110096 HAVE CHANGED MY NAME TO VIRENDRA SINGH

NAME CHANGE
I Pooja Mandal legally wife of Army no - 14665149H, Rank - Hav, Name - Gour kumar Das Presently Residing At - Post- Easgoan, Teh - Sirpur, Dist - Kumarambheem Pin - 504296, State- Telengana have changed my name POOJA MANDAL to POOJA DAS for all future purposes, Vide affidavit No. IN-DL56213963423810Y dated 17/07/2026 before Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHD AHSAN S/O MOHD DAUD R/O –A-484 GALI NO-14 Shri Ram Colony, Rajeev Nagar, Karawal Nagar, North East Delhi - 110094, have changed the name of my minor son Arsh aged 13 Years and he shall hereafter be known as MOHD ARSH,

NAME CHANGE
I MOTIRAM legally father of Army no 14681743N Rank -NK, Name-PATIL KIRAN MOTIRAM, 306FWC(605 EME BN) C/O 99 APO Pin 906306, Presently Residing At- ANJANVIHIRE POST- ANJANVIHIRE TEH- BHADGAON DIST- JALGAON, PIN - 424105, STATE - MAHARASHTRA have changed my name from MOTIRAM to MOTIRAM DHANRAJ PATIL for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1965 vide affidavit No. IN-DL56217494663993Y dated 17/07/2026 before Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I USHA BAI MOTIRAM, legally mother of Army no 14681743N Rank -NK, Name-PATIL KIRAN MOTIRAM, 306FWC(605 EME BN) C/O 99 APO Pin 906306, Presently Residing At- ANJANVIHIRE POST- ANJANVIHIRE TEH- BHADGAON DIST- JALGAON, PIN - 424105, STATE - MAHARASHTRA have changed my name from USHA BAI MOTIRAM to USHABAI MOTIRAM PATIL for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1967, vide affidavit No. IN-DL56219458871795Y dated 17/07/2026 before Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-393395P Rank-NB SUB Name-DHARMVEER YADAV Presently residing at VILL-JURAWANPUR, POST-MANIYARPUR, TEHSIL-MAHNAR, DIST-VAISHALI, STATE-BIHAR, PIN-844504, have changed my father's name from ADALAT ROY to ADALAT RAY for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of his correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavit dated 17/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,Yuvraj Singh S/o Suresh Chand, R/o House Number -00, 50 Foota Road, Naseeb Vihar Gadha colony, Ilayachipur Village, Loni, Alapur, PO: Loni, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102 have changed my name and shall hereafter be known as Shiv Kumar

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Rambir S/o Mr. Bansi Dhar is the owner of Freehold Residential Property No. G-121, area measuring 60 Sq. Yds., out of Khasra No. 151, situated in the area of Village Binda Pur, Delhi State Delhi, Colony Known as Nand Ram Park, Uttam Nagar, New Delhi 110059. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 09.05.2011., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Sanjay Pradhan and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, Sahil Yadav S/O Praveen R/O House No 343/2 near Ram Talab Mandir Nai Wasi Dhani Badshahpur, Gurgaon, Haryana-122101 have changed my name to Sahil for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ANITHA KUMARI mother of No.-2614213H, Rank-NK, Name-MANU KRISHNA A K residing at VILL-KARIPOOR, PO & MANDAL-NEDUMANAGAD, DIST-TRIVANDRUM, KERALA-695541, have changed my name from ANITHA KUMARI to ANITHA KUMARI R K for all future purposes vide Affidavit dated 17/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, CHANDAN SINGH SHAH S/o Puran Singh R/o B-214, Baljeet Vihar, Nithari, North West Delhi-110086, have changed my name to CHANDAN SINGH permanently

NAME CHANGE
I, HEENA BHATIA W/o Abhishek Bhatia R/o A-2, RZ-21, RZ Block, New Uttam Nagar, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to HEENA MEHTA permanently

NAME CHANGE
I, SHAKUNTLA DEVI W/o Siri Bhagwan Sindhu R/o Plot No.B-19, Block-A, Somesh Vihar, Khasra No.46/12, Village Chhawla, Delhi-110071,have change my name from SHAKUNTLA DEVI to SAKUNTALA SINDHU permanently.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, RUSTUM Father of No. 3010165P Rank-HAV CLK Name-SAYYAD AZARUDDIN RUSTUM unit-5 PAJPUT, residing at-24 PHATA, NIRVAGAJ, PUNE, MAHARASTRA-413102, have changed my name from RUSTUM to RUSTUM SILEMAN SAYYAD for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 14/05/1967 instead of my correct date of birth as 01/06/1957 Vide Affidavit dated 17/07/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I FAHIM S/O RAFIUDDIN R/O N-10, D.D.A. FLATS, TURKMAN GATE, DELHI -110006 HAVE CHANGED MY NAME TO FAHIM AHMED.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Shahid S/O: Shahjad, R/O RATAUL ,PO: Rataul, DIST: Baghpat, Uttar Pradesh -250101, have changed my name and shall hereafter be known as SAHIL.

NAME CHANGE
I, SAYYAD SHEHANAJ RUSTUM mother of NO - 3010165P, Rank - HAV CLK, Name - SAYYAD AZARUDDIN RUSTUM unit-5 PAJPUT residing at LATE, PUNE, MAHARASHTRA-412103, have changed my name from SAYYAD SHEHANAJ RUSTUM to SHAHANAJ RUSTUM SAYYAD for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 14/05/1968 instead of my correct date of birth as 14/05/1973 Vide Affidavit dated 17/07/2026 before Notary Public Delhi.

Public Notice
I,Suraj Kumar Rao s/o H Prakash Rao resident of 422 DDA flats, Khirki, Malviya Nagar, New Delhi 110017, mentioned my father's name H Prakash Rao in tenth certificate, have expanded my father's initial 'H' to its full form 'Hanumantha'. Henceforth, my father's full name will be Hanumantha Prakash Rao for all legal purposes. Both initial & expanded form is same meaning

NAME CHANGE
I BHAGIRATHI legally mother of Army No - 2805083N
Rank - HAV, Name - RAWOOL SANTOSH SHIVA, Presently Residing At - VERLE Post- VERLE Teh - SAWANTWADI, Dist - SINDHUDURG, State- MH
Pin - 416531 have changed my name from BHAGIRATHI to BHAGIRTHI SHIVA RAWOOL for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 25/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/04/1943, Vide affidavit dated 15/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I D. MANGALA GAURI D/0 SANKAR RAO DANGETTI R/0 WZ-A/29, GALI NO -11, KRISHNA PARK DELHI-110018 CHANGED MY NAME TO MANGALA GAURI DANGETTI

NAME CHANGE
I MOHAMMED SHAH ALAM S/O MOHAMMED HAFIZ UR REHMANR/O 4920 GALI DARZIYAN BARA HINDU RAO DELHI-110006 have changed my name to SHAH ALAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MADHAV S/O MUKESH KUMAR R/O E24-B 1ST FLOOR VISHNU GARDEN WEST DELHI 110018, CHANGED MY NAME TO MADHAV KUMAR.

NAME CHANGE
I, SAMDISHA D/O MUKESH KUMAR R/O E24-B 1ST FLOOR VISHNU GARDEN WEST DELHI 110018, CHANGED MY NAME TO SAMDISHA KUMARI.

NOTICE FOR SUBSTITUTED SERVICE
URGENT,
NDOH- **30.07.2026 TIME-@5PM**
DELHI INTERNATIONAL ARBITRATION & CENTRE (DIAC), NEW DELHI
CASE REFERENCE NO.DIAC/10883/05-25
IN THE MATTER OF:
M/S KNIGHT WATCH SECURITY PRIVATE LIMITED ...CLAIMANT
VERSUS
1. M/S SHIPRA CONSTRUCTION PVT. LTD ...... RESPONDENT NO. 1
2. M/S SHIPRA ESTATE LIMITED ...RESPONDENT NO. 2
3. M/S JAI KRISHAN DEVELOPERS PVT. LTD ...RESPONDENT NO. 3
NOTICE TO: RESPONDENTS
1) **M/s Shipra Construction Pvt. Ltd.**
Through its Directors
Plot No. 9, 3rd Floor, Shipra Mall, Vaibhav Khand, Indrapuram, Ghaziabad (Uttar Pradesh)-201014
E-mail: contact@shipraworld.com
2) **M/s Shipra Estate Ltd.** Through its Directors
Plot No. 9, 3rd Floor, Shipra Mall, Vaibhav Khand, Indrapuram, Ghaziabad (Uttar Pradesh)-201014
E-mail: contact@shipraworld.com
Respondent No. 1 & 2 also at: Flat No. 502, 502A, 5th Floor, 23, Barakhamba Road, Narain Manzil, New Delhi-110001
3) **Jai Krishan Estate Developers Pvt. Ltd.**
Through its Directors,
A-26, New Friends Colony, New Delhi-110025
Email: jkg.jked@gmail.com
Whereas the Claimant above named has presented a Statement of Claim in the arbitration proceedings above mentioned with prayers against the Respondents. And whereas the said arbitration proceedings have commenced before the Hon'ble Arbitral Tribunal but parties have filed to enter appearance and some notices stand un-served. Notice is hereby given to you that the case will be laid before the Hon'ble Tribunal on **30.07.2026 at 5 pm** (through ONLINE mode shared on email). You are hereby directed to appear on the aforesaid date in person at the Postal address given below, seek the Paper-book and Orders and file Reply to the Statement of Claim as filed by the Claimant failing which there is a risk of being proceeded ex-parte:
"Delhi International Arbitration Centre (DIAC), Delhi High Court Campus, Shershah Road, New Delhi-110003"
Alternatively, if you chose to enter appearance through virtual mode you may contact the Delhi International Arbitration Centre, by sending an email by **29.07.2026** at NA pm.
Email: dc12@diac.ind.in
delhiarbitrationcentre@gmail.com
Given under my hand and seal of the Hon'ble Tribunal, this the **14th day of July, 2026.**
Sd/-
Simran Brar (Advocate)
Sole Arbitrator (DIAC)

NAME CHANGE
I, MA ANU wife of No.-2614213H, Rank-NK, Name-MANU KRISHNA A K residing at VILL-KARIPOOR, PO & MANDAL-NEDUMANAGAD, DIST-TRIVANDRUM, KERALA-695541, have changed my name from MA ANU to ANU M A for all future purposes vide Affidavit dated 17/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, B GANGAMMA mother of NO-2609444P Rank-HAV Name-PAKEERU NAIDU BONGU Residing at VPO-MARIPIUALASA, TEHSIL-SEETHA NAGARAM, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535546, have changed my name from B GANGAMMA to BONGU GANGAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 17/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, APPALA NAIDU father of NO-2609444P Rank-HAV Name-PAKEERU NAIDU BONGU Residing at VPO-MARIPIUALASA, TEHSIL-SEETHA NAGARAM, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535546, have changed my name APPALA NAIDU to BONGU APPALANAIDU for all future purposes vide Affidavit Dated 17/07/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Ms. Hina C/o Mr. Prakash Sukhadia is the owner of Freehold Residential Upper Ground Floor (Back Side/Western Portion), without roof/terrace rights, Built-on Property Bearing Plot No. 113, area measuring 56.1/4 Sq. Yds., out of total 112.1/2 Sq. Yds., out of Khasra No. 69/21, situated in Revenue Estate of Village Hastsal Delhi State Delhi Colony Known as in Block - A-3, Uttam Nagar, New Delhi 110059. by virtue of Notarized GPA, ATS & Will dated 09.11.2025 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Ms. Ruqaiya and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, SULTANA BEGUM W/O MOHAMMED MASUD LASKAR R/O HOUSE NO. 53-A, DDA FLATS NEAR BULAND MASJID SHASTRI PARK DELHI-110053, HAVE CHANGED MY NAMES FROM KARISIMA, SEMA, SULTANA, SULTANA BIBI LASKAR TO SULTANA BEGUM ONLY FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, SANDEEP S/O AZAD SINGH R/O RZF-254,NEAR RAM DEV MANDIR,DDA PARK,RAJ NAGAR-,PALAM COLONY,SOUTH WEST DELHI,DELHI-110077,HAVE CHANGED MY NAME TO SANDEEP KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I,hitherto known as SUSHIL KUMAR PAL S/o DESHRAJ R/o House No. B-3, Balram Nagar-2, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as DEV NARAIN.

NAME CHANGE
I, RUKHSANA PARVEEN W/O ABDUL QADIR R/O HOUSE NO. 677, CHITLA GATE CHAWRI BAZAR DELHI- 110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM RUKHSANA AND RUKSANA BEGUM TO RUKHSANA PARVEEN FOR ALL PURPOSES.

सार्वजनिक सूचना
श्रीमती रोशिना ने मेसर्स एसबीएफसी फाइनेंस लिमिटेड से 0 कनाल 3 मरला 7 सरसाई (109 वर्ग गज) के आवासीय भूखंड के लिए ऋण लिया था, जो कुल 40 कनाल 0 मरला भूमि का हिस्सा है, जिसका क्षेत्रफल खेवट संख्या 918/1080, 1081, 1082, मुस्तिल संख्या 119, किला संख्या 1 (8-0), 2 (8-0), 3 (8-0), 4 (8-0) और 10 (8-0) है, जो ग्राम भोंडसी, तहसील सोहना, जिला गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है। श्रीमती रोशिना ने हमें बताया है कि उन्होंने निम्नलिखित दस्तावेज खो दिया है या कहीं रख दिया है, अर्थात् विक्रय विलेख वासिका संख्या 8263 दिनांक 22.02.2012, जो श्रीमती मनीषा मेहता के पक्ष में एलआर संख्या के तहत है। 132270042600612 कहीं पर है, जिसका पता नहीं लगाया जा सकता है या जिसे खोजा नहीं जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।
मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 9991116006

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमती सुनीता यादव (2) श्री गुलशन यादव (3) श्री राहुल यादव (4) श्रीमती मंजेश यादव (5) श्रीमती टीना यादव और (6) श्री रामजस यादव, हरियाणा के गुड़गांव अर्बन एस्टेट, सेक्टर-28 नामक आवासीय कॉलोनी में स्थित 135 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले प्लॉट संख्या 34 के स्वामी हैं। प्रारंभ में, उक्त संपत्ति के संबंध में दिनांक 13.12.2012 को एचयूडीए द्वारा श्रीमती दीपाली मखीजा के पक्ष में हस्तांतरण विलेख (दस्तावेज संख्या 21600) निष्पादित किया गया था, जिन्होंने दिनांक 18.02.2013 को उक्त संपत्ति के संबंध में (1) श्रीमती कविता यादव और (2) श्रीमती सुषमा यादव के पक्ष में विक्रय विलेख (दस्तावेज संख्या 26743) निष्पादित किया था। जिन्होंने दिनांक 27.03.2019 को श्री रामजस यादव और श्री गुलशन यादव के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया (दस्तावेज़ संख्या 17400)। अंततः, सिविल जज श्री दीपक यादव (जूनियर डिवीजन) राष्ट्रीय लोक अदालत गुरुग्राम के न्यायालय में (अपंजीकृत) निर्णय, सीआईएस संख्या सीएस/154-2025 दिनांक 12.07.2025- (1) श्रीमती सुनीता यादव (2) श्री गुलशन यादव (3) श्री राहुल यादव, (4) श्रीमती मंजेश यादव, (5) श्रीमती टीना यादव (वादी) बनाम श्री रामजस यादव (प्रतिवादी)। संपत्ति संख्या 255 और संपत्ति संख्या 34 को संयुक्त परिवार की संपत्ति मानकर, इसे सभी छह सदस्यों (प्रतिवादी और वादी संख्या 1 से 5) के बीच समान रूप से वितरित करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें प्रत्येक को एक-छठा हिस्सा मिलेगा। जो कोई भी अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहता है। यदि किसी को उक्त बिक्री और गिरवी पर कोई आपत्ति है या संपत्ति में किसी का कोई दावा, अधिकार या हित है, तो उसे 7 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी से अपनी आपत्ति दर्ज करानी होगी; अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 17/7/2026
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE
I, SHITAL BEN wife of No.-6507142N, Rank-SEP, Name-JADAV NIKUL HIMMATBHAI residing at VILL-MEGHVADAR, PO-SIHOR, DIST-BHAVNAGAGR, GUJARAT-364240, have changed my name from SHITAL BEN to JADAV SHITALBEN NIKULBHAI for all future purposes vide Affidavit dated 17/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-6507142N, Rank-SEP, Name- JADAV NIKUL HIMMATBHAI, residing at VILL-MEGHVADAR, PO-SIHOR, DIST-BHAVNAGAGR, GUJARAT-364240, have changed my minor daughter's name from UNNATI to UNNATI NIKUL JADAV for all future purposes, vide affidavit dated 17/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-736805P, Rank-NB/SUB, Name-DARMENDRA SINGH BHADOURIA residing at GAYATRI VIHAR COLONY, GALI NO-07, PINTO PARK MORAR, GWALIOR, MADHYA PRADESH-474006, have changed my mother's name from RANJANA BHADORIA to RANJANA BHADOURIA for all future purposes vide Affidavit dated 17/07/2026 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक श्रीवास्तव ग्राम अकबरपुर बेहरामपुर, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश स्थित खसरा संख्या 210 में स्थित 100 वर्ग गज के आवासीय फ्रीहोल्ड भूखंड को श्रीमती सुमन पत्नी श्री राम कुमार से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं। उक्त संपत्ति श्रीमती सुमन ने श्रीमती मीरा देवी से दिनांक 13.09.2010 को निष्पादित एवं पंजीकृत विक्रय विलेख (Sale Deed), दस्तावेज संख्या 3990 के माध्यम से क्रय की थी। श्रीमती मीरा देवी ने सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित निम्नलिखित मूल दस्तावेज गुम/खो गए हैं— मूल विक्रय विलेख (Sale Deed), दस्तावेज संख्या 1166, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 910, पृष्ठ संख्या 189-192, दिनांक 12.02.1999, उप-पंजीयक कार्यालय (SRO), दादरी में पंजीकृत व मूल विक्रय विलेख (Sale Deed), दस्तावेज संख्या 2523, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 1485, पृष्ठ संख्या 252-258, दिनांक 31.03.2006, उप-पंजीयक कार्यालय (SRO), दादरी में पंजीकृत। उक्त मूल दस्तावेजों की पर्याप्त खोजबीन एवं प्रयासों के बावजूद वे प्राप्त नहीं हो सके। इन दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. (रूक्र हृश्. 411254/2018) दिनांक 26.10.2018 को दर्ज कराई गई है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति पर वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय सहायता (Housing Loan) प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पुलिस-व्यापारी संवाद से सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी: निधि नैन

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत शहर में सुरक्षित, शांतिपूर्ण और अपराधमुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से सोनीपत पुलिस ने व्यापारियों के साथ बैठक की । पुलिस आयुक्त ममता सिंह के निर्देश पर अब प्रत्येक माह पुलिस और व्यापारियों के बीच बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों का समय पर समाधान किया जा सके। इसी कड़ी में सिटी थाना परिसर में सहायक पुलिस आयुक्त (सिटी-2) निधि नैन की अध्यक्षता में संवाद बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिटी थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सहित पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। वहीं जिला व्यापार मंडल के प्रधान संजय सिंगला, वरिष्ठ उपप्रधान रामनारायण गोयल, शहरी कार्यकारी प्रधान पवन तनेजा, केमिस्ट एसोसिएशन के सुरेश कादियान सहित बड़ी संख्या में व्यापारी प्रतिनिधि मौजूद रहे। व्यापारियों ने बाजारों में बढ़ते अतिक्रमण, चोरी की घटनाओं, पुलिस गश्त बढ़ाने, नशे के अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई, भीख मंगवाने वाले गिरोहों पर रोक तथा बाजारों में अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए। पुलिस अधिकारियों ने सभी सुझावों पर गंभीरता से कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

गुरुग्राम से पकड़े 13 बांग्लादेशी नागरिक किए डिपोर्ट

गुरुग्राम। राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। अपराध शाखा सेक्टर-39 की टीम द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में पकड़े गए 13 बांग्लादेशी नागरिकों को डिपोर्टेशन के लिए रवाना किया गया। गुरुग्राम पुलिस ने भारत सरकार और सक्षम प्राधिकारी के आदेशों के अनुपालन में सभी 13 नागरिकों को उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू की। इसके लिए एक निरीक्षक के नेतृत्व में 23 पुलिसकर्मियों की एस्कॉर्ट टीम गठित की गई। टीम ने सभी विदेशी नागरिकों को सुरक्षा के साथ 16 जुलाई को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से न्यू दिल्ली-मालदा टाउन एक्सप्रेस द्वारा रवाना किया। एस्कॉर्ट टीम इन्हें पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन तक सुरक्षित पहुंचाएगी। वहां से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उन्हें भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ और संबंधित अधिकारियों को सौंपा जाएगा। गुरुग्राम पुलिस का कहना है कि शहर में अवैध घुसपैठियों की पहचान और सत्यापन के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

कम नंबर आने पर छात्रा ने 13वीं मंजिल से कूदकर दी जान

फरीदाबाद। भूपानी थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-88 की एसआरएस रेजिडेंसी में 18 वर्षीय छात्रा ने 13वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही भूपानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान 18 वर्षीय दानविता के रूप में हुई है। वह अपने परिवार के साथ सेक्टर-88 स्थित एसआरएस रेजिडेंसी में रहती थी। बुधवार को उसने 13वीं मंजिल से छलांग लगा दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि दानविता ने नीट की परीक्षा पास की थी, लेकिन उसे उम्मीद के अनुसार अंक नहीं मिले थे। इसी बात को लेकर वह पिछले काफी समय से मानसिक तनाव और डिप्रेशन में थी। परिजनों का कहना है कि इसी कारण उसने यह कदम उठाया। बताया जा रहा है कि परिवार मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा का रहने वाला है और पिछले काफी समय से फरीदाबाद के सेक्टर-88 स्थित एसआरएस रेजिडेंसी में रह रहा है। मृतका के पिता कटेश्वर जेसीबी कंपनी में उच्च पद पर कार्यरत हैं। घटना के समय उसकी मां आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा गई हुई थीं, जबकि छात्रा घर पर अकेली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बिजली कटौती से नाराज किसानों ने लगाया जाम

जींद। सफीदों क्षेत्र के गांवों में पिछले तीन दिनों से लगातार जारी बिजली कटौती ने किसानों की परेशानी को चरम पर पहुंचा दिया है। घोषित कटों और अनियमित बिजली आपूर्ति से नाराज किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित किसानों ने सफीदों-पानीपत रोड को जाम कर दिया। जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और राहगीरों व वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना मिलते ही बिजली निगम के एसडीओ अंकुश गर्ग मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत शुरू की। करीब एक घंटे तक चली वार्ता के दौरान एसडीओ ने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा और बिजली आपूर्ति में सुधार किया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों का गुस्सा कुछ शांत हुआ और उन्होंने जाम खोलने का निर्णय लिया। इसके बाद यातायात को बहाल किया गया और लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि किसानों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि आने वाले दिनों में बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ तो वे फिर से बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा विकास पथ पर अग्रसर :नायब सैनी

केंद्र से 12 वर्षों में सात लाख करोड़ की विकास राशि मिली

एजेंसी

जींद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने हरियाणा में विकास की परिभाषा को बदला है। हरियाणा को आज जहां 15000 करोड़ की नौ परियोजनाओं की सौगात मिली है वहीं इससे 71 हजार करोड़ की परियोजनाएं दी हैं। केंद्र से 12 वर्षों में सात लाख करोड़ से अधिक की विकास राशि दी है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी शुक्रवार को जींद में रेलवे जंक्शन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाइड्रोजन ट्रेन का उद्घाटन करने के बाद हुडा ग्राऊंड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि एक समय था जब दुनिया से भारत तकनीक मांगता था लेकिन आज विश्व भारत की तकनीक अपनाना चाहता है। पहले भारत अवसर खोजता था और आज विश्व भारत में अवसर खोज रहा है। पहले दुनिया पूछती थी कि क्या भारत कर पाएगा, आज दुनिया कहती है कि भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है। भारत हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर पूरी दुनिया के लिए नए मानक तय करता है।

प्रधानमंत्री ने देश की दिशा व दशा को बदलने का काम किया है। केवल विकास की इमारतें नही खड़ी की बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य गढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की तस्वीर बदल चुकी है। आज देश के किसी भी कोने में चले जाओ वहां आधारभूत परियोजना या संरचना पर काम होता दिखाई देता है। चाहे एक्प्रेसवे हो, कॉरिडोर हो, पुल हो, बंदरगाह का विकास हो, देश का हर हिस्सा विकास का साक्षी बन रहा है। आज भारत विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

यह सब प्रधानमंत्री के नेतृत्व और विकास नीतियों का परिणाम है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा भले ही आपकी जन्मभूमि न हो, बल्कि आपकी कर्मभूमि रही है। हरियाणा की जनता आपसे आत्मीयता का रिश्ता रखती है। जब भी प्रधानमंत्री हरियाणा में आते हैं तो यह केवल एक दौरा नही बल्कि परिवार के मुखिया का घर आना होता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को 140 करोड़ भारत वासियों का सारथी तथा देश वासियों के सपनों का संरक्षक करार देते हुए कहा कि विकास की इमारतें नहीं खड़ी हैं बल्कि आने वाली पीढियों का भविष्य गढ़ा है। यह सपने देखने वाला भारत नहीं है बल्कि संकल्प से सिद्धी हासिल करने वाला है।

नायब सैनी ने प्रधानमंत्री के भाजपा में हरियाणा प्रभारी रहते हुए दिनों का याद करके कहा कि आपने यहां की मिट्टी को अपने खून-पसीने से सींचा है। यह आपकी कर्मभूमि रही है। यहां की जनता आपके साथ आत्मीयता का रिश्ता रखती है।

मतदाता सूची का शुद्ध होना लोकतंत्र की मजबूती का आधारः ए. श्रीनिवास

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने गुरुग्राम के बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 (एसआईआर) के तहत चल रहे कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने धनवापुर क्षेत्र का भ्रमण कर मतदान केंद्रों पर बीएलओ, स्थानीय मतदाताओं, नगर निगम पार्षदों, विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) तथा जागरूक नागरिकों से संवाद किया और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र संख्या 160, 161 एवं 164 का निरीक्षण कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बीएलओ से घर-घर जाकर किए जा रहे सर्वेक्षण, गणना प्रपत्रों के वितरण एवं प्राप्ति तथा मतदाता सत्यापन की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के प्रत्येक चरण में पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित

किया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र अथवा स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं के नाम नियमानुसार सूची से हटाना है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं नवीनतम होना लोकतंत्र की मजबूती का आधार है और इसमें आमजन की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नगर निगम पार्षदों, राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), सामाजिक संगठनों एवं जागरूक नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अभियान में सक्रिय सहयोग दें और अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को गणना प्रपत्र भरने एवं समय पर जमा कराने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं ने अभी तक अपने गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) जमा नहीं कराए हैं, वे बिना विलंब अपने संबंधित बीएलओ के पास प्रपत्र जमा कराएं, ताकि उनका विवरण समय पर मतदाता सूची में अद्यतन किया जा सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य एक स्वच्छ, त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है। इसके लिए प्रशासन के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित की जाए।

आदमपुर की 25 सड़कों के निर्माण के लिए 38.82 करोड़ की मंजूरी : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। युवा भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने क्षेत्र की लंबे समय से लंबित 25 सड़कों के निर्माण के लिए 38.82 करोड़ की मंजूरी प्रदान कर दी है। इन कार्यों के टेंडर जल्द जारी किए जाएंगे, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू होगा। उन्होंने आदमपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए बड़ी विकासात्मक सौगात मिलने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। भव्य बिश्नोई ने गुरुवार को कहा कि कुछ समय पूर्व उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आदमपुर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जनहितकारी मांगों के साथ-साथ जर्जर और लंबित सड़कों के निर्माण का विस्तृत प्रस्ताव सौंपा था। मुख्यमंत्री ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच भी बेहतर होगी। इससे आदमपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। भव्य बिश्नोई ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित और समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आदमपुर को मिली यह स्वीकृति सरकार की विकासोन्मुखी सोच और जनकल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी क्षेत्र में विकास कार्यों की गति इसी प्रकार जारी रहेगी। भव्य बिश्नोई ने कहा कि स्वर्गीय बिश्नोई रत्न स्व. चौधरी भजन लाल द्वारा शुरू की गई विकास की राजनीति को आगे बढ़ाते हुए उनका परिवार सदैव आदमपुर की जनता के हितों और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित रहा है।

गुरुग्राम नगर निगम की टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता, ड्राफ्टसमैन की सेवाएं समाप्त

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के टेंडर दस्तावेजों की स्क्रूटनी एवं प्रोसेसिंग में गंभीर अनियमितताओं में ड्राफ्टसमैन दोषी पाया गया। इस मामले में हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के माध्यम से लगे ड्राफ्ट्समैन सोमबीर को टर्मिनेट कर दिया गया। यह निर्णय विस्तृत विभागीय जांच, कारण बताओ नोटिस, लिखित जवाब तथा व्यक्तिगत सुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने के बाद लिया गया। जानकारी के अनुसार टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से संबंधित मामला संज्ञान में आया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य अभियंता को विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान संबंधित टेंडर दस्तावेजों तथा सभी पक्षों के जवाबों की जांच की गई। संबंधित कर्मचारी एवं अन्य पक्षों को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर भी दिया गया। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि टेंडर दस्तावेजों की स्क्रूटनी के दौरान गंभीर अनियमितताएं हुई। साथ ही यह भी सामने आया कि संबंधित कर्मचारी ने हितों के टकराव की स्थिति होने के बावजूद स्वयं को प्रक्रिया से अलग नहीं किया। इस संबंध में आवश्यक जानकारी भी सांझा नहीं की। जांच में इसे टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला माना गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उसके लिखित उत्तर की जांच की गई। उसे व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर भी प्रदान किया गया। सुनवाई के दौरान उपलब्ध तथ्यों एवं जांच रिपोर्ट का समग्र परीक्षण करने के बाद संबंधित प्राधिकारी ने पाया कि कर्मचारी का उत्तर संतोषजनक नहीं है। उसके विरुद्ध लगाए गए आरोपों का पर्याप्त समाधान प्रस्तुत नहीं किया गया। साक्ष्यों, जांच रिपोर्ट एवं विभागीय प्रक्रिया के आधार

पर नगर निगम गुरुग्राम ने संबंधित ड्राफ्ट्समैन की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का आदेश जारी किया है। साथ ही संबंधित आदेश की प्रति आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों एवं हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भी प्रेषित की गई है।

प्रधानमंत्री ने हरियाणा को दी ऐतिहासिक सौगातः विधायक लक्ष्मण सिंह

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी के सेक्टर-चार स्थित जिम्मखाना क्लब में शुक्रवार को जींद में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का ऑनलाइन सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में रेवाड़ी विधायक लक्ष्मण सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री का संबोधन सुना तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम को देखा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से संचालित ट्रेन को जींद से सोनीपत के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही भारत हाइड्रोजन फ्यूल आधारित ट्रेन संचालन शुरू करने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया। इस उपलब्धि को देश के रेलवे इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरियाणा की जनता से विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में भी प्रधानमंत्री ने देश की पहली सीएनजी ट्रेन रेवाड़ी और रोहतक के बीच शुरू कर

हरियाणा को नई पहचान दिलाई थी। अब पहली हाइड्रोजन ट्रेन की शुरुआत भी हरियाणा से कर प्रदेश को एक और ऐतिहासिक सौगात दी गई है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने अप ने संबोधन के दौरान एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, दो नए मेडिकल कॉलेजों सहित नौ महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

रेवाड़ी कार्यक्रम में पहुंचे विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए चंडीगढ़ से रेवाड़ी तक की यात्रा निजी वाहन के बजाय वंदे भारत ट्रेन और ई-रिक्शा से की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और हरित परिवहन को अपनाकर ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

रेवाड़ी में खाद्य आपूर्ति विभाग ने सस्पेंड किए तीन राशन डिपो

एजेंसी

रेवाड़ी। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में लापरवाही सामने आने के बाद जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन राशन डिपो की सप्लाई तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि गरीबों के राशन की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नितेश सिंगला ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर वार्ड नंबर-25, नई आबादी और छिपटवाड़ा क्षेत्र के राशन डिपो की सप्लाई अगले आदेश तक निलंबित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जानकारी के अनुसार, राशन डिपो संचालकों पर बरसात में भीगे हुए गेहूं और चीनी को सुखाकर गरीब परिवारों में वितरित करने की तैयारी का आरोप है। मामला तब सामने आया जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें डिपो पर रखा भीगा हुआ राशन दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि खराब हो चुके अनाज को

दोबारा सुखाकर बीपीएल परिवारों को देने की तैयारी की जा रही थी। लोगों ने राशन से दुर्गंध आने की शिकायत भी की। शिकायत के बाद जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने दो सदस्यीय जांच कमेटी गठित की। जांच में सामने आया कि नई आबादी स्थित एक डिपो का राशन अंबेडकर चौपाल में रखा गया था। पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश के दौरान छत से पानी टपकने से वहां रखे 45 कट्टे गेहूं और 20 कट्टे चीनी भीग गए, जिससे अनाज में सड़न आ गई।

आरोप है कि खराब राशन को नष्ट करने के बजाय सुखाकर स्टॉक में मिलाने की कोशिश की गई। वीडियो सामने आने के बाद विभाग ने जांच कर कार्रवाई की और संबंधित तीनों डिपो की सप्लाई निलंबित कर दी। अधिकारियों ने कहा कि पूरे मामले की निगरानी की जा रही है और दोषियों पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई भी की जाएगी।

दिल्ली पैरलल नहर के रजवाहे की पटरी टूटी, पंचायती जमीन जलमग्न

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर के गांव आहुलाना में दिल्ली पैरलल नहर की शाखा से निकले रजवाहे की पटरी टूटने से पंचायती जमीन और किसानों की धान की फसल में पानी भर गया। तेज बहाव के कारण पंचायती जमीन में करीब तीन फीट से अधिक पानी जमा हो गया, जबकि साथ लगते खेत में करीब डेढ़ एकड़ धान की फसल भी जलमग्न हो गई। किसानों को फसल खराब होने की चिंता सताने लगी। ग्रामीणों ने बताया कि किसानों ने पहले अपने स्तर पर मिट्टी डालकर टूटी पटरी को बांधने का प्रयास किया, लेकिन कुछ देर बाद तेज बहाव के कारण पटरी फिर टूट गई। इसके बाद मामले की सूचना पानीपत नहरी विभाग को दी गई। आरोप है कि सूचना देने के बावजूद विभाग के अधिकारी काफी समय तक मौके पर नहीं पहुंचे। इस दौरान नुकसान बढ़ने से रोकने के लिए रजवाहे में पानी बंद करवा दिया गया। बाद में नहरी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जेसीबी व कर्मचारियों की मदद से टूटी पटरी की मरम्मत का कार्य शुरू कराया। गांव के सरपंच प्रतिनिधि अजीत सिंह ने भी मौके का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों से जल्द मरम्मत पूरी कराने को कहा। ग्रामीणों ने मांग की कि रजवाहे की पटरी को स्थायी रूप से मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो और किसानों की फसल सुरक्षित रह सके।

जनशिकायतों पर एक्शन मोड में अनिल विज, ट्यूबवेल ऑपरेटरों की जांच के आदेश, पुलिस को भी दिए सख्त निर्देश

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने जनस्वास्थ्य विभाग के फोरमैन और विभिन्न ट्यूबवेलों पर तैनात ट्यूबवेल आपरेटरों के खिलाफ कार्य नहीं करने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए विभाग के एसई को मामले में जांच कर सात दिनों के भीतर रिपोर्ट जमा कराने के निर्देश दिए। विज अम्बाला छावनी में अपने आवास पर लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। अम्बाला छावनी वार्ड नंबर दस से पार्षद रमन छतवाल ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज को शिकायत देते हुए आरोप लगाया कि जनस्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एक फोरमैन व उसके तीन रिश्तेदार जोकि ट्यूबवेल आपरेटरों के पद पर कार्यरत हैं सहीं तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। उनका आरोप था कि फोरमैन द्वारा आपरेटरों को अपने निजी कार्य में लगवाया जा रहा है जिससे पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। इसके अलावा, उन्होंने फोरमैन व ट्यूबवेल आपरेटरों पर अन्य आरोप भी लगाए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने मामले में संज्ञान लेते हुए विभाग के एसई को मामले में जांच कर रिपोर्ट सात दिनों में देने के निर्देश दिए। बोरवेल में गिरने से मारे गए बालक के परिजनों ने ऊर्जा मंत्री अनिल

विज से की मुलाकात ऊर्जा मंत्री अनिल विज से धन्यौड़ा गांव में गत दिनों बोरवेल में गिरने से मौत के आगोश में समाए नन्हे बालक निरवैर सिंह के परिजनों ने मुलाकात की। परिजनों का आरोप था कि उनके बेटे की मौत के बाद पुलिस ने अभी तक मामले में आरोपियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की है। मंत्री अनिल विज ने परिजनों को मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसी प्रकार, अम्बाला छावनी निवासी विवाहिता ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज को शिकायत देते हुए बताया कि उसकी शादी कुछ वर्ष पूर्व लुधियाना में हुई थी और उनका पांच वर्ष का छोटा बालक है। विवाहिता ने कहा कि उसका पति उससे मारपीट करता है और उसका किसी अन्य महिला के साथ अफेयर है। उसे जब यह पता चला तो ससुराल पक्ष ने उसे घर से निकाल दिया और अब उसे बच्चा भी नहीं दे रहे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस मामले में पुलिस को मामला दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर हाइवे पर चलती कार में लगी भीषण आग

एजेंसी

गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे-48 पर एक चलती कार में अचानक आग लग गई। गुरुवार को हुए हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। चालक ने समय रहते कार से कूदकर अपनी जान बचा ली। आग लगने से हाईवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई और ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। जानकारी के अनुसार एक कार तेज रफ्तार से दिल्ली की तरफ जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक कार के इंजन से धुआं निकलना शुरू हुआ और कुछ ही सेकंड में उसमें आग लग गई। आग देखकर चालक ने सूझ-बूझ दिखाते हुए तुरंत गाड़ी रोकी और कूदकर बाहर आ गया। इसके बाद देखते ही देखते आग ने पूरी कार को

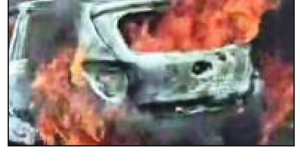

अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही मिनटों में कार धू-धू कर जलने लगी और लगभग पूरी तरह खाक हो गई। कार में आग लगने की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई। इसी बीच हाईवे से गुजर रहे एक पानी के टैंकर के चालक ने बहादुरी दिखाते हुए अपना टैंकर रोका और आग बुझाने में मदद की।

टैंकर के पानी से आग पर काफी हद तक काबू पाया गया। इसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को पूरी तरह से बुझाया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से हाईवे पर लगे ट्रैफिक को भी सामान्य कराया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट या इंजन में तकनीकी खराबी को वजह माना जा रहा है। पुलिस ने बताया कि कार मालिक इस घटना पर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम से भी मदद ली जाएगी।

मैकलॉयड रसेल बेचेगा चाय बागान, ऋण पुनर्गठन से मिली हरी झंडी

एनएआरसीएल ने वापस ली दिवालियापन अर्जी, 2029 तक चुकाना होगा कर्ज

नई दिल्ली ।

मैकलॉयड रसेल इंडिया अब अपने चाय बागानों की बिक्री शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। नेशनल असेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून पंचाट (एनसीएलटी) से कंपनी के खिलाफ दायर अपनी दिवालियापन की अर्जी औपचारिक रूप से वापस ले ली है, जिससे कंपनी के लिए यह रास्ता साफ हो गया है। एनसीएलटी के कोलकाता पीठ ने एनएआरसीएल की वकील इंडिया डेट रिजॉल्यूशन कंपनी लिमिटेड के माध्यम से दायर अर्जी को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया। हालांकि, पीठ ने शर्त रखी कि पुनर्गठन प्रक्रिया विफल होने पर अर्जी फिर से शुरू की जा सकती है। यह घटनाक्रम 2 अप्रैल, 2026 को एनएआरसीएल द्वारा कंपनी के ऋणों के पुनर्गठन के लिए अनुमति पत्र जारी करने के बाद हुआ। एनएआरसीएल, जो 31 दिसंबर, 2025 तक कुल ऋणदाताओं के 75.02 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है, मूल रूप से एचडीएफसी बैंक के लगभग 444.55 करोड़ रुपये के ऋण का अधिकार प्राप्त करने वाली बन गई थी। इस अनुमति पत्र के तहत, मैकलॉयड रसेल को 15 फरवरी, 2029 तक एनएआरसीएल को 1,050 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। कंपनी सूत्रों के संकेत हैं कि इस दायित्व को पूरा करने के लिए मैकलॉयड बागानों की पहली खेप की बिक्री के साथ आगे बढ़ेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 965 , निफ्टी भी 261 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी होने से आई है। आज दिग्गज कंपनी रिलायंस के शेयरों में भारी तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 964.58 अंक बढ़कर 78,151.45 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 261.55 अंक ऊपर आकर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ। आज सबसे ज्यादा तेजी रिलायंस के शेयर में आई और ये 1326.50 रुपये पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। टेक महिंद्रा में सबसे ज्यादा उछाल आया। इसके अलावा कोटक महिंद्रा, टीसीएस, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी भारी तेजी रही। दूसरी ओर, ट्रेंट, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो और एनटीपीसी के शेयरों में गिरावट रही।इससे पहले आज सुबह तेजी के साथ खुला।

सेंसेक्स ने 77,800 का स्तर पार करते हुए 627.98 अंक की बढ़त दर्ज की, जबकि निफ्टी 50 भी 166.55 अंक चढ़कर 24,239.30 के स्तर पर पहुंच गया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 96.23 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 14 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.28 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, विदेशी पूंजी की भारी बिकवाली और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त के साथ 96.28 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ 17 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 100.78 पर रहा।

सोना चमका, चांदी की चमक पड़ी फीकी

सोना 1.40 लाख के पार, चांदी 2.15 लाख के करीब

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। जहां घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी दर्ज की गई, वहीं चांदी की चमक फीकी पड़ी और उसके भाव लुढ़क गए। निवेशकों ने सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में पसंद किया, जबकि चांदी में मुनाफावसूली हावी रही। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,40,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद भाव 1,40,348 से 310 रुपए की तेजी दर्शाता है। दिन के कारोबार में सोने ने 1,40,733 रुपए का उच्च स्तर भी छुआ, जो इसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इसके विपरीत एमसीएक्स पर चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,15,655 रुपए प्रति किलोग्राम पर लुढ़क गया, जिसमें पिछले बंद भाव 2,16,013 से 358 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही और यह 2.15 लाख रुपये किलो के करीब आ गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने में बढ़त दिखी। यह 3,996.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 4.60 डॉलर की तेजी दर्शाता है। हालांकि इसकी शुरुआत 3,980.10 डॉलर प्रति औंस पर गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन बाद में इसमें सुधार आया। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 55.75 प्रति औंस पर फिसल गई, जिसमें 0.46 डॉलर की गिरावट दर्ज की गई। चांदी के भाव अंतरराष्ट्रीय बाजार में 55 डॉलर प्रति औंस तक भी गिरे थे, जो इसकी कमजोर धारणा को दर्शाता है।

चीन ने रेयर अर्थ रोके तो 6.5 ट्रिलियन डॉलर का उत्पादन प्रभावित होगा आईईए

स्मार्टफोन, ईवी से लेकर लड़ाकू विमान तक के निर्माण पर पड़ेगा असर

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की ग्लोबल क्रिटिकल मिनरल्स आउटलुक 2026 रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि चीन रेयर अर्थ के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है, तो चीन से बाहर 6.5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 6.5 लाख करोड़ डॉलर) का वैश्विक औद्योगिक उत्पादन सालाना प्रभावित होगा। इसका गहरा असर टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, रक्षा, ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ने की आशंका है। रेयर अर्थ 17 महत्वपूर्ण खनिजों का समूह है, जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और लड़ाकू विमान जैसे हाई-टेक उपकरणों के निर्माण में आवश्यक हैं। आईईए के एक अधिकारी ने चेताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कुछ चुनिंदा क्रिटिकल मिनरल्स पर अत्यधिक निर्भर है, जिनकी आपूर्ति सीमित देशों में केंद्रित है। चीन ने अक्टूबर 2025 में निर्यात के लिए लाइसेंस नियम सख्त किए थे, जिसका पूर्ण कार्यान्वयन नवंबर 2026 तक टला है, पर वैश्विक उद्योगों में अनिश्चितता बनी हुई है।

त्योहारों से पहले महंगाई का वार, गेहूं और खाद्य तेलों के दाम बढ़े

घरेलू उत्पादन में गिरावट और कमजोर रुपये से कीमतें उछलने की आशंका

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले आम आदमी की जेब पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। गेहूं और खाद्य तेलों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी की आशंका है, जिससे रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के साथ-साथ घरेलू मौसम संबंधी चुनौतियां भी इस मूल्य वृद्धि को हवा दे रही हैं। पिछले एक माह में घरेलू बाजार में गेहूं के दाम 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुके हैं। काला सागर क्षेत्र में आपूर्ति जोखिमों और यूक्रेन के बंदरगाहों पर हमलों के कारण वैश्विक बाजार में गेहूं के दाम उछले हैं, जिससे शिकागो वायदा दो महीने के उच्चतम स्तर पर है। इसका असर भारतीय मंडियों पर भी दिख है, जहां इंदौर में 8.44 फीसदी, जबकि दिल्ली, कानपुर और कोटा में औसतन 3.5-4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। घरेलू स्तर पर भी बढ़ता तापमान और बेमौसम बारिश गेहूं उत्पादन के अनुमान को घटा रहे हैं, जिससे भविष्य में कीमतें और बढ़ सकती हैं। खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी आने की पूरी आशंका है। इस साल सोयाबीन की खेती में 6 फीसदी की कमी और अपर्याप्त बारिश से प्रति हेक्टेयर उत्पादन घटने की संभावना है। वैश्विक स्तर पर पाम तेल की कमी और बायोफ्यूल में इसके बढ़ते इस्तेमाल ने सोया व सूरजमुखी तेल को महंगा किया है। भारत ने फिलहाल आयात कम किया है, जो भविष्य में घरेलू स्टॉक पर दबाव बढ़ाएगा। कमजोर रुपया भी आयात लागत बढ़ा रहा है। अगस्त के पहले पखवाड़े से शुरू होने वाली त्योहारी मांग इन कीमतों को और ऊपर धकेल सकती है, जिससे उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ेगा।

कारों के कंप्यूटरीकरण ने बदली ऑटो कंपनियों की भर्ती रणनीति

मैकेनिकल की जगह अब इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, डेटा और एआई विशेषज्ञों की मांग

नई दिल्ली।

वाहनों के बढ़ते कंप्यूटरीकरण और डेटा-केंद्रित संचालन के कारण भारतीय वाहन उद्योग अपनी भर्ती रणनीति में एक मौलिक बदलाव देख रहा है। पारंपरिक मैकेनिकल इंजीनियरों के बजाय, अब कंपनियां तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर, डेटा वैज्ञानिक और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञों की तलाश कर रही हैं। यह बदलाव लगभग पांच साल पहले शुरू हुआ और अब रफ्तार पकड़ चुका है। वाहन उद्योग अब कारों द्वारा उत्पन्न और संसाधित किए जा रहे हर क्षण के डेटा पर केंद्रित हो गया है। इस तकनीकी क्रांति के कारण वाहन निर्माता अब इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों, कोडर्स, डेटा वैज्ञानिकों, साइबर सुरक्षा और एआई विशेषज्ञों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो पहले मैकेनिकल इंजीनियरों और विनिर्माण विशेषज्ञों को दी जाती थी। यह बदलाव न केवल भर्ती पैटर्न को बदल रहा है बल्कि वाहन कंपनियों में महिलाओं की संख्या भी बढ़ा रहा है, जिससे केवल महिलाओं द्वारा संचालित उत्पादन क्षेत्रों का मार्ग भी प्रशस्त हो रहा है। टाटा मोटर्स में, 60 प्रतिशत से अधिक इंजीनियरिंग भर्ती अब विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और एम्बेडेड सिस्टम जैसे क्षेत्रों से होती है। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सीताराम कांडी के अनुसार, यह पारंपरिक ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और डिजिटल तकनीकों के बीच बढ़ते संगम को दर्शाता है। ह्युंडै मोटर भी इसी तरह के रुझान देख रही है, जहां उत्पाद नियोजन, कनेक्टिविटी, मोबिलिटी, कनेक्टेड और विनिर्माण इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और एंबेडेड सिस्टम से जुड़े पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अब कनेक्टेड फीचर्स, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम और बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम जैसी तकनीकों पर काम करने के लिए वाहन डिजाइन के शुरुआती चरणों से ही प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं।

रिलायंस के प्रवर्तकों ने अप्रैल-जून तिमाही में बढ़ाई 0.5 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के प्रवर्तक समूह ने अप्रैल-जून तिमाही में बाजार से शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी में करीब 0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नियामक आंकड़ों के अनुसार यह हिस्सेदारी बढ़कर 50.48 प्रतिशत हो गई है, जिसे देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के प्रति उनके दीर्घकालिक भरोसे का संकेत माना जा रहा है। इस खरीद पर 8,500 करोड़ से 9,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह खरीद भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के क्रीपिंग एक्विजिशन नियमों के तहत अनुमत सीमा के भीतर की गई। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब रिलायंस खुदरा, डिजिटल और नई ऊर्जा जैसे नए कारोबारों में भारी निवेश कर रही है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, प्रवर्तकों की हिस्सेदारी बढ़ना कंपनी की संभावनाओं और भविष्य की योजनाओं के प्रति प्रबंधन के गहरे भरोसे का संकेत है। उनका मानना है कि यह बढ़ोतरी दीर्घकालिक मूल्य के प्रति विश्वास दर्शाती है और अल्पसंख्यक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक है।

बैंकों को जब्त संपत्ति 7 साल में बेचनी होगीः आरबीआई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के लिए फंसे कर्ज के बदले जब्त की गई अचल संपत्तियों (एसएलएफए) के निपटान हेतु संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत बैंकों को ऐसी संपत्तियों को अधिकतम 7 साल के भीतर सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से बेचना अनिवार्य होगा।आरबीआई ने कहा कि बैंक को चिह्नित गैर वित्तीय संपत्ति (एसएलएफए) को अपनी नीति के तहत निर्धारित अधिकतम 7 साल की अवधि के भीतर निपटाना होगा। इसके लिए सरफेसी अधिनियम, 2002 में निहित नीलामी के सिद्धांतों का पालन करते हुए सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से जल्द से जल्द निपटान के सभी प्रयास

एनआरआई ला सकते हैं भारत में 80 अरब डॉलर

विदेशी मुद्रा भंडार होगा मजबूत] एफसीएनआर जमा पर बढ़ी ब्याज दर बनी आकर्षक,

सिंगापुर ।

भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अनिवासी भारतीय (एनआरआई) मौजूदा विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर) जमा योजना के जरिए भारत में 70-80 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा ला सकते हैं। सिंगापुर के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने शुक्रवार को यह जानकारी दी, जिसके अनुसार बैंक सीमित अवधि के लिए एफसीएनआर जमा पर अधिक ब्याज दर की पेशकश कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने और रुपये को समर्थन देने के लिए सीमित अवधि हेतु बैंकों को एफसीएनआर जमा पर अधिक ब्याज दर की पेशकश करने की अनुमति दी है। एफसीएनआर योजना एनआरआई और भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) को भारतीय बैंकों में अपनी विदेश में अर्जित आय को प्रमुख विदेशी मुद्राओं में सुरक्षित रूप से जमा करने और उस पर प्रतिफल प्राप्त करने का अवसर देती है, जहां राशि विदेशी मुद्रा में ही रहती है। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) की सिंगापुर शाखा के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि 30 सितंबर, 2026 तक खुली इस पहल के तहत अब तक 10 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं। उन्होंने अनुमान व्यक्त किया कि यह आंकड़ा 70-80 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। आईसीएआई की सिंगापुर शाखा द्वारा 15 जुलाई को आयोजित एक वैश्विक वेबिनार में इस विषय पर गहन चर्चा हुई। इस वेबिनार में दुनियाभर से करीब 1,800 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें चार्टर्ड अकाउंटेंट, निवेशक और कारोबारी नेता शामिल थे। विशेषज्ञों ने इस बात पर सहमति जताई कि इस पहल से भारत की बाह्य वित्तीय स्थिति काफी मजबूत होगी और एनआरआई को देश के विकास में सीधा योगदान देने का अवसर मिलेगा। एचडीएफसी बैंक, एचएसबीसी और भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधियों ने एफसीएनआर ढांचे, निवेश प्रक्रिया और कर संबंधी पहलुओं पर जानकारी दी।

एचयूएल की ग्रोथ पर भरोसा, बीयूवाय रेटिंग बरकरार

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने रखा 2,800 रुपए का लक्ष्य दिया

नई दिल्ली ।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) अपनी विकास रणनीति में बड़ा बदलाव कर रही है। अब कंपनी सिर्फ दाम बढ़ाकर नहीं, बल्कि ज्यादा सामान बेचकर कारोबार बढ़ाना चाहती है। इस नई दिशा को देखते हुए, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एचयूएल के शेयर पर खरीदें की रेटिंग बनाए रखी है और 2,800 रुपए का टारगेट दिया है, जो मौजूदा 2,120 रुपए के भाव से करीब 32 फीसदी की संभावित तेजी दर्शाता है। कंपनी का लक्ष्य अधिक से अधिक उत्पादों की बिक्री से कारोबार बढ़ाना है। इसके लिए नए प्रोडक्ट्स लॉन्च करने, महंगे यानी प्रीमियम सेगमेंट पर जोर देने और गांवों से लेकर शहरों तक अपने वितरण नेटवर्क को मजबूत करने की योजना है। ग्राहकों की बदलती पसंद और बाजार की तेजी को देखते हुए रणनीतिक फैसले लिए जाएंगे ताकि बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का मानना है कि एचयूएल के मजबूत ब्रांड, विस्तृत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और प्रीमियम प्रोडक्ट्स का अच्छा पोर्टफोलियो कंपनी को फायदा देगा।

जर्मनी में उतरी हीरो मोटोकॉर्प, केएसआर ग्रुप के साथ शुरू की नई पारी

नई दिल्ली ।

प्रमुख भारतीय दोपहिया वाहन कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी वैश्विक पहुंच का विस्तार करते हुए जर्मनी के बाजार में धमाकेदार एंट्री की है। कंपनी ने केएसआर ग्रुप के साथ एक रणनीतिक वितरण साझेदारी की घोषणा की, जिसके तहत वह वहां के ग्राहकों तक अपने यूरो-5 प्लस मानकों के अनुरूप उत्पादों की श्रृंखला पेश करेगी। इस नई शुरुआत में कंपनी सबसे पहले अपनी लोकप्रिय एक्सपल्स 200 4वी सीरीज को लॉन्च करेगी। हीरो मोटोकॉर्प के एक अधिकारी ने इस कदम को वैश्विक विस्तार की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इटली, स्पेन, फ्रांस और ब्रिटेन में सफल प्रवेश के बाद यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी में कदम रखना कंपनी की बढ़ती ताकत और क्षेत्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जर्मनी, हीरो मोटोकॉर्प के लिए यूरोप का पांचवां और वैश्विक स्तर पर 53वां बाजार बन गया है। केएसआर ग्रुप ने साझेदारी पर खुशी जताई और ग्राहकों को प्राथमिकता देने के साझा विजन पर जोर दिया।

कंपनी की योजना है कि केएसआर ग्रुप शुरुआत में जर्मनी के प्रमुख शहरों में 28 से अधिक बिक्री और सेवा केंद्रों के माध्यम से परिचालन शुरू करेगा, जिसका लक्ष्य जल्द ही इस संख्या को बढ़ाकर 30 से अधिक करना और पूरे देश में नेटवर्क का तेजी से विस्तार करना है।

जियो का सस्ता प्लानः 189 में अनलिमिटेड कॉलिंग और 2जीबी डेटा

घर या ऑफिस में वाई-फाई इस्तेमाल करने वालों के लिए खास

नई दिल्ली ।

अगर आप जियो नंबर को सिर्फ एक्टिव रखना चाहते हैं और हर महीने महंगा डेटा पैक रिचार्ज नहीं कराना चाहते, तो रिलायंस जियो ने एक किफायती विकल्प पेश किया है। कंपनी का 189 रुपये वाला प्रीपेड प्लान उन ग्राहकों के लिए फायदेमंद है, जो वाई-फाई पर निर्भर रहते हैं और मोबाइल डेटा का कम इस्तेमाल करते हैं। इस किफायती प्लान में 28 दिनों की वैलिडिटी मिलती है। ग्राहक देशभर में किसी भी नेटवर्क पर अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग का लाभ उठा सकते हैं। प्लान में 300 एसएमएस के साथ कुल 2जीबी हाई-स्पीड डेटा भी शामिल है, जिसे 28 दिनों के दौरान कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है। डेटा खत्म होने पर इंटरनेट स्पीड घटकर 64केबीपीएस रह जाती है। इस प्लान के साथ यूजर्स को `जियो टीवी,` जियो` सिनेमा और `जियो क्लाउड जैसी जियो डिजिटल सेवाओं का एक्सेस भी मिलता है, जिससे मनोरंजन और डेटा स्टोरेज की सुविधा बनी रहती है। यदि आपको अधिक इंटरनेट की आवश्यकता है, तो जियो का 299 रुपये वाला प्लान बेहतर विकल्प है। इसमें 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ अनलिमिटेड कॉलिंग, रोज 100 एसएमएस और हर दिन 1.5 जीबी हाई-स्पीड डेटा (कुल 42जीबी) मिलता है।

आयकर पोर्टल पर अब दिखेगी विदेशी आय-परिसंपत्ति की जानकारी

करदाताओं को एआईएस में विदेशी बैंक खातों और निवेश का ब्योरा

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग ने करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा शुरू की है। अब वे अपने आयकर विवरणिका फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में विदेशी बैंक खाते, निवेश खाते और विदेशी कर प्राधिकरणों द्वारा भारत को साझा की गई कुछ विदेशी आय की जानकारी देख सकते हैं। इसका उद्देश्य करदाताओं को आयकर विवरणिका दाखिल करते समय विदेशी परिसंपत्तियों और आय की सही जानकारी देने में मदद करना है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने यह सुविधा ऑटोमैटिक एक्सचेंज ऑफ इंफॉर्मेशन (एईओआई) फ्रेमवर्क के तहत शुरू की है। इस वैश्विक ढांचे के तहत विभिन्न देश कर चोरी रोकने के लिए एक-दूसरे के साथ वित्तीय खातों की जानकारी साझा करते हैं। इस डेटा में विदेशी बैंक खाते, वित्तीय निवेश, ब्याज, लाभांश और विदेश में भारतीय टैक्स रेजिडेंट्स से जुड़ी अन्य वित्तीय आय शामिल हो सकती है। वर्तमान में, एआईएस में कैलेंडर वर्ष 2022, 2023 और 2024 से संबंधित जानकारी उपलब्ध है। कैलेंडर ईयर 2025 की जानकारी इस साल सितंबर-अक्टूबर में उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि एआईएस में प्रदर्शित जानकारी वही है जो साझेदार देशों ने भारत के साथ साझा की है।

हरित ऊर्जा क्रांति का ऐतिहासिक शंखनाद

विनोद कुमार सिंह

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है।हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास,आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है।महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है।जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है।आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है।

जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन स्टीम से डीजल,डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन -भारतीय रेल ने रचा विकास का स्वर्णिम इतिहास...

भारतीय रेल केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ने वाली रेलगाड़ियों का विशाल नेटवर्क नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक शक्ति,सामाजिक समरसता,राष्ट्रीय एकता और तकनीकी प्रगति का सबसे सशक्त प्रतीक भी है।लगभग डेढ़ सौ वर्षों से अधिक की अपनी गौरवशाली यात्रा में भारतीय रेल ने अनेक ऐतिहासिक पड़ाव पार किए हैं।स्टीम इंजन से प्रारम्भ हुई यह यात्रा डीजल और फिर विद्युत इंजनों तक पहुँची,और अब भारत हरित ऊर्जा के उस नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुका है,जहाँ रेलगाड़ियाँ जीवाश्म ईंधन नहीं,बल्कि स्वच्छ हाइड्रोजन ऊर्जा के सहारे आगे बढ़ेंगी।हरियाणा के ऐतिहासिक नगर जींद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाया जाना केवल एक नई रेल सेवा का शुभारम्भ नहीं,बल्कि विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और हरित भारत के साझा संकल्प का उद्घोष है।यह क्षण भारतीय रेल के इतिहास में उसी प्रकार स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा,जैसे कभी पहली रेलगाड़ी के संचालन, राजधानी एक्सप्रेस,शताब्दी, मेट्रो अथवा वंदे भारत ट्रेनों के शुभारम्भ को याद किया जाता है।

जींद का चयन भी अत्यंत प्रतीकात्मक है।हरियाणा का यह नगर केवल एक रेलवे जंक्शन नहीं,बल्कि इतिहास,आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है।महाभारतकालीन परम्पराओं से जुड़े इस क्षेत्र का उल्लेख अनेक ऐतिहासिक संदर्भों में मिलता है।जनश्रुतियों के अनुसार इसका संबंध देवी जयन्ती की आराधना से भी माना जाता है।आज यही भूमि भारत की आधुनिक वैज्ञानिक चेतना और हरित प्रौद्योगिकी के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अतीत की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की वैज्ञानिक सोच का यह अद्भुत संगम जींद को राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान प्रदान करता है।रेलवे की दृष्टि से भी जींद का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।उत्तर रेलवे का यह प्रमुख जंक्शन वर्षों से हरियाणा,दिल्ली,पंजाब और राजस्थान को जोड़ने वाला रणनीतिक रेल केंद्र है।बदलते समय के साथ इसका आधुनिकीकरण हुआ और अब यही जंक्शन भारत की हरित रेल क्रांति का प्रारम्भिक केंद्र बन गया है।भारतीय रेल ने पिछले एक दशक में परिवर्तन की ऐसी गति देखी है, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन थी। वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन, समर्पित माल गलियारे (ऑ्रींशी त्र्श्रीं३ उङ्ग११ङ्ग१२),कवच जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली,अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास,लगभग सम्पूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण, आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तथा डिजिटल यात्री सेवाओं ने रेलवे की कार्यसंस्कृति और छवि दोनों को बदल दिया है।अब हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन यात्रा का अगला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आई है।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक भविष्य के स्वच्छ परिवहन की आधारशिला मानी जा रही है।इस तकनीक में डीजल का उपयोग नहीं होता। ईंधन सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है,जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता; केवल जलवाष्प निकलती है।यही कारण है कि इसे 'जीरो एमिशन ट्रांसपोर्ट' की दिशा में सबसे प्रभावी तकनीकों में शामिल किया जाता है।यूरोप,जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं।ऐसे समय में भारत का स्वदेशी तकनीक और अपनी इंजीनियरिंग क्षमता के बल पर इस क्षेत्र में प्रवेश करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की सक्रिय भागीदारी का संकेत भी है।भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और रेलवे तकनीकी विशेषज्ञों की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है।चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में विकसित इस ट्रेन में अत्याधुनिक हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणाली स्थापित की गई है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन उत्पादन एवं रिफ्यूलिंग अवसंरचना इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल नई तकनीकों का उपभोक्ता नहीं,बल्कि उनका विकास, निर्माण और संचालन करने वाला अग्रणी राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जींद में स्थापित हरित हाइड्रोजन संयंत्र इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण आधार है।यहाँ स्थापित एक मेगावाट क्षमता का इलेक्ट्रोलाइजर प्रतिदिन लगभग 420 किलोग्राम हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम है। लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन भंडारण की व्यवस्था तथा आधुनिक रिफ्यूलिंग प्रणाली इस परियोजना को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाती है।यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य रेल मार्गों पर भी विकसित किया जा सकता है।यह परियोजना केवल रेलवे तक सीमित नहीं है।इसके माध्यम से भारत हरित हाइड्रोजन मिशन को व्यवहारिक रूप देने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है,तब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था भारत को वैश्विक नेतृत्व की नई भूमिका प्रदान कर सकती है।हाइड्रोजन ट्रेनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इन्हें उन रेलमार्गों पर भी संचालित किया जा सकता है जहाँ विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी दृष्टि से कठिन है।इससे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी पर्यावरण अनुकूल रेल सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी।साथ ही डीजल पर निर्भरता कम होने से विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ऊर्जा आयात पर निर्भरता भी घटेगी।यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की सफलता का भी सशक्त उदाहरण है।जिस तकनीक को कभी केवल विकसित देशों की उपलब्धि माना जाता था,आज वही तकनीक भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के हाथों विकसित होकर भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ रही है।इससे यह संदेश भी जाता है कि भारत अब केवल तकनीक खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों का निर्माण और निर्यात करने की क्षमता भी विकसित कर रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में रेलवे के आधुनिकीकरण को राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण आधार बनाया है। रेलवे के लिए रिकॉर्ड पूंजीगत निवेश,नई उत्पादन इकाइयों का विस्तार, स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा, हरित ऊर्जा का उपयोग तथा यात्री सुविधाओं में व्यापक सुधार उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम हैं।हाइड्रोजन ट्रेन इसी परिवर्तनकारी दृष्टि का नवीनतम अध्याय है।इस परियोजना का प्रभाव केवल पर्यावरण या परिवहन तक सीमित नहीं रहेगा।हाइड्रोजन उत्पादन,भंडारण, परिवहन,रखरखाव और अनुसंधान से जुड़े नए उद्योग विकसित होंगे। हजारों कुशल तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में हाइड्रोजन ऊर्जा पर अनुसंधान को नई गति मिलेगी।भारतीय उद्योगों के लिए भी अत्याधुनिक ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

हरित ऊर्जा की दिशा में भारत पहले ही सौर, पवन,जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे का इस परिवर्तन का नेतृत्व करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय रेल विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन नेटवर्कों में से एक है।यदि इतना विशाल नेटवर्क स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर होता है तो उसका सकारात्मक प्रभाव केवल भारत ही नहीं,बल्कि वैश्विक जलवायु प्रयासों पर भी पड़ेगा।जींद से प्रारम्भ हुई यह यात्रा केवल एक रेलगाड़ी की यात्रा नहीं है।यह उस नए भारत की यात्रा है,जो परम्परा और आधुनिकता,विज्ञान और संस्कृति,विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए भविष्य की ओर आत्मविश्वास से बढ़ रहा है।स्टीम से डीजल, डीजल से विद्युत और अब हाइड्रोजन तक पहुँची भारतीय रेल की यह विकासगाथा बताती है कि परिवर्तन ही प्रगति का सबसे बड़ा आधार है।निस्संदेह, जींद से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आने वाले वर्षों में केवल एक तकनीकी उपलब्धि के रूप में नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक क्षण के रूप में याद की जाएगी जब भारतीय रेल ने हरित ऊर्जा क्रांति का शंखनाद किया और विकसित भारत की दिशा में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख दिया।यह केवल रेलवे की सफलता नहीं,बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं,वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का साकार रूप है। आने वाले समय में जब देश के विभिन्न रेलखंडों पर हाइड्रोजन ट्रेनें नियमित रूप से दौड़ेंगी, तब इतिहास यह अवश्य दर्ज करेगा कि हरित भारत की इस नई यात्रा का प्रथम उद्घोष हरियाणा की पावन धरती जींद से हुआ था।

संपादकीय

जन्मदर में गिरावट

हाल के वर्षों में भारत की आबादी से जुड़े ट्रेंड में बदलाव देखने को मिला है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत की आबादी से जुड़ा परिदृश्य एक नये दौर में पहुंच रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को यह सवाल उठाना पड़ा कि क्या आज भी उन कानूनों की प्रासंगिकता बनी हुई है, जिसके अंतर्गत दो से ज्यादा बच्चे होने पर लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाता रहा है। निश्चित रूप से ह्यदो बच्चोंह्न से जुड़ा यह नियम उस समय बनाया गया था जब देश में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का सबब बनी हुई थी। लेकिन आज जनसंख्या का परिदृश्य तेजी से बदल गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेंड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी ह्यसैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट-2024ह्न शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि 2.1 के ह्यरिप्लेसमेंट लेवलह्न से कम है। देश में उत्तर भारत के छह राज्य- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली- 1.2, केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (तीनों में 1.3) में प्रजनन दर देश में सबसे कम है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में प्रजनन दर अब भी अधिक है। जो आबादी की दर में बदलाव की असमान गति को ही दशार्ता है। इस तरह से जनसंख्या वृद्धि की ये असमानताएं- ह्यसबके लिए एक ही जनसंख्या नीतिह्न की खामियों को ही उजागर करती हैं। इस नीति की प्रासंगिकता व इस दिशा में बदलाव की जरूरत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सार भी है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

सोनम वांगचुक को नहीं बना पा रहे हैं अन्ना?

सनत जैन

नीट परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कह देने के बाद रातों-रात कॉकरोच जनता पार्टी बन गई। करोड़ों लोग उसके सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़ गए। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी पेपर लीक मामले और पर्यावरण को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर में कॉकरोच पार्टी के अभिजीत दिपके के साथ अनशन पर बैठ गए। अनशन स्थल पर कॉकरोच पार्टी ने छात्र संघ के नेताओं को अपने मंच पर नहीं बैठने दिया। उन्हें अलग मंच दिया गया। जिस तरह की आक्रामकता के साथ आंदोलन सरकार और व्यवस्था के खिलाफ होता है, वैसा माहौल जंतर-मंतर में देखने को नहीं मिला। ऐसा लगा, यह एक सरकारी प्रायोजित आंदोलन है। जब युवाओं की भीड़ नहीं जुटी। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को आमरण अनशन की घोषणा करनी पड़ी। आंदोलन में भीड़ नहीं जुट रही थी, भीड़ जुटाने के लिए अन्ना आंदोलन जैसी पुनरावृत्ति की कोशिश की गई। ऐसा लगा कि वांगचुक के अनशन के बाद युवाओं की भारी भीड़ जंतर-मंतर पर एकजुट होगी। जिस तरह से यह आंदोलन शुरू हुआ, प्रारंभ से ही इसकी विश्वसनीयता को लेकर छात्रों और युवाओं को वह विश्वास नहीं हुआ, जो उन्हें होना चाहिए था। सरकार और पुलिस ने जिस तरह से आंदोलनकारी नेता के साथ सहानुभूति बरती। आंदोलन के नाम पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफा और परीक्षाओं में सुधार को लेकर जो आंदोलन शुरू होना था। उसके स्थान पर आंदोलनकारी सरकार के खिलाफ आंदोलन जंतर-मंतर खड़ा करने के स्थान पर विपक्षी दलों पर निशाना साधने लगे। राहुल गांधी अनशन स्थल पर क्यों नहीं आए, विपक्ष के नेता क्यों नहीं आ रहे हैं? विपक्ष के खिलाफ एक मुहिम चलाई गई, जिसने आंदोलन की कलई खोल दी है। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक दीपके पूर्व में आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे हैं। सोनम वांगचुक ने धारा 370 और नई शिक्षा नीति को लेकर सरकार की सराहना की थी। वांगचुक की धर्मेंद्र प्रधान के साथ फोटो भी है। जिसके कारण यह आंदोलन खड़ा होने के पहले ही एक तरह से बिखरने लगा। जंतर-मंतर में जिस तरह से इस आंदोलन को गति मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल पाई। आंदोलनकारी दिल्ली पुलिस के पैरों में गिरकर गिड़िगडा रहे थे। राहुल गांधी और विपक्ष को जिस तरह से मीडिया द्वारा निशाने पर लिया गया। उससे सारे देश में एक संदेश गया। राहुल गांधी के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता थे, पुलिस उन पर सख्ती कर रही थी। जो परीक्षा के पेपर लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की कमियों को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन कर रहे थे। जिस तरह से देश में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सरकार के लिए एक चुनौती बने हुए हैं। राहुल गांधी को निशाने पर रखकर सोनम वांगचुक को, अन्ना आंदोलन की तर्ज पर स्थापित करने की कोशिश की गई, वह कोशिश कामयाब होती हुई नहीं दिख रही है। भ्रष्टाचार आंदोलन को लेकर अन्ना आंदोलन से ठगे गए देश के करोड़ों लोग इस आंदोलन पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। युवाओं के बीच में यह संदेश गया, आंदोलनकारी सरकार से लड़ने की बजाय सरकार से निवेदन कर रहे हैं।

18 दिन हो चुके, अभी तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की बात को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। शिक्षा नीति और पेपर लीक मामले में आंदोलनकारी और सरकार चुप्पी साधे हुए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी अपना मंच छात्र नेताओं के साथ साझा नहीं कर रही है। ऐसी स्थिति में आंदोलन खड़ा होने के पहले ही बिखरता हुआ नजर आया है। सोनम वांगचुक के अनशन को खत्म कराने के लिए सारे विपक्षी दल उनसे निवेदन कर रहे हैं। वह अपना अनशन त्याग दें। राहुल गांधी और विपक्षी दलों के नेताओं ने भी मांगों को समर्थन देते हुए संसद में लड़ाई लड़ने की बात कही है। कांग्रेस पार्टी और उनके कार्यकर्ता पेपर लीक मामले में जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आंदोलन थमा नहीं है। राहुल गांधी स्वयं छात्रों के पास जाकर उनकी बातों को सुन रहे हैं। छात्रों के साथ कोटा और देहरादून में जो संवाद होगा, उसके आधार पर वह संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस सक्रिय रहेंगी। पत्रकारों, संपादकों और शिक्षाविदों के बीच वर्तमान आंदोलन पर एक राय जरूर बनती हुई दिख रही है। जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में अन्ना आंदोलन खड़ा किया गया था। अन्ना आंदोलन से मनमोहन सरकार विदा हो केन्द्र में मोदी और दिल्ली में केजरीवाल की सरकार बन गई थी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो वर्तमान मोदी सरकार के विरोध में खड़े हुए हैं। कॉकरोच पार्टी का यह आंदोलन, विपक्ष को समाप्त करने के लिए एक षड्यंत्र के तहत खड़ा किया जा रहा है? आंदोलन से जुड़े हुए जो लोग हैं, उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए विपक्षी दल इस मंच से दूरी बनाए हुए हैं। कहते हैं, दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। कुछ यही स्थिति इस आंदोलन की होती हुई दिख रही है। कॉकरोच जनता पार्टी और सोनम वांगचुक को जो लड़ाई सरकार के खिलाफ लड़नी थी, वह सरकार से ना लड़कर विपक्ष के साथ लड़ रहे हैं। जिसके कारण यह आंदोलन भटक गया है। जेन-जी के युवा इस आंदोलन की ओर आकर्षित नहीं हो पा रहे हैं। सोनम वांगचुक को आगे रखकर जेन-जी को भटकाने-अटकाने के लिए इस आंदोलन की जो पटकथा लिखी गई थी, वह अब सफल होती हुई नहीं दिख रही है।

मंदिरों में भ्रष्टाचारः वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है- वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में ह्यसमान मन्दिर दर्शन नीतिह्न लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। ह्यराष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोगह्न जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए। आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

कांगो के जंगल में मिली नई बंदर प्रजाति : 75 साल में अफ्रीका की पांचवीं खोज

लोमामी, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के लोमामी नेशनल पार्क में रहने वाले काले फर और गुलाबी-नारंगी होंठ वाले दुर्लभ बंदर को वैज्ञानिकों ने नई प्रजाति के रूप में मान्यता दी है। आनुवंशिक अध्ययन, ऑडियो रिकॉर्डिंग और फोटोग्राफी के आधार पर इसकी पुष्टि की गई। नई प्रजाति का वैज्ञानिक नाम कोलोबस कांगोएन्सिस रखा गया है। इस बंदर को पहली बार 2008 में संरक्षणकर्मियों ने देखा था, लेकिन उस समय केवल धुंधली तस्वीर ही मिल सकी। 2018 में दोबारा दिखने के बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, अमेरिका और जर्मनी के वैज्ञानिकों की टीम ने इसका विस्तृत अध्ययन शुरू किया। डीएनए विश्लेषण और अन्य वैज्ञानिक जांच में यह पहले से ज्ञात सभी प्रजातियों से अलग पाया गया। स्थानीय लोग इसे 'लिक्वेली' नाम से जानते हैं। 52 गांवों में किए गए सर्वे के दौरान केवल आठ गांवों के लोगों ने इसे देखने की पुष्टि की। वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले 75 वर्षों में अफ्रीका में खोजी गई यह पांचवीं नई बंदर प्रजाति है। यह कोलोबस समूह का सदस्य है, जिनमें अंगूठा नहीं होता और जो जंगलों में बीजों के प्रसार तथा वन पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला, दो पुलिसकर्मियों की मौत, 34 जख्मी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान का अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत एक बार फिर दहल उठा है। बुधवार को यहां दो अलग-अलग इलाकों में बड़े आतंकी हमले हुए। पहले हमले में आतंकियों ने बन्नू जिले के मिरियान पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया। वे बारूद से भरी गाड़ी लेकर थाने में घुसने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन सुरक्षा बलों ने मुस्तैदी दिखाई और गाड़ी को रास्ते में ही गोलियों से उड़ा दिया। इस मुठभेड़ में चार हमलावर मारे गए। हालांकि, इस भीषण धमाके और गोलीबारी में 15 पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से 10 की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। दूसरा हमला लोअर दीर जिले के लदाम टॉप इलाके में हुआ। यहां आतंकियों ने पहले से घात लगाकर पुलिस के एक काफिले पर धावा बोल दिया। आतंकियों ने पुलिस की गाड़ियों पर हैंड ग्रेनेड फेंके और फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस अचानक हुए हमले में 2 पुलिसकर्मी मौके पर ही बलिदान हो गए, जबकि 19 अन्य जवान घायल हुए हैं। उपद्रवियों ने पुलिस की दो गाड़ियों को आग के हवाले भी कर दिया। दोनों ही घटनाओं के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और हमलावरों की तलाश में बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

लीबिया तट के पास प्रवासियों से भरी नाव पलटी, 50 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका, 10 ने तैरकर बचाई जान

त्रिपोली, एजेंसी। उत्तर अफ्रीकी देश लीबिया के पूर्वी तट के पास एक बार फिर बड़ा समुद्री हादसा हुआ है। यूरोप जा रहे करीब 60 प्रवासियों से भरी एक नाव समुद्र में पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 50 प्रवासियों के मारे जाने या लापता होने की आशंका है। लापता लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। तटरक्षक बलों के मुताबिक, यह हादसा मंगलवार को टोब्रुक शहर के पास बारदा द्वीप के करीब हुआ। नाव डूबने के बाद 10 प्रवासी किसी तरह तैरकर द्वीप तक पहुंचे और अपनी जान बचाई। लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। अफ्रीका और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और गरीबी से तंग आकर लोग बेहतर जिंदगी की तलाश में यूरोप भाग रहे हैं। साल 2011 में मुअम्मर गद्दाफी के तख्तापलट के बाद से लीबिया में अराजकता का माहौल है। इसके बावजूद यह देश प्रवासियों के लिए यूरोप जाने का सबसे बड़ा ट्रांजिट पॉइंट बना हुआ है। मानव तस्कर अक्सर प्रवासियों को असुरक्षित और छोटी नावों में ठूंस-ठूंस कर भर देते हैं, जिससे ऐसे हादसे आम हो गए हैं। पिछले महीने भी लीबिया तट पर 51 लोग लापता हो गए थे। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 1 जनवरी से 16 मई के बीच ही इस समुद्री रास्ते पर 800 से ज्यादा प्रवासी अपनी जान गंवा चुके हैं या लापता हुए हैं।

अमेरिकी सेना ने ईरानी ठिकानों पर 90 मिनट तक जारी रखा हमला

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हमलों का दौर एक बार फिर से शुरू हो चुका है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार सुबह (भारतीय समयानुसार) कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान पर स्थानीय समयानुसार बुधवार को 90 मिनट तक ताबड़तोड़ हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हमले की जानकारी साझा करते हुए लिखा, 'दोपहर 3 बजे (स्थानीय समय) पर अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ हमलों की दूसरी लहर के लिए ऑपरेशन शुरू किया। हमले ईरानी सैन्य क्षमताओं को टारगेट कर रहे हैं जिनका इस्तेमाल होर्मुज स्ट्रेट से आसानी से गुजरने वाले जहाजों को धमकाने के लिए किया जाता है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को (स्थानीय समय) अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा था कि उसने सुबह 6 बजे ईस्टर्न टाइम पर ईरान के खिलाफ हमलों का दौर शुरू किया था।

अमेरिका ने ईरान पर 90 मिनट तक हमलों का राउंड जारी रखा। इस दौरान अमेरिकी सेना ने ग्रेटर टुंब आइलैंड में कोस्टल डिफेंस सिस्टम और क्रूज मिसाइल स्टोरेज और लॉन्च साइट्स पर सटीक हमले किए।

हालांकि, ईरान ने भी अमेरिकी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। ईरान खाड़ी देशों में अमेरिकी संपत्तियों और बेसों को निशाना बना रहा है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बुधवार को कहा कि उसने बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए, जिसमें उनके सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर, एयरक्राफ्ट शेल्टर, खास कमांड सेंटर और रणनीतिक ड्रोन पर हमला किया गया।

आईआरजीसी ने कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमले के जवाब में जॉर्डन के अल-अजराक में अमेरिकी सैन्य बेस को निशाना बनाया। ईरान की आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने बताया कि हमले में वे शेल्टर तबाह हो गए जिनमें यूएस एफ-15, एफ-16 और एफ-35 फाइटर जेट और बेस पर तैनात कई एमक्यू-9 रणनीतिक ड्रोन थे। आईआरजीसी ने दावा किया कि जॉर्डन में अमेरिकी बेस से ईरान के खिलाफ काफी हमले किए गए। हमलों के बाद ईरान ने जॉर्डन के लोगों से अपने देश में अमेरिकी फोर्स की मौजूदगी खत्म करने और अपने इलाके को इस्लामिक देशों और फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ हमलों के लिए लॉन्चपैड के तौर पर इस्तेमाल होने से रोकने की अपील की।

आईआरजीसी ने जॉर्डन के लोगों से अमेरिकी संस्थानों को तबाह करने और जॉर्डन से कब्जा करने वाली अमेरिकी सेना को निकालने के हर अवसर का फायदा उठाने की भी अपील की। वहीं, दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'ईरान ने एक अमेरिकी नागरिक को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है, जिसे दिसंबर 2024 में जो बाइडेन के कार्यकाल में गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। वह अब सुरक्षित रूप से ईरान से बाहर है और अच्छी हालत में है। संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के इस अच्छी मंशा से किए गए काम की सराहना करता है। आईआरजीसी ने कहा कि उसकी नौसेना ने बहरीन में अमेरिका के पांचवें फ्लीट की सुविधाओं पर हमला किया, जिसमें एनएसआई मैनेजमेंट सेंटर, मिलिट्री पार्ट्स और उपकरण रखने वाले बड़े वेयरहाउस, कमांड और कंट्रोल सेंटर और फ्यूल स्टोरेज सुविधाओं को टारगेट किया गया। आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, ये हमले अमेरिका के हिंद महासागर में अपनी नौसैनिक बलों को तैनात करने और होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण करने के बहाने समुद्री रास्तों को ब्लॉक करने के जवाब में किए गए। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में फिर से अपने नौसेना की नाकाबंदी शुरू कर दी। इसके बाद अमेरिकी नौसेना ने मंगलवार को ईरान के खिलाफ कई हमले किए। अमेरिकी सेना ने मंगलवार देर रात कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट और ईरानी तटीय इलाकों के पास मिसाइल और ड्रोन साइट्स, नौसेना की क्षमताओं और कोस्टल डिफेंस सिस्टम्स समेत दर्जनों मिलिट्री टारगेट्स पर सात घंटे तक हमला किया।

चीन के गुआंगशी में बाढ़ से 39 लोगों की मौत, नौ लापता

बीजिंग , एजेंसी। चीन के गुआंगशी में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से तबाही मची है। अब तक इस क्षेत्र में 39 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 9 अन्य लोग लापता हैं। चीनी अधिकारियों ने गुरुवार को बाढ़ के हालातों की जानकारी दी। अधिकारियों ने बाढ़ नियंत्रण और आपदा राहत पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मरने वालों में क्षेत्रीय राजधानी नाननिंग में एक बड़े डैम के टूटने से हुई मौतें भी शामिल हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, मंगलवार को चीन के जिलिन प्रांत में भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ को देखते हुए अधिकारियों ने आपातकालीन बाढ़ प्रतिक्रिया स्तर को लेवल-4 से बढ़ाकर लेवल-3 कर दिया।

टाइफून बावी के प्रभाव से जिलिन में लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते सोंगहुआ नदी के जिलिन खंड में इस साल की पहली बड़ी बाढ़ दर्ज की गई है। मेइहे नदी, जो हुइफा नदी की एक सहायक नदी है, में जल स्तर हाइड्रोलॉजिकल रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। अनुमान है कि पूरी हुइफा नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर चला जाएगा। साथ ही, नदियों में बाढ़, पहाड़ी क्षेत्रों में फ्लैश फ्लड, भूस्खलन जैसी भू-वैज्ञानिक आपदाओं, छोटे और मध्यम आकार के डैम में आपात स्थिति और शहरों में जलभराव का खतरा भी बना हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, बाढ़ नियंत्रण की स्थिति अभी भी गंभीर और जटिल बनी हुई है। इसी बीच, चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि शुक्रवार तक उत्तर-पश्चिम चीन के पूर्वी हिस्सों में हल्की से भारी बारिश का अनुमान है। साथ ही मध्य शानक्सी प्रांत और मध्य व दक्षिणी शानक्सी प्रांत के कुछ हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

इस दौरान येलो नदी और उसकी कई सहायक नदियों (वेईहे, फेनहे और चिनहे नदियां) में जलस्तर बढ़ने की संभावना है।

हांगकांग में 5 बुकसेलर्स गिरफ्तार: सरकार विरोधी 'देशद्रोही' किताबें बेचने का आरोप

हांगकांग , एजेंसी। हांगकांग में सरकार विरोधी 'देशद्रोही' सामग्री वाली किताबें बेचने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा पुलिस ने पांच बुकसेलर्स को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने दो बुकस्टोर्स पर छापेमारी कर बड़ी संख्या में किताबें जब्त की हैं। अधिकारियों का दावा है कि इन पुस्तकों में हांगकांग सरकार, न्यायपालिका और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ नफरत भड़काने वाली सामग्री थी। सरकार के मुताबिक, कस्टम विभाग ने विदेश से आई कथित देशद्रोही किताबों की एक खेप पकड़ी थी। इसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा पुलिस ने जांच शुरू की और दो बुकस्टोर्स में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 37 और 57 साल के दो पुरुष तथा 30 से 59 साल की तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि दुकानों में ऐसी किताबें प्रदर्शित और बेची जा रही थीं, जिनका उद्देश्य सरकार और सरकारी संस्थानों के खिलाफ लोगों को उकसाना था। तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में कथित देशद्रोही सामग्री वाली किताबें भी जब्त की गईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कार्रवाई 'हैव अ नाइस स्टे' और 'ग्रीनफील्ड बुकस्टोर' में हुई।

पीएम मेलोनी ने पाकिस्तानी मूल की लड़की की हत्या के मामले में कोर्ट के फैसले का किया स्वागत, बोलीं- 'महिलाओं की आजादी नकारना मंजूर नहीं'

रोम , एजेंसी। इटली में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है जो कथित सांस्कृतिक या धार्मिक वजहों के नाम पर एक महिला की आजादी, उनका सम्मान और उनके अस्तित्व को नकारने की मंशा रखते हैं। इसका ताजा उदाहरण पाकिस्तान मूल की 18 साल की समन अब्बास की हत्या के मामले में कोर्ट के फैसले के दौरान देखने को मिला। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी इस मामले में कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने पाकिस्तान मूल की समन अब्बास की उसके माता-पिता द्वारा की गई हत्या के मामले में कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मेलोनी ने लिखा, 'समन अब्बास की हत्या के आखिरी फैसले के साथ, एक दर्दनाक कानूनी कहानी खत्म हो गई है। इटली में पाकिस्तानी मूल की एक जवान लड़की समन को उसके माता-पिता और कुछ रिश्तेदारों ने मार डाला, क्योंकि उसने जबरदस्ती शादी का विरोध किया था और अपना भविष्य खुद चुनने के अपने अधिकार पर जोर दिया था।' उन्होंने लिखा कि कोई भी फैसला उसकी जिंदगी वापस नहीं ला सकता, लेकिन यह सही है कि इस जुर्म के लिए जिम्मेदार लोगों को दोषी ठहराया गया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने शख्त हिदायत देते हुए कहा, 'इटली में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है जो तथाकथित सांस्कृतिक या धार्मिक वजहों के नाम पर एक महिला की आजादी, इज्जत और जिंदगी को नकारने की हिम्मत करते हैं। ये ऐसे सिद्धांत हैं जिनसे कोई समझौता नहीं हो सकता और जिनसे हम कभी पीछे नहीं हटेंगे। मेरी संवेदनाएं समन के साथ हैं। भगवान उन्हें शांति दे। बता दें, समन अब्बास इटली में रहने वाली 18 साल की पाकिस्तानी मूल की लड़की थी।

समन के परिवार ने 2021 में उसकी ऑनर किलिंग (सम्मान के नाम पर हत्या) कर दी थी। मृतिका के परिवार ने पाकिस्तान में उसकी मर्जी के बिना शादी तय कर दी। समन को ये मंजूर नहीं था और वह लगातार इस शादी का विरोध करती रही। इस विरोध का अंजाम उसकी मौत थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समन के परिवार ने उसकी शादी पाकिस्तान में उसके चचेरे भाई के साथ तय की थी। इस दौरान समन नाबालिग थीं और उन्होंने शादी से इनकार करने के बाद इटली में सोशल सर्विस डिपार्टमेंट से मदद मांगी। नवंबर 2020 में उन्हें एक शेल्टर होम भेज दिया गया था। उन्होंने अपने माता-पिता के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन 11 अप्रैल 2021 को वह दोबारा अपने परिवार के पास लौट गईं। साइप्रस मेल की रिपोर्ट के अनुसार, समन अप्रैल 2021 से लापता थी। पुलिस ने घर के पास वाले सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, जिसमें पांच लोग घर से फावड़े, लोहे की रॉड और एक बाल्टी लेकर जाते हुए दिखाई दिए और करीब ढाई घंटे बाद वे वापस लौटे।

तड़पकर नहीं, गरिमा से विदा होंगे मरीज: फ्रांस में इच्छामृत्यु को हरी झंडी, नए कानून में क्या है खास?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में वर्षों से जारी लंबी नैतिक और कानूनी बहस के बाद आखिरकार इतिहास रच दिया गया है। फ्रांस की संसद के निचले सदन 'नेशनल असेंबली' ने इच्छामृत्यु (असिस्टेड डाइंग) से जुड़े एक ऐतिहासिक बिल को अंतिम मंजूरी दे दी है। इस कानून के तहत अब असाध्य बीमारियों से जूझ रहे वयस्क मरीजों को खुद अपनी मर्जी से मौत चुनने के लिए घातक दवाएं लेने की अनुमति होगी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर से तीन साल पहले घोषित किए गए इस कानून पर संसद में 241 के मुकाबले 291 वोटों से मुहर लगी।

क्या मरीजों को दर्द से मुक्ति दिलाएगा यह नया कानून : फ्रांस एक पारंपरिक रूप से कैथोलिक देश रहा है, जहां जीवन के अंतिम क्षणों और इच्छामृत्यु को लेकर लंबे समय से कानूनी, चिकित्सा, नैतिक और धार्मिक सवाल उठते रहे हैं। अब तक वहां डॉक्टरों को केवल मरणासन्न मरीजों को बेहोश रखने की अनुमति थी, लेकिन वे इच्छामृत्यु नहीं दे सकते थे। इस वजह से कई फ्रांसीसी नागरिक इच्छामृत्यु के लिए पड़ोसी देशों का रुख करते थे। इस नए कानून के तहत मरीजों को सख्त शर्तों के साथ चिकित्सीय रूप से सहायता प्राप्त आत्महत्या (मेडिकली असिस्टेड सुसाइड) की अनुमति होगी। इसके तहत मरीज डॉक्टर की ओर से दी गई घातव दवाई का खुद ही सेवन कर सकेंगे। फ्रांस के इस नए कानून की नौ सबसे बड़ी बातें इच्छामृत्यु के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। उसका फ्रांस का नागरिक या कानूनी निवासी होना अनिवार्य है। मरीज को ऐसी गंभीर और लाइलाज बीमारी होनी चाहिए जो जानलेवा हो और वह असहनीय दर्द से गुजर रहा हो। अल्जाइमर जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों से पीड़ित लोग इसके पात्र नहीं होंगे। आवेदन की शुरुआत मरीज को खुद करनी होगी। मेडिकल टीम 15 दिनों के भीतर इसकी समीक्षा करेगी और मरीज को सोचने के लिए कम से कम 2 दिन का समय दिया जाएगा। क्या सांविधानिक चुनौतियों को पार कर पाएगा यह कानून? इस कानून को लेकर फ्रांस में विरोध के स्वर भी तेज हैं। रुढ़िवादी बहुमत वाले ऊपरी सदन (सीनेट) ने इस बिल को खारिज कर दिया था, लेकिन फ्रांस की विधायी व्यवस्था के अनुसार निचले सदन का फैसला अंतिम माना जाता है। अब सीनेट के अध्यक्ष जेरार्ड लार्चर और प्रधानमंत्री सेबेस्तियन लेकोर्नू ने इस बिल को 'सांविधानिक परिषद' के पास भेजने की घोषणा की है। यह परिषद एक महीने के भीतर यह जांच करेगी कि कानून संविधान के अनुरूप है या नहीं। इसके बाद ही यह देश में प्रभावी रूप से लागू होगा। विरोधी संगठन 'अलायंस वीटा' का तर्क है कि मौत को समाधान के रूप में पेश करना मानवीय गरिमा के खिलाफ है और इससे बुजुर्गों व विकलांगों पर दबाव बढ़ेगा।

अमेरिका में भारतीय मूल के शख्स पर हमला

यूटा , एजेंसी। अमेरिका के वैली फेयर मॉल में दोपहर में हुए एक क्रूर हमले में भारतीय मूल के एक मुस्लिम कर्मचारी को चाकू के कई घावों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में जारी किए गए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, संदिग्ध ने पुलिस के सामने साफ रूप से कबूल किया है कि वह पीड़ित की हत्या उसके इस्लामी धर्म के कारण करने का प्रयास कर रहा था।

क्या है पूरा मामला : संदिग्ध की पहचान 48 वर्षीय पीटर माइकल लार्सन के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने सोमवार शाम को एक मॉल के स्टॉल पर पीड़ित सैयद सोहेल उद्दीन से संपर्क किया। हमला करने से पहले, लार्सन ने कर्मचारी से उसकी पहचान के बारे में पूछताछ की।

लड़ाई कैसे शुरू हुई : लूना नुनेज, जो बाद में अस्पताल में पीड़ित से मिलने गई थीं। उनके अनुसार, बातचीत तनावपूर्ण सवालों से शुरू हुई। लार्सन ने कर्मचारी से पूछा, 'वह कहां से है, उसका नाम क्या है और क्या वह मुसलमान है।' झगड़े के तुरंत बाद, लार्सन ने चाकू निकाला और उस व्यक्ति पर बार-बार वार करने लगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हिंसा तभी रुकी जब मॉल में मौजूद साहसी लोगों ने मौके पर पहुंचकर लार्सन को जमीन पर गिरा दिया और उसका हथियार छीन लिया।

पीड़ित के दोस्त ने क्या बताया : भारतीय मूल के उद्दीन इस समय जीवन-मरण के बीच जूझ रहे हैं। उद्दीन के बॉस और करीबी पारिवारिक मित्र अदनान मोहम्मद ने चोटों की भयावहता का बारे में बताया कि उद्दीन के पूरे शरीर पर घाव हैं। एक आपातकालीन टीम उनके दिल की स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रही है। अपने मित्र के बच जाने पर मोहम्मद ने कहा कि उद्दीन का जीवित रहना एक चमत्कार है।

लोगों को ऑनलाइन नफरत भरे संदेश मिल रहे हैं : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हमले के बाद मोहम्मद ने अपनी सुरक्षा की भावना पर पड़े गहरे भावनात्मक आघात को व्यक्त किया। खासकर हमले के बाद के हालात देखने और ऑनलाइन नफरत भरे संदेशों का सामना करने के बाद। मोहम्मद ने बताया, 'मैं एक पिता हूं, और मुझे अपने बच्चों के लिए यहां सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा है।

फिर शुरू हुआ ट्रेड वॉर?: यूएस ने ब्राजील पर लगाया 25% टैरिफ, लूला सरकार ने जताया विरोध, कहा- ये नियम का उल्लंघन

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूटीआर) ने ब्राजील से आयातित कुछ वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है। यह फैसला व्यापारिक प्रथाओं की एक साल लंबी जांच के बाद, 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत लिया गया है। राष्ट्रपति सिल्वा ने क्या कहा- राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के नेतृत्व वाली ब्राजील सरकार ने अमेरिका पर पलटवार करते हुए इस कदम को द्विपक्षीय संबंधों में एक दुखद मील का पत्थर और बहुपक्षीय व्यापार नियमों का उल्लंघन बताया।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर ने क्या कहा- अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने गुरुवार को कहा, 'व्यापक सार्वजनिक सुनवाई और टिप्पणियों के साथ-साथ ब्राजील के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। इसके बाद, आज अमेरिकी व्यापार विभाग 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत ब्राजील की कुछ वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाकर कार्रवाई कर रहा है।'

अमेरिका ने ब्राजील पर क्यों लगाया टैरिफ : यह कार्रवाई तब हुई है जब अमेरिका ने यह निष्कर्ष निकाला कि ब्राजील की कई व्यापार नीतियां अनुचित और भेदभावपूर्ण हैं, जो अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों की प्रतिस्पर्धी स्थिति को काफी हद तक बाधित करती हैं।

अमेरिकी व्यापार मंत्रालय की जांच मे क्या पाया गया है : अमेरिकी व्यापार मंत्रालय की जांच में यह पाया गया कि डिजिटल व्यापार और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सेवाओं, अनुचित, तरजीही टैरिफ, भ्रष्टाचार विरोधी हस्तक्षेप, बौद्धिक संपदा संरक्षण, इथेनॉल बाजार पहुंच और अवैध वनों की कटाई से संबंधित कुछ ब्राजील के उपाय तर्कहीन हैं। अमेरिकी किसानों, श्रमिकों, नवोन्मेषकों और निर्यातकों के वाणिज्य पर बोझ डालते हैं या उसे प्रतिबंधित करते हैं।

ब्राजील सरकार के साथ की बात : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूटीआर) के एक बयान के अनुसार, कार्यालय ने दो सार्वजनिक सुनवाई आयोजित कीं, 360 से अधिक सार्वजनिक टिप्पणियां प्राप्त कीं और अमेरिकी चिंताओं के समाधान की तलाश में ब्राजील सरकार के साथ गहन बातचीत की। ग्रीर ने कहा, 'अनुचित व्यापार प्रथाओं के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक हितों की रक्षा करना राष्ट्रपति ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीतियों का आधार है। चाहे वह राजनीतिक भाषण पर सेंसरशिप लगाने से इनकार करने पर अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों को दंडित करना हो, भ्रष्टाचार विरोधी प्रवर्तन मे ढिलाई बरतना हो, या ब्राजील के किसानों को अमेरिकी किसानों पर लाभ प्राप्त करने के लिए अवैध रूप से काटी गई भूमि का दोहन करने की अनुमति देना हो, ब्राजील की अनुचित व्यापार प्रथाओं ने अमेरिकी श्रमिकों और उत्पादकों को 21 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं वाले इस महत्वपूर्ण बाजार तक पहुँचने से रोक दिया है।

विदेश मंत्री रुबियो ने क्या कहा-अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि आज राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय को अधिकांश ब्राज़ीलियाई आयात पर 25% टैरिफ लगाने का निर्देश दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि ऐसा क्यों किया गया? राष्ट्रपति लूला और उनकी सरकार ने अमेरिका के साथ सद्भावना से बातचीत नहीं की है।' राष्ट्रपति कार्यालय के सामाजिक संचार सचिवालय द्वारा जारी एक कड़े बयान में, ब्राजील ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 को लागू करने के अमेरिकी व्यापार मंत्रालय के निर्णय को अस्वीकार कर दिया।

एक्सिस म्युचुअल फंड ने 'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया

भारत की अग्रणी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में से एक, एक्सिस म्युचुअल फंड ने अपना नया फंड-'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया। यह फंड ओपन-एंडेड रिटायरमेंट समाधान-आधारित स्कीम है, जिसकी लॉक-इन अवधि 5 वर्ष या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। इस नए फंड ऑफर (एनएफओ) को 29 नवंबर, 2019 से 13 दिसंबर, 2019 तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। रिटायरमेंट की प्लानिंग देश के कामकाजी आयुवर्ग वालों के लिए धीरे-धीरे एक प्रमुख समस्या बनती जा रही है, चूंकि उनके पास रिटायरमेंट के बाद लंबी जिंदगी जीने की चुनौती होती है। औपचारिक सामाजिक सुरक्षा और बदलती परंपरागत सहायक पारिवारिक संरचनाओं के मद्देनजर, यह चुनौती गंभीर बन जाती है। एक्सिस एएमसी द्वारा बाजार पर कराये गए एक अध्ययन के निष्कर्षों से इस स्थिति की पुष्टि हुई है। इस अध्ययन के दौरान विभिन्न पृष्ठभूमियों और अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों से संपर्क किया गया, जिनमें से सभी ने रिटायरमेंट को लेकर अपनी तैयारी से जुड़ी चिंताएं जाहिर की। लोग चाहते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वो आत्मनिर्भर बने रहें और साथ ही, वो नहीं चाहते कि रिटायरमेंट के चलते उनकी जीवनशैली में कोई बदलाव आए। इन चुनौतियों को लेकर बढ़ती जागरूकता के साथ, लोगों को उनकी सहायता हेतु सही वित्तीय समाधान की जरूरत अधिकाधिक महसूस हो रही है। एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को निवेशकों को उक्त सहायता हेतु विशिष्ट तरीके से डिजाइन किया गया है। इस फंड की कई विशेषताएं हैं, जैसे-लचीले जोखिम प्रोफाइल्स वाले अलग-अलग निवेश प्लान्स, विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में मजबूत फंड प्रबंधन क्षमताएं, कर पर छूट, रिटायरमेंट के बाद की आय के लिए फंड के उपयोग की छूट और साथ ही, निवेशकों के लिए जीवन सुरक्षा उपलब्ध है, ताकि उन्हें अनुशासित बने रहने हेतु प्रोत्साहित किया जा सके। एक्सिस रिटायरमेंट से विंग्सप्लान की लॉक-इन अवधि पांच साल या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। निवेशकों की विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स को ध्यान में रखते हुए, इस फंड में तीन निवेश विकल्प हैं- एग्रेसिव प्लान जिसमें 65-80 प्रतिशत निधि इक्विटी में निवेश की जाएगी, डाइनैमिक प्लान जिसमें 65-100 प्रतिशत निधि को परिवर्तनात्मक तरीके से इक्विटी में निवेश किया जाएगा और कंजर्वेटिव प्लान 40-80 प्रतिशत डेब्ट में निवेश किया जाएगा। रिटायरमेंट फंड जैसे दीर्घकालिक समाधान उपलब्ध कराते समय, विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स के लिए अलग विकल्प होना आवश्यक है। इसका कारण यह है कि जोखिम प्रोफाइल उनकी उम्र और परिस्थिति के आधार पर बदलती रहती है।

मुख्य बातें

- कामकाजी आयुवर्ग-जो रिटायरमेंट के बाद आत्मनिर्भर बने रहना चाहता है- के लिए रिटायरमेंट की प्लानिंग चुनौती बनती जा रही है।
- एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है, ताकि निवेशक दीर्घकालिक रिटायरमेंट प्लानिंग कर सकें।
- इस ओपन एंडेड फंड में निवेशकों की आयु व बदलती परिस्थितियों के आधार पर बदलती जोखिम प्रोफाइल्स के अनुरूप तीन अलग-अलग प्लांस हैं।
- आई-प्लससिप इंश्योरेंस दीर्घकालिकसिप निवेशकों की लंबितसिप प्रतिबद्धताओं के अनुरूप अनूठा नि:शुल्क जीवन सुरक्षा प्रदान करता है।
- एनएफओ की तिथि: 29 नवंबर से 13 दिसंबर, 2019 तक।

आई- प्लससिप इंश्योरेंस

इस फंड की अनूठी एवं नई विशेषता यह है कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निवेशक का दीर्घ कालिक योजनाबद्ध निवेश अज्ञात जोखिम के शिकार न हों। आई-प्लससिप इंश्योरेंस निवेशकों को नि:शुल्क जीवन सुरक्षा प्रदानकरता है, जोकि उनके दीर्घकालिकसिप की शेष वचनबद्धता के बराबर है। इसकी इस खूबी के चलते, निवेशकों के मन को सुकून मिलेगा, क्योंकि वो अपने परिवार एवं आश्रितों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक निवेश प्लान्स बनाते हैं। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा यह इंश्योरेंस प्रदान किया जाएगा।

35 के बाद मां बनने पर शिशु को हो सकता है इस बड़ी बीमारी का खतरा

ज्यादा उम्र की महिलाओं से जन्मे लड़कों में दिल संबंधी बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि उम्रदराज माताओं के गर्भनाल में होने वाले बदलाव के कारण उनसे जन्मे लड़कों के स्वास्थ्य को आगे चलकर नुकसान पहुंच सकता है।

बेटा होगा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

35 के बाद मां बनने से मुश्किल: यह शोध चूहों पर किया गया और पाया गया कि 35 की उम्र के ऊपर मां बनने वाली महिलाओं के बेटों के साथ ऐसी समस्या हो सकती है। हालांकि, शोध में पाया गया कि देर से मां बनने वाली महिलाओं के बेटों को तो इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पें लेकिन बेटियों में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला, बल्कि उनमें कुछ फायदा ही देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि माताओं की उम्र ज्यादा होने से गर्भनाल द्वारा बच्चे तक पोषण और ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता कम हो जाती है। पहली गर्भावस्था की उम्र बती जा रही है- शोधकर्ता डॉक्टर अमांडा पेरी ने कहा, महिलाओं में पहली गर्भावस्था की औसत आयु दिनों-दिन बती जा रही है, इसलिए यह समझना जरूरी है कि ज्यादा उम्र में मां बनने वाली महिलाओं के बच्चों में वयस्क होने पर किस तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि मां को गर्भ में पल रहे बच्चे से जोने वाली गर्भनाल बेहद गतिशील होती है। महिलाओं की उम्र बने से होने वाले जेनेटिक बदलावों के कारण गर्भनाल के कार्य करने की क्षमता भी प्रभावित होती है। बढ़ती उम्र में पोषण का बंटवारा करना मुश्किल होता है।

शोधकर्ता डॉक्टर टीना नापसो ने कहा कि, ज्यादा उम्र में गर्भधारण करना मां के लिए काफी महंगा साबित होता है क्योंकि उसके शरीर के लिए बच्चों के साथ पोषण का बंटवारा करना थोा मुश्किल हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि शोध के दौरान देखा गया कि उम्रदराज मां और मादा भ्रूण के मामले में गर्भनाल फायदे देता हुए पाया गया। इस दौरान गर्भनाल में सकारात्मक बदलाव देखे गए जो भ्रूण के विकास को ज्यादा फायदा पहुंचाते हैं।

वहीं शोध में पता चला कि नर भ्रूण के मामले में उम्रदराज माताओं का गर्भनाल कमजोर हो जाता है और ठीक से अपना काम नहीं कर पाता।

मसाला दलिया

सामग्री

- 1 कप भुना हुआ दलिया
- 1 हरी मिर्च
- 1 प्याज
- 1 कप लौकी
- 1 चम्मच सरसों के बीज
- हल्दी पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1 कप कटी हुई गाजर
- 1/2 कप शिमला मिर्च
- 1 छोटा चम्मच हल्दी
- 1/2 कप कटे हुए टमाटर
- ½ कप हरी मटर
- ½ कप स्वीट कॉर्न
- ½ टीस्पून काली मिर्च पाउडर
- 1 नींबू का रस
- नमक स्वाद अनुसार
- अनार के बीज और धनिया पत्ती गार्निशिंग के लिए

विधि

सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करें। अब इसमें राई और प्याज डाल दें। प्याज को गोल्डन ब्राउन होने के बाद भूने। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, लौकी, कॉर्न्स, गाजर, शिमला मिर्च और मटर डालकर भूनें। अब पैन में टमाटर डालें। इसके बाद पैन में नमक, काली मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर पैन को 3-4 मिनट के लिए ढक दें। थोड़ी देर बाद सब्जियों को अच्छी तरह से मिला लें। अब पैन में डालिया और पानी डालकर पैन को दोबारा ढक दें। दलिया को समय-समय पर चेक करते रहे। एक बार दलिया पकने के बाद गैस को बंद करके दलिया में नींबू का रस मिलाकर उसे गर्मा-गर्म प्लेट में अनार के दानों और धनिया पत्ती से गार्निश करके सर्व करें।

मसाला बनाना करी

सामग्री

- 2 कच्चे केले
- नमक
- 1/4 टीस्पून हल्दी
- 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
- 1 टेबलस्पून अदरक का पेस्ट, तेल
- बारीक कटा प्याज और टमाटर
- चुटकी भर मेथी दाना और सौंफ
- करी पत्ते
- 2 टेबलस्पून लहसून का पेस्ट
- 2 टेबलस्पून धनिया व जीरा पाउडर
- 2 टेबलस्पून इमली का पल्प

विधि

छिले हुए केलों को मोटे और गोल टुकड़ों में काट लें। उन पर नमक, हल्दी पाउडर, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर और आधा अदरक का पेस्ट अच्छी तरह मिला लें। एख नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म कर केले के स्लाइसेज भूनें। एक कड़ाही में मेथी दाना, सौंफ, करी पत्ते और प्याज भूनें। बचा हुआ अदरक का पेस्ट, लहुसन का पेस्ट और टमाटर उसमें मिला लें। केलों पर थोड़ा पानी छिड़कें और ढककर पकने दें। अब हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। उसमें आधा कप पानी और नमक मिलाने के बाद केले के टुकड़े और इमली का पल्प मिलाएं। आंच धीमी कर थोड़ा और पानी डालकर कड़ाही ढक दें। 1-2 मिनट तक पकाने के बाद गरमागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली 5014

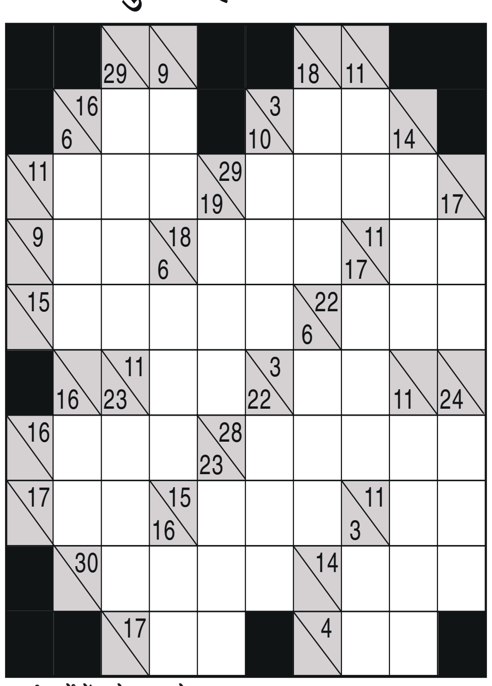

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 5013 का हल

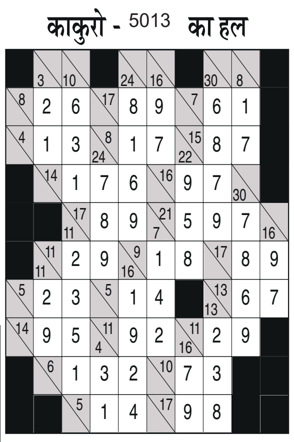

लॉफिंग ज़ोन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डालिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

फिल्म वर्ग पहेली- 5014

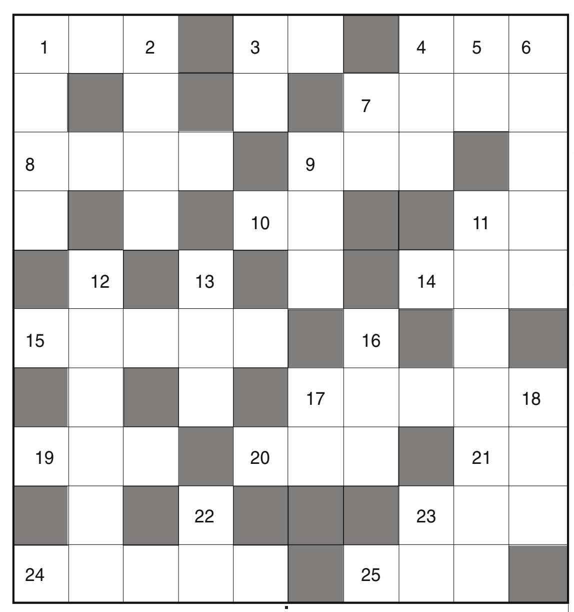

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5013

सूडोकु -5014

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5013 हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली -5014

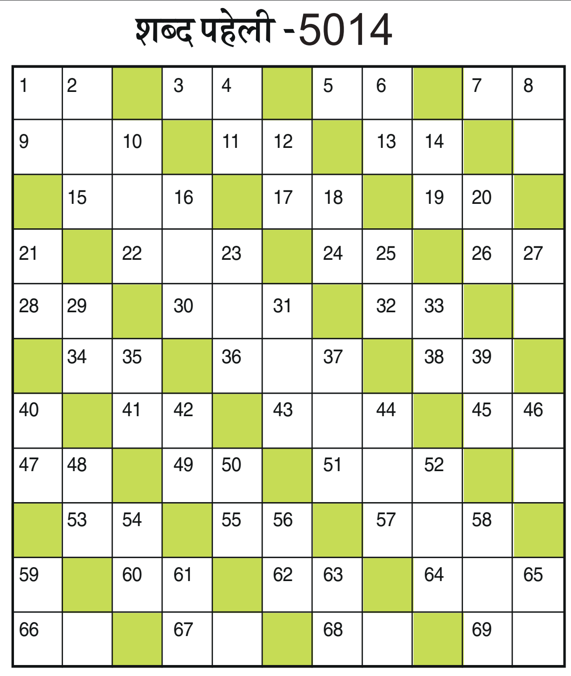

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली - 5013 हल

	ल	ज्ज	त	दा	र		क	र	त	ब
म	त		क		ज	टि	ल		वा	र
न		क	रा	मा	त		म	य		ग
भा	गी	दा	र		प	ल		म	द	द
व		चा		अ	ट	ल			रा	
न	ज	र	बं	द		का	न	भ	र	ना
	मी			र	न	र		ड़		म
अ	न	ल		क	र		अ	क	ब	र
म		ता	क		क	त	र	ना		ख
रु	ह		ह	ल	वा		दा		आ	ना
द	म	दा	र		स	न	स	ना	ना	

उप मुख्यमंत्री ने किया पोस्टर का विमोचन

एजेंसी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने राहवीर सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ज्ञानदेव विश्वकर्मा, आधार फाउंडेशन के नारायण चौधरी, प्रीति पामेचा व अनिल सहदेव उपस्थित रहे। नारायण चौधरी ने बताया कि परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, आधार फाउंडेशन ट्रस्ट, उदयपुर एवं गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में 23 जुलाई को तीसरे राहवीर सम्मान समारोह एवं हेलमेट डे 2026 का आयोजन गीतांजलि मेडिकल कॉलेज के नर्मदा ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं में मानवता की मिसाल बनने वाले उन गुमनाम नायकों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होने विभिन्न दुर्घटनाओं में घायल लोगों को अस्पताल पहुचा कर उनकी जान बचाने में सहयोग किया।

वित्तीय समावेशन से आर्थिक मजबूती का मार्ग होगा प्रशस्त -सहकारिता मंत्री

जयपुर। प्रदेश के सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने गुरूवार को जयपुर के वैशाली नगर में जना स्मॉल फाइनेंस बैंक की शाखा का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति के लिए मजबूत और समावेशी बैंकिंग व्यवस्था बेहद आवश्यक है, समावेशन से ही आर्थिक मजबूती का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवाओं के विस्तार से व्यक्ति, परिवार, एंटरप्रेन्योर और छोटे कारोबारियों की औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी और वे अपनी दैनिक एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार ऋण सुविधायें प्राप्त कर सकेगें। दक ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं के विस्तार से बचत की संस्कृति विकसित होती है और इससे व्यक्ति अपनी भविष्य के लिये बेहतर आर्थिक परिवेश का निर्माण कर सकता है। इस अवसर पर जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के हेड-ब्रांच बैंकिग एवं चीफ मार्केटिंग ऑफिसर श्रीनिवास मूर्ति ने कहा कि इस नई शाखा के माध्यम से हम स्थानीय समुदाय को सुविधाजनक, भरोसेमंद बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। इस अवसर पर जयपुर सीसीबी के महाप्रबंधक ओमप्रकाश जैन, अतिरिक्त रजिस्ट्रार जयपुर मदन लाल गुर्जर, जोनल हेड-लाइबिलिटीज नीरज कुमार तथा बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बेंगलुरु में लॉ स्टूडेंट की चाकू मारकर हत्या, पूर्व प्रेमी भाई के साथ गिरफ्तार

बेंगलुरु । बेंगलुरु के कोडिहल्ली इलाके में अपने पूर्व प्रेमी के भाई ने चाकू मारकर लॉ छात्रा की हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में हत्या का मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। छात्रा की पहचान अमृता (22) के तौर पर हुई है, जो लॉ की पढ़ाई कर रही थी और एक डायग्नोस्टिक सेंटर में काम करती थी। पुलिस के मुताबिक, उसने एक पिज्जा आउटलेट में भी काम किया था। यह वारदात 13 जुलाई को शाम 4 बजे से 4:30 बजे के बीच जीवन बीमा नगर पुलिस स्टेशन के इलाके में उसके घर के पास हुई। पुलिस के अनुसार, अमृता और धनुष एक ही इलाके में रहते थे और लगभग चार साल से रिलेशनशिप में थे। दोनों परिवारों की जान-पहचान 'ओम शक्ति' धार्मिक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि अमृता ने धनुष से रिश्ता तब खत्म कर दिया, जब उसे पता चला कि धनुष ने यह बात छिपाई थी कि वह पहले से शादीशुदा था, उसका तलाक हो चुका था और उसका एक बच्चा भी था। हालांकि पुलिस धनुष की वैवाहिक स्थिति के बारे में मिली जानकारी की पुष्टि कर रही है। आरोप है कि ब्रेकअप के बाद भी धनुष अमृता का पीछा करता रहा और उसके प्रपोजल को ठुकराने पर उसे धमकी दी। 13 जुलाई को धनुष और उसका छोटा भाई सूर्या अमृता के घर गए। बहस के दौरान सूर्या ने अमृता पर चाकू से हमला किया, जिसमें उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं। अमृता खून से लथपथ सड़क पर गिर पड़ी और उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो दिन तक उसका इलाज किया। 15 जुलाई की शाम को उसकी मौत हो गई।

विशाखापट्टनम फिशिंग हार्बर के पास नाव हादसा, दो मछुआरे घायल; पांच की बची जान

विशाखापट्टनम । आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम फिशिंग हार्बर के पास समुद्र में मछली पकड़ने निकली एक नाव हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में दो मछुआरे घायल हो गए, जबकि पांच अन्य की जान बाल-बाल बच गई। पुलिस के अनुसार, खराब समुद्री परिस्थितियों के कारण नाव पलट गई थी। हादसे के समय नाव में सवार सभी सात मछुआरे पलटी हुई नाव के नीचे फंस गए। काफी मशक्कत के बाद उन्होंने नाव को एक ओर धकेला और पास की चट्टानों तक पहुंचने में सफल रहे। इसके बाद मरीन पुलिस ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना में घायल हुए मछुआरों थाथा राव और आकाश को इलाज के लिए किंग जॉर्ज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मछुआरों ने बताया कि हादसे में उनकी करीब 2.5 लाख रुपये की नाव और लगभग 2 लाख रुपये के मछली पकड़ने के उपकरण पूरी तरह नष्ट हो गए। उन्होंने सरकार से आर्थिक सहायता देने की मांग की है ताकि वे दोबारा अपना रोजगार शुरू कर सकें।

यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब कुछ दिन पहले ही विशाखापट्टनम तट के पास एक अन्य नाव दुर्घटना में छह मछुआरों की मौत हो गई थी। दरअसल, 4 जुलाई को गंगावरम तट से करीब 10 समुद्री मील दूर सात मछुआरों को लेकर जा रही एक यांत्रिक नाव पलट गई थी। ये मछुआरे 1 जुलाई को समुद्र में मछली पकड़ने निकले थे और लौटते समय उनकी नाव हादसे का शिकार हो गई। एक मछुआरे को एक व्यापारी जहाज के चालक दल ने बचाकर 6 जुलाई को तट पर पहुंचाया था, जबकि बाकी छह मछुआरों का कोई पता नहीं चल सका।

भारतीय निर्वाचन प्रणाली की विश्वसनीयता विश्व भर में : ज्ञानेश कुमार

एजेंसी

मुरादाबाद। भारतीय निर्वाचन प्रणाली की विश्वभर में विश्वसनीयता है और अनेक देशों के प्रतिनिधिमंडल इसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन करने भारत आते हैं। भारतीय निर्वाचन प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता उसकी पारदर्शिता और बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था है। यह बातें भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद स्थित तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय में चुनाव में लगे बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), सुपरवाइजरों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा भी उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्य

निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारत की विशिष्ट निर्वाचन प्रणाली की विशेषताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रश्नोत्तरी सत्र में उन्होंने बीएलओ, सुपरवाइजरों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से संवाद करते हुए हाल में हुए चुनावों में बढ़ी मतदाता भागीदारी, निष्पक्ष मतदान, पारदर्शी मतगणना तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में उनके योगदान की सराहना की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि देश के लगभग 95 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष लगभग 35 करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि विश्व के 35 सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के निर्वाचन प्रबंधन संस्थानों के समूह इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (इंटरनेशनल आईडीईए) की अध्यक्षता वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से लेकर मतदान एवं मतगणना तक प्रत्येक चरण में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनी रहती है। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि देश में एक मतदान केन्द्र पर औसतन 873 मतदाता हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करते हैं तथा अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट आदि मतदाताओं से संबंधित प्रविष्टियों का परीक्षण करते हैं।

महादेव बेटिंग ऐप मामले में ईडी ने टीवी होस्ट शेफाली बग्गा से की पूछताछ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप से जुड़े धनशोधन मामले में टीवी होस्ट शेफाली बग्गा से पूछताछ कर रहा है। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय में उनसे मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। शेफाली बग्गा को खंजन जगदीश कुमार ठक्कर का करीबी सहयोगी माना जाता है, जिस पर भारत में बेटिंग ऐप के संचालन और प्रचार-प्रसार में शामिल होने का आरोप है। जांच एजेंसी को मिले साक्ष्यों से संकेत मिलता है कि शेफाली बग्गा विदेशों, विशेषकर दुबई और लंदन से संचालित बेटिंग प्लेटफॉर्मों के प्रचार में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं। ईडी की जांच में कथित रूप से ऐसे डिजिटल साक्ष्य और प्रचार सामग्री सामने आई है, जिनमें शेफाली बग्गा बेटिंग ऐप का प्रचार करती दिखाई देती हैं। आरोप है कि वह केवल प्रचार तक सीमित नहीं थीं, बल्कि खिलाड़ियों को बेटिंग से जुड़े सुझाव और टिप्स भी देती थीं। जांच एजेंसी के मुताबिक, खंजन जगदीश कुमार ठक्कर महादेव ऑनलाइन बुक से जुड़े लेनदेन का प्रमुख हवाला ऑपरेटर है और कथित रूप से पूरे नेटवर्क के वित्तीय संचालन का प्रबंधन करता था। ईडी यह भी जांच कर रही है कि बेटिंग नेटवर्क के प्रचार और अवैध धन के प्रवाह में किन-किन लोगों की भूमिका रही है। सूत्रों का दावा है कि शेफाली बग्गा एक टेलीग्राम चैनल भी संचालित करती हैं, जहां कथित रूप से अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े प्रचार और टिप्स साझा किए जाते थे। ईडी अब इस चैनल और उससे जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वाले मुंह छिपाकर घूम रहे : ओपी राजभर

एजेंसी

बलिया । उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भरोसा जताया कि 'एक देश, एक चुनाव', महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास हो जाएंगे। साथ ही, उन्होंने जौहर यूनिवर्सिटी, कांवड़ यात्रा की तैयारियों पर भी टिप्पणी की। मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, 'मानसून सत्र के दौरान 'एक देश, एक चुनाव' बिल, महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल पास हो जाएंगे। जिन सांसदों ने महिला आरक्षण बिल का विरोध किया था, वे अपने चुनाव क्षेत्रों में खुलकर घूम नहीं पा रहे हैं। महिलाएं सांसदों से सवाल कर रही हैं, इसलिए धीरे-धीरे ही सही तैयारी हो गई है।' उन्होंने जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) ने आजम खान को फंसाकर जेल तो भेजवा ही दिया है। सपा ने ऐसा काम किया है कि आजम खान उसी में उलझे रहेंगे। सरकारी जमीन पर बनी बिल्डिंग निश्चित तौर पर गिरेगी। कांवड़ यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार की पूरी तैयारी है। सरकार कहीं

किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए कटिबद्ध है। प्रदेश सरकार के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव के विदेश दौरों का मकसद फंड जुटाना और कालेधन को सफेद करना है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी दोबारा सत्ता में नहीं आएगी। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मेरी सपा प्रमुख को सलाह है कि वह अपने बचे पैसों को सुरक्षित रख लें क्योंकि उत्तर प्रदेश में उनकी सरकार नहीं बनेंगी। अखिलेश यादव जातियों में लड़ाई कराने का काम करते हैं। आजमगढ़ में वे बहुत हंगामा कर रहे थे। एक शादी के जुलूस के दौरान एक राजभर व्यक्ति की हत्या कर दी गई, यह सोचकर कि कोई आवाज नहीं उठाएगा। पुलिस ने कार्रवाई की, आरोपियों को पकड़ा और एनकाउंटर में गोली मार दी गई।

असम में पर्यटन को नई उड़ान, हिमंता सरकार लाएगी पांच साल का टूरिज्म मास्टर प्लान

एजेंसी

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि पिछले दशक में लगभग छह करोड़ पर्यटकों के आने के बाद राज्य एक व्यापक पांचवर्षीय पर्यटन मास्टर प्लान के जरिए अपने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्षों में राज्य में पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि विकास के अगले चरण में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि शानदार असम का दायरा और बढ़ रहा है। पिछले दशक में छह करोड़ पर्यटकों का आना तो बस शुरुआत है। हमारा पांच साल का टूरिज्म मास्टर प्लान ग्रामीण पर्यटन को तेज करेगा, स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा करेगा और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देगा। अभी तो सबसे अच्छी चीजें आनी बाकी हैं।

प्रस्तावित मास्टर प्लान से असम के पर्यटन इकोसिस्टम को मजबूत करने की उम्मीद है। इसके तहत कम मशहूर जगहों को बढ़ावा दिया जाएगा, पर्यटन से जुड़ी

सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों में समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। सरकार देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए असम की प्राकृतिक सुंदरता, वन्यजीवों, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक स्थलों को दिखाने पर ज्यादा जोर दे रही है। अधिकारियों का मानना है कि ग्रामीण पर्यटन में ज्यादा निवेश से राज्य के पर्यटन विकल्पों में विविधता आएगी। साथ ही गांवों में रोजगार पैदा होंगे और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। हाल के वर्षों में असम ने पूर्वोत्तर में राज्य को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के तौर पर स्थापित करने की अपनी रणनीति के तहत कनेक्टिविटी बेहतर करने, पर्यटकों की सुविधाओं को अपग्रेड करने और त्योहारों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब राज्य सरकार बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक कल्याण में संतुलन बनाकर टिकाऊ विकास पर ध्यान दे रही है। सरकार का लक्ष्य नए पांच साल के रोडमैप के जरिए पिछले दशक में बनी रफ्तार को आगे बढ़ाना और असम की एक उभरते हुए पर्यटन केंद्र के तौर पर छवि को और मजबूत करना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि इस क्षेत्र से होने वाले आर्थिक फायदे राज्य भर के ग्रामीण समुदायों तक पहुंचें।

सीएम भजनलाल शर्मा के प्रयास धरातल पर हो रहे साकार -प्रदेशभर में कुल 18 हजार 953 सेवा शिविर हुए आयोजित

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर सुशासन, समाधान और संवेदनशीलता आधारित कार्य संस्कृति की पहचान बनकर उभरे हैं। प्रदेशभर में 12 जून से 15 जुलाई तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित कुल 18 हजार 953 शिविरों ने सरकार के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के संकल्प को साकार किया है। मुख्यमंत्री के प्रयासों एवं प्रभावी मॉनिटरिंग से इन शिविरों का शहरों से लेकर गांवों में व्यापक असर दिखाई दिया तथा लाखों लोगों को राहत मिली है। 1.90 लाख से अधिक नामांतरण, 17 हजार से अधिक रास्ते खुले– ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित 10 हजार 564 सेवा शिविरों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के साथ-साथ वर्षों से लंबित प्रकरणों का भी मौके पर निस्तारण किया गया। इन शिविरों में 1 लाख 90 हजार 962 नामांतरण, 46 हजार 885 पत्थरगढ़ी/सीमाज्ञान, 26 हजार 711 आपसी सहमति से विभाजन तथा 17 हजार 696 रास्तों के प्रकरणों का

निस्तारण किया गया। इसी तरह 2.19 लाख राजस्व अभिलेखों का शुद्धिकरण, 3.37 लाख से अधिक जाति, मूल निवास एवं हैसियत प्रमाण-पत्र जारी किए गए। इन शिविरों में 2.12 लाख से अधिक किसानों का फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण तथा 1.02 लाख से अधिक पट्टों का वितरण किया गया। इन ग्रामीण सेवा शिविरों में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज हुई है। इनके अंतर्गत 24.84 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार, 11.08 लाख नागरिकों की टीबी स्क्रीनिंग तथा 4.65 लाख महिलाओं की ओरल, ब्रेस्ट एवं सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग की गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना अंतर्गत 3.11 लाख से अधिक एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 47 हजार से अधिक पॉलिसी वितरण किया गया। इस दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जनधन योजना एवं जनआधार से जुड़े हजारों मामलों का भी निस्तारण किया गया। इसी तरह राज्यभर के शहरी क्षेत्रों में 8 हजार 389 सेवा शिविर लगाए गए, जिसके माध्यम से विभिन्न सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया। इन शिविरों में 42 हजार 252 पट्टे जारी, 13 हजार 242 नाम हस्तांतरण तथा 7 हजार 186 भवन मानचित्र प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं, 1 लाख 897 जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण, 18 हजार 590 पीएम स्वनिधि ऋण आवेदन तथा 41 हजार 442 विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा शहरों को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने की दिशा में इन शिविरों में 67 हजार 646 स्ट्रीट लाइटों का सुधार, 22 हजार 104 नई स्ट्रीट लाइट, 27 हजार 509 कचरा संभावित केंद्रों का उन्मूलन किया गया। शिविरों में पालनहार योजना में 12 हजार 540 सत्यापन किए गए हैं। राज्य सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हो तथा कोई भी पात्र इससे वंचित नहीं रहे। इसी सोच के अनुरूप सेवा शिविरों की पहल अंत्योदय के संकल्प को साकार करने की दिशा में सार्थक साबित हो रही है।

महबूबा मुफ्ती ने 'जेकेसीए' में राजनीति, भ्रष्टाचार और क्षेत्रीय भेदभाव का लगाया आरोप

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने जम्मू और कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) में राजनीति, भ्रष्टाचार, और क्षेत्रीय भेदभाव का आरोप लगाया है और इसे रोकने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। महबूबा मुफ्ती ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'जेकेसीए में बहुत परेशान करने वाली घटनाएं हो रही हैं। जेकेसीए को राजनीति, भ्रष्टाचार और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर रहना चाहिए। हमारे अपने बीसीसीआई अध्यक्ष से बेहतर की उम्मीद थी, लेकिन यह देखना परेशान करने वाला है कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई जेकेसीए को बिना सही प्रक्रिया के कमजोर किया जा रहा है। इसके अध्यक्ष जावेद खिताबी और स्थानीय क्लबों को कथित तौर पर उनकी कश्मीरी पहचान के कारण निशाना बनाया गया और हटाया गया।' उन्होंने आगे लिखा, 'बीसीसीआई को इस दखलंदाजी को रोकने के लिए दखल देना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्रिकेट को जम्मू बनाम कश्मीर का मुद्दा न बनाया जाए। क्रिकेट को तय करने दें कि भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा, पहचान को नहीं। बीसीसीआई और जय शाह से दखल देने का अनुरोध है।'

पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में देश के गृह मंत्री अमित शाह को भी टैग किया है।

महबूबा मुफ्ती द्वारा जम्मू और कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन में लगाए गए राजनीति, भ्रष्टाचार और क्षेत्रीय भेदभाव के आरोप चिंताजनक हैं और वहां के स्थानीय क्रिकेटरों के लिए निराशाजनक भी। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने हाल ही में सेमीफाइनल में बंगाल और फाइनल में कर्नाटक जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीता था।

कर्नाटक डिप्टी सीएम ने सूखे के बिगड़ते हालात पर पीएम मोदी को लिखा पत्र, मांगी तत्काल मदद

एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक में कमजोर मानसून के कारण सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के नियमों में राहत देने और राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में परमेश्वर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान कर्नाटक में लगातार सामान्य से कम बारिश हुई है। इसका सीधा असर खेती, पेयजल व्यवस्था, भूजल स्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। जून महीने में कर्नाटक में 42 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई, जबकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 36 प्रतिशत वर्षा की कमी रही। जुलाई में भी स्थिति नहीं सुधरी और राज्य में अब तक 34 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेंगलुरु में भी सामान्य से करीब 34 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार, कम बारिश और अधिक तापमान के कारण प्रभावित इलाकों में करीब 80 प्रतिशत बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से एल नीनो के प्रभाव को जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि

कई जिलों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट और गहरा गया है।

पत्र में बताया गया है कि विजयनगर (61 प्रतिशत), मैसूर (55 प्रतिशत), मडिकेरी (51 प्रतिशत), चिक्कमगलुरु (48 प्रतिशत), दावणगेरे (47 प्रतिशत), हावेरी (46 प्रतिशत, शिवमोग्गा (44 प्रतिशत), कलबुर्गी (43 प्रतिशत), मंगलुरु (43 प्रतिशत) और बीदर (40 प्रतिशत) जैसे जिलों में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। परमेश्वर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि कर्नाटक द्वारा सूखे का आधिकारिक ज्ञापन भेजने से पहले मौजूदा सूखा आकलन के नियमों की समीक्षा की जाए। उन्होंने मांग की कि एफआरयूआईटीएस (किसान पंजीकरण और एकीकृत लाभार्थी सूचना प्रणाली) डेटाबेस को छोटे और सीमांत किसानों की पहचान के लिए स्वीकार किया जाए। वर्तमान में 2015-16 की कृषि जनगणना के आधार पर सहायता तय की जाती है, जो अब राज्य की वास्तविक कृषि स्थिति को नहीं दर्शाती।

उन्होंने सूखा मैनुअल-2020 के प्रावधानों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (स्ष्ठ्रक्रस्न) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (ह्रष्ठ्रक्रस्न) के मानकों के अनुरूप बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत दिशानिर्देशों के तहत 33 प्रतिशत से अधिक फसल नुकसान होने पर सहायता दी जाती है, जबकि सूखा मैनुअल में 50 प्रतिशत फसल नुकसान होने पर ही गंभीर सूखे की श्रेणी में माना जाता है।

इसके अलावा उन्होंने केंद्र से सूखे का आकलन करने में अधिक लचीलापन अपनाने, वैज्ञानिक आधार पर कम अवधि के सूखे को भी मान्यता देने और सूखे की जल्द घोषणा से जुड़े नियमों में बदलाव करने की मांग की, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके।

भरत भूषण तिवारी मुठभेड़ मामले में चार पुलिस अधिकारियों ने न्यायिक जांच आयोग के समक्ष दर्ज कराया बयान

एजेंसी

पटना। बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में 17 जून को हुए भरत भूषण तिवारी मुठभेड़ प्रकरण की न्यायिक जांच आगे बढ़ी। जगदीशपुर के तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राजेश कुमार शर्मा, शाहपुर थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के दारोगा विकास कुमार तथा इंस्पेक्टर सह अनुसंधान पदाधिकारी (आईओ) संजीव कुमार न्यायिक जांच आयोग के समक्ष उपस्थित हुए और अपने-अपने बयान दर्ज कराए। चारों अधिकारियों ने आयोग के समक्ष घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपना पक्ष रखा तथा आयोग की ओर से पूछे गए सवालों के जवाब दिए। न्यायिक जांच आयोग मामले की परिस्थितियों, घटनाक्रम और उपलब्ध साक्ष्यों की विस्तार से पड़ताल कर रहा है। हालांकि शाहपुर थाना के दारोगा हरिचन्द्र कुमार किसी कारणवश आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हो सके। आयोग के सचिव सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने बताया

कि गवाही की प्रक्रिया भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को लगभग दस गवाहों के बयान दर्ज किए जाने की संभावना है। आयोग ने इस प्रकरण में एसडीओ, डीएसपी समेत कुल 15 पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों तथा पुलिसकर्मियों को समन जारी किया है। आयोग क्रमवार सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों से पूछताछ कर रहा है ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जा सके। जांच के दौरान जुटाए जा रहे दस्तावेज, साक्ष्य और गवाहों के बयान आयोग की अंतिम रिपोर्ट तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे पहले 15 जुलाई तक पीड़ित पक्ष की ओर से भरत भूषण तिवारी की मां आशा देवी, पिता काशी नाथ तिवारी, भाई चंदन तिवारी तथा भाभी सुमन देवी सहित कुल नौ लोगों के बयान आयोग के समक्ष दर्ज किए जा चुके हैं। इन सभी गवाहों ने घटना से संबंधित अपने-अपने पक्ष और अनुभव आयोग के सामने रखे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि शेष गवाहों के बयान दूसरे चरण में दर्ज किए जाएंगे। सभी पक्षों की गवाही और उपलब्ध साक्ष्यों के अध्ययन के बाद आयोग अपनी रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को सौंपेगा। इधर, भोजपुर पुलिस ने भरत तिवारी मुठभेड़ मामले से जुड़े फेसबुक अकाउंट के महत्वपूर्ण वीडियो हटाए जाने संबंधी वायरल खबरों का खंडन किया है। पुलिस अधीक्षक भोजपुर (आरा) कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि विभिन्न मीडिया माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह दावा किया जा रहा है कि मामले से जुड़े फेसबुक अकाउंट से अहम वीडियो डिलीट कर दिए गए हैं और इसमें पुलिस की भूमिका है, जबकि यह दावा पूरी तरह भ्रामक और निराधार है।

मप्र के धार जिले के पीएम मित्र पार्क में 90 प्रतिशत भूखंड आवंटित : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में गारमेंट सेक्टर में धार जिले का पीएम मित्रा पार्क देश का सबसे बड़ा मित्र पार्क है। इसमें 90 प्रतिशत भूखंड आवंटित हो चुके हैं, यह एक उपलब्धि है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2026 में सहभागिता करने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक वस्त्र निर्माण और कपास उद्योग कई दशकों से भारत की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार ने भारत टेक्स 2026 में टेक्सटाइल, गारमेंट और फुटवियर इंडस्ट्री में आगे बढ़ने की संभावनाओं और क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 17 सितंबर 2025 को मध्य प्रदेश के धार को देश के पहले पीएम मित्र पार्क की सौगात दी। गारमेंट सेक्टर के इस पार्क के भूमि-पूजन के साथ ही यहां 90 प्रतिशत भू-खंडों का आवंटन भी पूरा कर लिया गया। यह एक रिकॉर्ड है और काम के प्रति राज्य सरकार की दक्षता प्रकट करती है।

उन्होंने कहा कि धार जिले में पीएम मित्र पार्क के आसपास भी निवेशक अब उद्योग स्थापित करने के लिए जमीन की मांग कर रहे हैं। प्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूलता, कच्चे धागे के लिए माल की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर मध्य प्रदेश निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। प्रदेश की बढ़ती निर्यात क्षमता और रोजगार सृजन की शक्ति से दुनिया परिचित हो रही है। गारमेंट सेक्टर में निवेशकों की पहल और उद्यमियों का हौसला सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टेक्सटाइल क्षेत्र में आए निवेश प्रस्तावों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत टेक्स 2026 में विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से 1592 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, इन प्रस्तावों के क्रियान्वयन से 15 हजार 700 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह के साथ देश के उद्योगपतियों और वैश्विक ब्रांड्स के प्रतिनिधियों के साथ सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश उन चुनिंदा राज्यों में शामिल है, जहां टेक्ससाइल एंड अपेरल सेक्टर की वैल्यू चेन उपलब्ध है। कपास से धागा तैयार करने, गारमेंट निर्माण और मशीनरी की उपलब्धता मध्य प्रदेश को अग्रणी बनाती है। जैविक कपास के उत्पादन में भी मध्य प्रदेश नंबर वन है। राज्य में केवल कपास का उत्पादन ही नहीं, बल्कि फॉर्म टू फैशन तक इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है।

मौजूदा चैंपियन यू मुंबा की लगातार दूसरी जीत, पुणे जगुआर्स को हराया

पणजी। मौजूदा चैंपियन यू मुंबा टीटी ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन 7 में अपनी शानदार वापसी जारी रखी। मुंबा ने गुरुवार को पणजी के पास तलेइगाओ में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में महाराष्ट्र की प्रतिद्वंद्वी टीम पीबीजी पुणे जगुआर्स को 9-6 से मात देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और स्टैंडिंग में शीर्ष पर पहुंच गए।

शुरुआत में कड़े मुकाबले के बाद, यू मुंबा ने कप्तान मानुष शाह और अन्ना हर्सी के शानदार मिक्स्ड डबल्स प्रदर्शन के दम पर बढ़त बनाई। इसके बाद फ्रांस के लिलियन बार्डेट ने रोमांचक 'गोल्डन प्वाइंट' फिनिश में उमर असर के खिलाफ संयम बनाए रखा और मुकाबले को पुणे की पहुंच से दूर कर दिया।

महाराष्ट्र डर्बी की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक हुई, जिसमें पुणे ने बढ़त बनाई। स्नेहित सुरावज्जुला ने इस सीजन में अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए पहले पुरुष सिंगल्स मैच में मानुष को हराया, जबकि वे एक गेम से पीछे चल रहे थे। यू मुंबा ने हर्सी के जरिए तुरंत जवाब दिया; उन्होंने शांतचित्त प्रदर्शन करते हुए तीन गेम में दिया चितले को हराया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

मिक्स्ड डबल्स में बाजी पूरी तरह पलट गई, जहां मानुष और हर्सी ने शानदार तालमेल दिखाते हुए स्नेहित और पृथिका पावडे को सीधे गेम में हरा दिया, जिससे मौजूदा चैंपियन को अहम बढ़त मिल गई। इसके बाद पुणे की उम्मीदें उमर असर पर टिकी थीं, जिन्होंने लिलियन बार्डेट के खिलाफ पहला गेम जीता, लेकिन फ्रांसीसी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया।निर्णायक मुकाबले में मैच के सबसे यादगार पल देखने को मिले। असर ने 'अराउंड-द-नेट' विनर (जिसे बाद में 'शॉट ऑफ द टाई' कहा गया) से दर्शकों को हैरान कर दिया, लेकिन बार्डेट ने 'गोल्डन प्वाइंट' पर संयम बनाए रखते हुए वापसी पूरी की और यू मुंबा की लगातार दूसरी जीत पक्की की।मुकाबले का नतीजा तय हो जाने के बाद, पावडे ने अनुषा कुटुंबले पर 2-1 से जीत के साथ पुणे के लिए सकारात्मक अंत सुनिश्चित किया। इस जोड़ी ने दूसरे गेम में सीज़न की सबसे लंबी रैली खेली—31-शॉट का आदान-प्रदान—जिसमें पावडे ने टेबल से काफी पीछे से लगातार हमलों का सामना किया और आखिरकार अनुषा ने गलती कर दी। अनुषा ने शानदार बैकहैंड विनर के साथ 'गोल्डन प्वाइंट' पर तीसरा गेम जीतकर वापसी की।

लॉर्ड्स वनडे के बाद खत्म हो जाएगा रोहित का करियर!

वनडे विश्व कप में चयन को लेकर मिले बड़े संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का अंतरराष्ट्रीय करियर अब अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं दिख रही है।

चयनकर्ताओं की नजर भविष्य पर

पीटीआई के अनुसार, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर इस समय इंग्लैंड दौरे पर टीम के साथ मौजूद हैं। सूत्रों का कहना है कि चयनकर्ता अब 2027 वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं। इसी वजह से 39 वर्षीय रोहित शर्मा को आगे की योजनाओं में शामिल किए जाने की संभावना कम है। एक वरिष्ठ बीसीसीआई सूत्र ने कहा, 'चयनकर्ता यशस्वी जायसवाल को लगातार मौके देना चाहते हैं। उन्होंने तीन पारियों में दो शतक लगाए हैं और टीम प्रबंधन चाहता है कि आगामी लगभग 20 वनडे मैचों में उन्हें पर्याप्त अवसर मिलें।'

सूत्र ने यह भी कहा, 'कोई भी रोहित शर्मा से संन्यास लेने के लिए नहीं कह सकता, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ सितंबर में होने वाली घरेलू वनडे सीरीज से चयनकर्ता भविष्य की टीम तैयार करना चाहते हैं। रोहित के भविष्य पर फैसला उन्हें खुद लेना होगा।'

रोहित के हालिया प्रदर्शन पर सवाल

रोहित शर्मा का हालिया वनडे प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। पिछले आठ वनडे मैचों में उन्होंने 241 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 30.1 और स्ट्राइक रेट 88.6 रहा है, जबकि उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है।

विराट कोहली पर भरोसा कायम

पीटीआई के अनुसार, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर विराट कोहली को लेकर एकमत हैं। उनकी मौजूदा फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए कोहली वनडे टीम में स्वतः चयन के दावेदार बने हुए हैं।

टेस्ट संन्यास को लेकर भी मतभेद

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के समय भी चयन समिति और उनके बीच पूरी तरह सहमति नहीं थी। चयनकर्ताओं का मानना था कि रोहित इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के केवल शुरुआती दो मैच खेलने के बाद फैसला लेना चाहते थे, जबकि रोहित के करीबी सूत्रों का दावा है कि उन्होंने पूरी पांच मैचों की सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया था।

अर्जेंटीना का विश्वकप फाइनल तक का सफर पिछले 4 मैचों में आखिरी मिनटों में पलटी बाजी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना ने सिर्फ मैच नहीं जीते, बल्कि कई ऐसे मुकाबले अपने नाम किए जिनमें हार लगभग तय नजर आ रही थी। लियोनल स्कालोनी की टीम ने ग्रुप चरण में तो दबदबे के साथ प्रदर्शन किया, लेकिन असली परीक्षा नॉकआउट में हुई। वहां अर्जेंटीना ने बार-बार साबित किया कि यह टीम आखिरी मिनट तक हार नहीं मानती।

अब मौजूदा विश्व चैंपियन लगातार दूसरे खिताब की तलाश में फाइनल में पहुंच चुका है, जहां उसका मुकाबला यूरोपीय चैंपियन स्पेन से होगा। दिलचस्प बात यह है कि अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम बनकर फाइनल में पहुंची है, जबकि स्पेन ने अब तक सबसे मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया है। अर्जेंटीना अगर विश्वकप जीतती है तो 64 साल में लगातार दो विश्वकप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ऐसा 1934 और 1938 में इटली ने और 1958 और 1962 में ब्राजील ने किया था।

अर्जेंटीना ने अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया पर 3-0 की जीत से की। यह मुकाबला लियोनल मेसी का 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उन्होंने हैट्रिक लगाकर विश्वकप में मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने शुरुआती पेनल्टी गंवाई, लेकिन उसके बाद दो शानदार गोल कर टीम को 2-0 से जीत दिलाई। इसी मुकाबले में वह विश्व कप फाइनल्स के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी बन गए।

जॉर्डन के खिलाफ तीसरे मुकाबले में स्कालोनी ने मेसी को बेंच पर रखा। जियोवानी लो सेल्सो और लॉटारो मार्टिनेज ने बढ़त दिलाई, जबकि मेसी ने मैदान पर उतरने के बाद शानदार फ्री-किक गोल कर 3-1 की जीत सुनिश्चित की। अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे में तीनों मैच जीतकर नॉकआउट में प्रवेश किया।

नॉकआउट में शुरू हुई असली परीक्षा

राउंड ऑफ–32 में विश्व कप की पहली बार खेल रही केप वर्डे ने अर्जेंटीना को कड़ी चुनौती दी। मेसी और लिसांद्रो मार्टिनेज के गोल के बावजूद केप वर्डे ने दो बार बराबरी की। जहां 111वें मिनट में मेसी के कॉर्नर पर डिने बोर्गेस के आत्मघाती गोल ने अर्जेंटीना को 3–2 से जीत दिलाई। राउंड ऑफ– 16 में मिस्र के खिलाफ मुकाबला और भी नाटकीय रहा। 67वें मिनट तक अर्जेंटीना 0–2 से पीछे था। इसके बाद क्रिस्टियनो रोमेरो ने पहला गोल किया और मेसी ने बराबरी दिला दी। अतिरिक्त समय में एंजो फर्नांडीज के हेडर ने 3–2 की अविश्वसनीय जीत दिलाकर टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

स्विट्ज़रलैंड - इंग्लैंड के खिलाफ दिखाई मानसिक मजबूती

क्वार्टर फाइनल में स्विट्ज़रलैंड ने अर्जेंटीना को कड़ी टक्कर दी। एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने बढ़त दिलाई, लेकिन डैन एनडोए ने बराबरी कर दी। इसके बाद स्विट्ज़रलैंड के ब्रेल एम्बोलो को रेड कार्ड मिला और अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज के गोल से अर्जेंटीना ने 3–1 से जीत दर्ज कर ली। सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने एंथनी गॉर्डन के गोल से बढ़त बनाई और लंबे समय तक उसे बनाए रखा। लेकिन 85वें मिनट में एंजो फर्नांडीज ने बराबरी कर दी। अर्जेंटीना ने दबाव बनाए रखा और 90+2वें मिनट में लौटारो मार्टिनेज ने विजयी हेडर लगाकर टीम को लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल में पहुंचा दिया।

आंकड़े बताते हैं कि अर्जेंटीना क्यों सबसे खतरनाक टीम है

अगर अर्जेंटीना के पूरे अभियान का विश्लेषण करें तो उसकी सबसे बड़ी ताकत सिर्फ मेसी नहीं, बल्कि आखिरी मिनट तक लड़ने का जज्बा रहा है। सात में से चार मुकाबलों में टीम ने 70वें मिनट के बाद या अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल किए। नॉकआउट चरण के चारों मैचों में अर्जेंटीना को संघर्ष करना पड़ा। इनमें से तीन मुकाबलों (केप वर्डे, मिस्र और इंग्लैंड) में टीम या तो बराबरी की स्थिति में नहीं थी या हार के बेहद करीब पहुंच चुकी थी, लेकिन फिर भी जीत दर्ज की। दो मुकाबले (केप वर्डे और स्विट्जरलैंड) अतिरिक्त समय तक गए और दोनों में अर्जेंटीना विजेता बनी। मिस्र और इंग्लैंड के खिलाफ जीत पूरी तरह आखिरी 20 मिनट और इंजरी टाइम में तय हुई। यानी अर्जेंटीना की सबसे बड़ी पहचान अब सिर्फ आक्रामक फुटबॉल नहीं, बल्कि दबाव में धैर्य बनाए रखना और आखिरी सीटी तक मुकाबला जीवित रखना बन चुकी है।

अब सबसे बड़ी चुनौती स्पेन

फाइनल में अर्जेंटीना के सामने स्पेन की मजबूत दीवार होगी। जहां अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम रही है, वहीं स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया है। एक ओर मेसी, लौटारो मार्टिनेज, जूलियन अल्वारेज और एंजो फर्नांडीज जैसे मैच विनर हैं, तो दूसरी तरफ स्पेन का अनुशासित डिफेंस और पजेशन आधारित खेल। अगर अर्जेंटीना को लगातार दूसरा विश्व कप जीतना है तो उसे एक बार फिर वही करना होगा, जो उसने पूरे टूर्नामेंट में किया है। दबाव झेलना, सही समय का इंतजार करना और आखिरी मिनटों में मैच अपने पक्ष में मोड़ देना, ये अर्जेंटीना के मजबूत पक्ष रहे हैं। यही वजह है कि स्पेन के सामने सिर्फ मेसी ही नहीं, बल्कि एक ऐसी टीम होगी जिसने पूरे विश्व कप में साबित किया है कि उसके लिए मुकाबला अंतिम सीटी बजने तक खत्म नहीं होता।

फाइनल मुकाबले के लिए मुख्य रेफरी का ऐलान, स्लोवेनिया के अधिकारी को मिली जिम्मेदारी

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा ने विश्व कप 2026 के फाइनल मैच के लिए रेफरी के नाम की घोषणा कर दी है। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में स्लोवेनिया के अनुभवी अधिकारी स्लावको विंसिक मुख्य रेफरी की भूमिका निभाएंगे। फीफा के रेफरी प्रमुख पियरलुइगी कोलिना ने इस नियुक्ति पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि विश्व कप फाइनल जैसे बड़े मुकाबले के लिए अनुभवी और योग्य रेफरी का होना बेहद जरूरी है। विंसिक को इस महत्वपूर्ण मैच की जिम्मेदारी मिलना उनके शानदार करियर को दिखाता है।

फीफा के अनुसार, फाइनल में स्लावको विंसिक की सहायता के लिए टोमाज क्लैंचनिक असिस्टेंट रेफरी-1 और एंड्राज कोवाचिक असिस्टेंट रेफरी-2 की भूमिका निभाएंगे। वहीं, अधम मखादमेह चौथे अधिकारी और मोहम्मद अल्कालाफ रिजर्व असिस्टेंट रेफरी होंगे। 46 साल के स्लावको विंसिक का यह पहला बड़ा विश्व कप फाइनल होगा। उन्होंने 2022 में कतर विश्व कप से अपने विश्व कप करियर की शुरुआत की थी, जहां उन्होंने दो मैचों में रेफरी की जिम्मेदारी संभाली थी। फीफा विश्व कप 2026 में भी वह अब तक तीन मैचों में रेफरी रह चुके हैं। फाइनल उनके विश्व कप करियर का छठा मुकाबला होगा।

विंसिक के करियर में कई बड़े मुकाबले शामिल हैं। इनमें यूईएफए 2024 चैंपियंस लीग फाइनल भी शामिल है, जिसमें रियल मैड्रिड और बोरूसिया डॉर्टमुंड आमने-सामने थे। इसके अलावा उन्होंने यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप, विश्व कप क्वालिफायर, यूरोपा लीग, नेशंस लीग और क्लब वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भी रेफरी की भूमिका निभाई है।यह मुकाबला न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां 80 हजार से ज्यादा दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। लियोनल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार फाइनल का टिकट हासिल किया है। वहीं, स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। स्पेन ने साल 2010 में विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया था। ऐसे में टीम की निगाहें दूसरे खिताब पर होंगी।

डोपिंग में फंसे पाकिस्तान स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने डोपिंग नियमों के

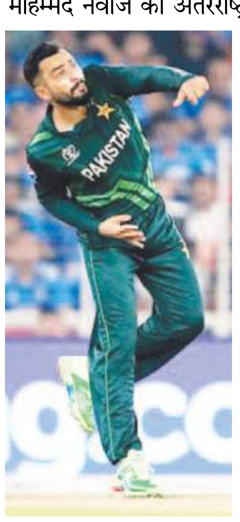

उल्लंघन का दोषी पाया है। आईसीसी ने शुक्रवार को उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित करने का फैसला सुनाया। हालांकि, यदि नवाज आईसीसी द्वारा निर्धारित नशा मुक्ति कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तो उनकी सजा घटकर एक महीने रह जाएगी। 32 वर्षीय नवाज का डोप टेस्ट सात फरवरी को टी20 विश्व कप में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच खेले गए मैच के बाद लिया गया था। उस समय टूर्नामेंट की सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे थे, लेकिन आईसीसी की व्यवस्था के तहत पाकिस्तान अपने मुकाबले श्रीलंका में खेल रहा था। डोप टेस्ट में उनके शरीर में कार्बॉक्सी-टीएचसी पाया गया। यह कैनाबिस (गांजा) के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक निष्क्रिय मेटाबोलाइट है। इसका उपयोग खेल प्रदर्शन बढ़ाने के लिए नहीं माना जाता।

सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधू, क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं ले सकीं ओकुहारा

टोक्यो, एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शुक्रवार को जापान ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला नोजोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन वह चोट के कारण मैच में हिस्सा नहीं ले सकीं। यह इस सीजन में सिंधू का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वह मलयेशिया सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलिया सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं।

सीजन का पहला खिताब जीतने पर नजरें

इसके साथ ही, 2023 डेनमार्क ओपन के बाद यह उनका पहला सुपर 750 सेमीफाइनल है। 31 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू की निगाहें इस सीजन का पहला खिताब जीतने पर होंगी। सेमीफाइनल मुकाबले में उनका सामना टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की विश्व की नंबर 4 चीनी खिलाड़ी चेन युफेई से होगा। सिंधू और चेन युफेई के बीच अब तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। हालांकि, हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में सिंधू उनसे 6-8 से पीछे हैं।

युफेई के खिलाफ अच्छा नहीं है सिंधू का रिकॉर्ड

सिंधू को युफेई के खिलाफ पिछले पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सेमीफाइनल में जीत न केवल सिंधू के हारने के इस सिलसिले को खत्म करेगी, बल्कि लगभग तीन साल में उनके पहले सुपर 750 फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी साफ होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में अब भारत की एकमात्र दावेदार हैं। सिंधू ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान युए को सिर्फ 35 मिनट में हराया था। उन्होंने हान को सीधे गेम में 21-16, 21-14 से मात देते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था। इस साल 28 वर्षीय चेन युफेई ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीता, जबकि थाईलैंड और मलयेशिया में हुए सुपर 500 टूर्नामेंट में फाइनल में भी जगह बनाई थी। इसके अलावा, युफेई ने सिंगापुर और भारत में खेले गए सुपर 750 टूर्नामेंट में भी सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। वह मलयेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड जैसे प्रतिष्ठित सुपर 1000 टूर्नामेंट में भी अंतिम चार में पहुंची थीं।

‘श्री श्री’ के जरिए बड़े परदे पर नजर आएंगे पूजा हेगड़े और दुलकर सलमान

दुलकर सलमान ने अपनी 41वीं फिल्म का टाइटल अनाउंस कर दिया है। अब तक ‘DQ41’ के नाम से पहचानी जा रही इस फिल्म का नाम ‘श्री श्री’ रखा गया है। दुलकर ने सोशल मीडिया पर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इसकी अनाउंसमेंट की। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में दुलकर और पूजा हेगड़े खूबसूरत प्राकृतिक वादियों के बीच नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर ‘लव विल स्पार्क अगेन’ टैगलाइन भी लिखी गई है, जो फिल्म की रोमांटिक थीम की झलक देती है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए दुलकर और पूजा पहली बार बड़े परदे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग काफी समय पहले शुरू हो चुकी थी, लेकिन अब जाकर मेकर्स ने इसका नाम सामने रखा है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग की कुछ झलकियां साझा की थीं।

धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका में

फिल्म का लेखन और निर्देशन रवि नेलाकुडिटी ने किया है। वहीं इसका निर्माण सुधाकर चेरुकुरी ने एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले किया है। इसमें धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं और म्यूजिक जी.वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म को मल्टी लैंग्वेज पैन इंडिया फिल्म के रूप में 2026 में रिलीज किया जाएगा।

फिल्म निर्माण में उतरेंगी सना सईद, शेयर किया ‘प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट’ का पहला ड्राफ्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री सना सईद ने बतौर फिल्म निर्माता अपनी पहली फीचर फिल्म ‘प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट’ का पहला ड्राफ्ट पूरा होने पर जश्न मनाया। उनको ड्राफ्ट (कहानी या स्क्रिप्ट का प्रारंभिक मसौदा) मिल गया है। सना सईद ‘बियॉन्ड मैजिक स्टूडियोज’ के तहत एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। अभिनेत्री इस फिल्म में एक्टिंग भी करेंगी। सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर करते हुए सना ने कहा कि हाथ में स्क्रिप्ट पकड़ने से उन्हें फिल्म बनाने का अपना सपना आखिरकार ‘बहुत असली’ लगा। ‘कुछ कुछ होता है’ की एक्ट्रेस ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा, ‘मेरे हाथ में एक फीचर फिल्म के ‘प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट’ का पहला ड्राफ्ट है, जिसे हम मेरी प्रोडक्शन कंपनी, बियॉन्ड मैजिक स्टूडियो के तहत बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म बनाने की दिशा में मेरा पहला कदम है और यह बस शुरुआत है।’ उन्होंने कहा, ‘फिल्म बनाना बहुत मेहनत का काम है और इसमें बहुत कुछ शामिल है जिसे मैं अभी सीख और समझ रही हूं लेकिन हाथ में यह पहला ड्राफ्ट होना बहुत एक्साइटिंग है। मुझे एक्टिंग पसंद है, लेकिन मुझे फिल्म बनाना भी हमेशा से पसंद रहा है। मैं हमेशा से इसका अंदर से हिस्सा बनना चाहती थी। और इसे हाथ में पकड़ना बहुत असली लगता है। यह बहुत असली लगता है।’ सना ने कैप्शन में लिखा, ‘जिस चीज पर मैं कुछ समय से चुपचाप काम कर रही थी, वह आज सच हो गई। मुझे एक फीचर फिल्म के लिए अपने ‘प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट’ का पहला ड्राफ्ट मिला। एक स्क्रिप्ट। एक असली स्क्रिप्ट। एक ऐसी फिल्म के लिए जिसमें मैं एक्टिंग करूंगी, जिसे हम सब मिलकर शुरू से बना रहे हैं। जिस चीज का मैंने सपना देखा था, उसे हाथ में पकड़ने पर कैसा महसूस होता है, इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। इसलिए मैंने बस अपने फोन पर बात की।

सना सईद अभी लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में रहती हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत मशहूर फिल्म ‘कुछ कुछ होता है’ में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी और बाद में ‘स्टूडेंट ऑफ द ईयर’ में नजर आईं। इतने साल में, उन्होंने ‘झलक दिखला जा 6,’ ‘नच बलिए 7,’ और ‘फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 7’ जैसे पॉपुलर रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया है।

थोड़ा सब्र रखें, हैरान कर देगी ‘टॉक्सिक’

यश स्टारर फिल्म ‘टॉक्सिक’ का टीजर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हो रही है। टीजर में दिखाए गए इंटीमेट सीन्स को लेकर कई यूजर्स ने फिल्म की आलोचना की और इसे जरूरत से ज्यादा बोल्ड बताया। कुछ लोगों ने सेंसर बोर्ड को लेकर भी अटकलें लगाईं कि फिल्म के कई सीन काटे जा सकते हैं। इन प्रतिक्रियाओं के बीच फिल्म से जुड़ी एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दर्शकों ने अभी फिल्म देखी ही नहीं है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। हुमा कहती हैं... ‘टॉक्सिक में जितनी भी लीड एक्ट्रेसेस हैं, सभी ने शानदार काम किया है। गीतू मोहनदास एक बेहतरीन फिल्ममेकर हैं। उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके काम को पहचान मिली है। जब उन्होंने मुझे यह फिल्म ऑफर की, तो मैं इस बात को लेकर उत्साहित थी कि एक महिला निर्देशक इतनी बड़े स्तर की फिल्म कैसे पेश करेंगी। इतनी बड़ी स्टार कास्ट किसी मजबूत कहानी के बिना एक साथ नहीं आती। दर्शकों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए क्योंकि पूरी फिल्म देखने के बाद ही सही तस्वीर सामने आएगी। यह सभी को शॉक्ड कर देगी। यह फिल्म 26 अगस्त को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी।

कृति सेनन ने बताया क्यों करवाए एग्स फ्रीज

कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था।

कृति सेनन कहती हैं, ‘मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे ‘मिमी’ फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।’ फिल्म ‘मिमि’ साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बयोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है।

रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं एक्ट्रेस

कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

कृति सेनन करियर फ्रंट पर क्या रही हैं

कृति सेनन की कुछ दिनों पहले ही फिल्म ‘कॉकटेल 2’ रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कृति आने वाली फिल्म ‘डॉन 3’ में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

लोग सिर्फ इंडस्ट्री का ग्लैमर देखते हैं

करीब दो दशक से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं अनिता हसनंदानी ने छोटे पर्दे के कई दौर देखे हैं। सास-बहू सीरियल से लेकर ओटीटी तक का बदलाव देखा। बदलती हुई इंडस्ट्री के साथ उन्होंने खुद को भी बदला है। इन दिनों वह टीवी सीरियल ‘तुम से तुम तक’ में राजनंदिनी का किरदार निभा रही हैं। बातचीत में अनिता ने अपने करियर, टीवी इंडस्ट्री और अपनी बदली हुई सोच पर खुलकर बात की है।

रिश्तों में बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं

सीरियल ‘तुम से तुम’ में अनिता का किरदार राजनंदिनी अपने मन की बात को खुलकर कहता है। क्या असल जिंदगी में अनीता हसनंदानी भी ऐसी हैं। इस पर वह कहती हैं, ‘मैं अपने बारे में ऐसा तो नहीं कहूंगी। मुझे लगता है कि जिंदगी में कोई भी पूरी तरह सॉर्टेड नहीं होता है। हां, मैं अपनी फीलिंग्स को लेकर हमेशा ईमानदार रही हूं। रिश्तों में मुझे बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं। मुझे रिश्तों में साफगोई पसंद है। शायद यही वजह है कि मैं राजनंदिनी से भी तुरंत जुड़ गई। उसके अंदर एक गरिमा है, एक सादगी है।’ वह आगे कहती हैं, ‘मुझे इस सीरियल में रिश्तों की कई परतें दिखी हैं। कोई भी किरदार परफेक्ट नहीं है और यही बात इसे अलग बनाती है।’

अच्छी कहानियां और काम याद रहता है

सास-बहू से लेकर सुपरनैचुरल और ओटीटी तक, अनिता ने टीवी का हर दौर देखा है। लेकिन किसी ट्रेंड की आलोचना करने के बजाय वह खुद में आए बदलाव की बात करती हैं। अनीता कहती हैं, ‘अगर एक चीज वापस नहीं आनी चाहिए, तो वो है खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालना। पहले मैं छोटी-छोटी बातों पर बहुत परेशान हो जाती थी। अब समझ आया है कि प्रोसेस पर भरोसा रखना चाहिए। आखिर में ट्रेंड नहीं अच्छी कहानियां और अच्छा काम ही याद रहता है।’ टीवी इंडस्ट्री को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी क्या है? इस सवाल पर अनिता जवाब देती हैं, ‘लोगों को लगता है कि रोज टीवी पर दिखते हैं, तो शायद यह आसान काम होगा। लेकिन इसके पीछे कितनी मेहनत होती है, इसका अंदाजा बहुत कम लोगों को है। लंबे वक्त तक शूटिंग, कम समय में तैयारी और लगातार इमोशनल सीन करना आसान नहीं होता है। लोग ग्लैमर देखते हैं लेकिन उसके पीछे का अनुशासन और मेहनत नहीं।’

आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं संचिता बसु

मां के सूट पहनकर 90 के दशक के गानों पर विडियो बनाने वाली भागलपुर (बिहार) की एक लड़की को शायद तब अंदाजा नहीं रहा होगा कि एक दिन लोग उसे उसके असली नाम से ’याद उसके किरदार ‘सान्विका’ के नाम से पहचानेंगे। सोशल मीडिया से अभिनय तक का सफर तय करने वाली संचिता बसु आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं। हाल ही में ‘दुकरा के मेरा प्यार’ सीजन-2 के लिए संचिता ने हमसे अपने संघर्ष, वायरल होने और अपने किरदार से मिले आत्मविश्वास पर खुलकर बात की।

यह बात बिल्कुल सच है कि मैं अपनी मां के कपड़े पहनकर रील्स बनाती थी। मां ही मेरे विडियोज शूट किया करती थीं। ट्रडिशनल ड्रेस में लोग मेरे विडियोज पसंद करते थे। धीरे-धीरे मैं उसी में ढल गई। मेरी मम्मी सलमान खान की तगड़ी फैन हैं। वह नैशनल एथिलीट रही हैं। उन्होंने अपने कोच के कहने पर सलमान सर की फिल्म साजन और हम आपके हैं कौन थिएटर में देखने के लिए 500 मीटर की दौड़ जाती थीं। मैं नौवीं क्लास में थी, स्कूल से आने से पहले तक मां मेरे लिए 90 ’ह्य के गाने सिलेक्ट करके रखती थीं। फिर मैं मां के सूट पहनकर फटाफट 10-12 विडियोज शूट करती थी। मेरी खिड़की से हवा आती थी, बाल उड़ रहे होते थे और मैं विडियोज बनाती थी। यह हमारा रूटीन था। स्कूल में चाहे कितना भी बोरिंग दिन रहा हो, मैं यही सोचती थी कि घर जाकर विडियोज बनाऊंगी।

फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरा रूटीन है

सोशल मीडिया आज छिपे टैलंट को मुकाम दे रहा है। मुझे भी पहला काम (फिल्म फर्स्ट डे, फर्स्ट शो) उसी के जरिए मिला। मैं सोशल मीडिया पर जो विडियोज डालती हूं, उसमें गानों की लिप्सिंग रहती है लेकिन ऐक्टिंग एक अलग प्रकिया है। अपनी आवाज को ऐक्ट के साथ सामने लाना और जिस फील के साथ आप सीन शूट कर रहे हो, लोगों तक पहुंचाना इतना आसान नहीं है। बतौर कलाकार मैं इसका मजा ले रही हूं। फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरी दिनचर्या में शामिल हो गया है क्योंकि मैं अपना क्राफ्ट बेहतर करने की कोशिश में लगी रहती हूं। मैंने थिएटर के लोगों के साथ काम किया है तो उनसे भी काफी कुछ सीखने को मिला है। मैं चाहती हूं कि लोग बोलें कि मैं अ‘छी कलाकार हूं।

बाइक चलाते समय कई बार गिरी

संचिता, सान्विका से बिल्कुल विपरीत है। वह बहुत शांत लड़की है, किसी की बात अगर बुरी भी लग जाए तो भी जल्दी अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करती है। कोने में अकेले जाकर रो लेती है। वहीं, सान्विका बिंदास और बेहद जिद्दी है। उसने मुझे एक स्ट्रेंथ दी है। आज मैं कहीं जाती हूं तो लोग मुझे सान्विका के नाम से बुलाते हैं। 12वीं तक मैं गर्ल्स कॉलेज में पढ़ी थी, उसके बाद ‘फर्स्ट डे फर्स्ट शो’ की शूटिंग में व्यस्त हो गई तो कॉलेज जाना नहीं हो पाता था। इस किरदार में मुझे कॉलेज लाइफ जीने का मौका भी मिला। मैं जुलाई में अपने ग्रैजुएशन के फाइनल इयर के एग्जाम देने वाली हूं। इस किरदार के लिए ही मैंने बाइक चलाना सीखी। पहले सीजन में बाइक चलाने के दौरान तो मैं कई बार गिरी हूं। हम लोग एक सीक्वेंस शूट कर रहे थे, उस दौरान चार टेक हुए और मैं काफी नर्वस हो गई थी। हर बार ढलान पर बाइक चढ़ाते समय मैं गिर जाती थी। पांचवें टेक में वो शॉट पूरा हुआ था।

पापा से बहुत प्यार करती हूं

हां, यह भी हकीकत है कि मैंने अपने नाम के आगे मां बीना और पापा सुरेंद्र का पहला अक्षर मिलाकर ‘बसु’ लगाया है। मैं पापा से बहुत प्यार करती हूं। अभी कुछ समय पहले हमारे पटना इवेंट में वह आए थे। मैं उनकी आंखों में आंसू देखकर अपने लिए खुशी देख पा रही थी। मुझे उनको हमेशा गर्व महसूस करवाना है। पापा चाहते थे कि मैं यूपीएससी करूं और मम्मी का सपना था कि मैं डॉक्टर बन जाऊं लेकिन मैं धीरे-धीरे सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मुझे भी नहीं पता था कि मैं कभी इस लाइन को चुनूंगी, बस मुझे मजा आ रहा था। अब यहां काम कर रही हूं तो अपनी जिम्मेदारी का अहसास हो रहा है क्योंकि फैंस आपसे अपेक्षा रखते हैं। मैं ऐसी हूं कि मुझे सोशल मीडिया पर भी लोग ट्रोल नहीं करते हैं।

शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें.कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गईं ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगीं।

बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं।

फैब्रिक का रखें ध्यानसबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।